आज का मौसम
26.0⁰ अधिकतम तापमान
12.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.51
सूर्यास्त 06.03

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 05:05 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 15 फरवरी 2026, वर्ष 36, अंक 11, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ मोदी सरकार ने नुकसान पहुंचाने वाला व्यापार समझौता किया : राहुल गांधी - 12

■ अमेरिकी समझौते से भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धी दाम पर कच्चा तेल - 12

■ ट्रंप बोले-ईरान में सत्ता का परिवर्तन सबसे अच्छी बात होगी जो संभव है - 13

■ मारक्रम की आतिशी बल्लेबाजी, दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराया - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मोबाइल स्क्रीन में उलझता बचपन व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। –संपादक

ब्रीफ न्यूज

कठुआ: अंतर्राष्ट्रीय सीमा से 5 किमी के दायरे में आवागमन प्रतिबंध

जम्मू। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में अधिकारियों ने शनिवार को सीमापार से गोलीबारी की आशंका और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को रोकने एवं ग्रामीणों की सुरक्षा की आवश्यकता का हवाला देते हुए अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ लगते पांच किलोमीटर के दायरे में 'अनावश्यक आवाजाही' पर प्रतिबंध लगा दिया है। कठुआ के जिला मजिस्ट्रेट राजेश शर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत आदेश जारी किया, जो कार्यकारी मजिस्ट्रेट को सुरक्षा बनाए रखने के लिए संभावित खतरे के तात्कालिक मामलों में निवारक उपाय करने का अधिकार देती है।

रामानंद सागर के बेटे आनंद सागर का निधन

मुंबई। रामायण के निर्माण से घर-घर में पहचाने जाने वाले दिग्गज फिल्म निर्माता रामानंद सागर के बेटे आनंद रामानंद सागर चोपड़ा का लंबी बीमारी के बाद यहां निधन हो गया। उनकी पत्नी निशा सागर चोपड़ा ने यह जानकारी दी। वह 84 वर्ष के थे। निशा सागर ने बताया कि उनके पति 25 वर्ष से पार्किंसन से पीड़ित थे। उस स्थिति में भी एनडीटीवी के लिए 'रामायण' बनाई, जिसका उन्होंने निर्देशन किया था। उन्होंने पांच फिल्मों का निर्माण किया था, जिनमें रणधीर कपूर और तनुजा अभिनीत 'हमराही', अमजद खान, विद्या सिन्हा, सारिका और राकेश रोशन की 'राम भरोसे' शम्मी की 'अरमान' शामिल हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला आज

टी20 विश्व कप में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी आमने सामने होंगे तो भारत के मध्यक्रम के सामने पाकिस्तान के स्पिनरों की चुनौती होगी। मैच में बारिश होने का अनुमान है।

–संबंधित खबर पढ़े पेज 14 पर।

रेलवे के 3 मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएं और 10,000 करोड़ के स्टार्टअप फंड को मंजूरी

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। सरकार ने रेलवे, मेट्रो, स्टार्टअप और शहरी विकास से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। 10,000 करोड़ के स्टार्टअप फंड को स्वीकृति के अलावा शहरों के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपये का अर्बन चैलेंज फंड बनाया जाएगा। महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना में 11,000 करोड़ की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी मिली।

मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की 18,509 करोड़ की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इनमें कसारा-मनमाड, दिल्ली-अंबाला व बल्लारी-होसपेटे के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन का निर्माण शामिल है। सरकार ने कहा, लाइन की क्षमता में वृद्धि से आवागमन में सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। इन 'मल्टी-ट्रैकिंग' प्रस्ताव से परिचालन को सुव्यवस्थित करने के साथ भीड़भाड़ को कम किया जा सकेगा।

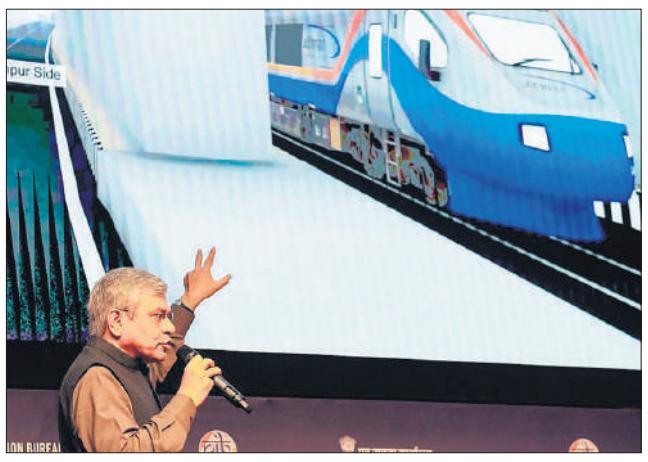

केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णयों पर मीडिया को जानकारी देते केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी।

ये तीन परियोजनाएं मौजूदा रेलवे नेटवर्क को 389 किमी तक बढ़ा देंगी। 'प्रस्तावित 'मल्टी-ट्रैकिंग' परियोजनाओं से लगभग 3,902 गांवों की कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिनकी कुल जनसंख्या लगभग 97 लाख है। देश भर के कई प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए रेल संपर्क में सुधार होगा, जिनमें भावली बांध, श्री घाटंदेवी, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, कटरा में श्री माता वैष्णो देवी, श्रीनगर और हम्पी (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल) जैसे प्रमुख आकर्षण शामिल हैं। वहीं, देश में उद्यम पूंजी के प्रोत्साहन और उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रौद्योगिकी-आधारित नवोन्मेषी विनिर्माण स्टार्टअप एवं शुरुआती दौर वाले उद्यमों को वित्तीय सहायता के लिए 10,000 करोड़ रुपये के कोष को मंजूरी दी। यह 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के तहत 'फंड ऑफ फंड्स' (एफओएफ) योजना का दूसरा चरण है।

ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे दौड़ेंगी ट्रेन और कारें देश की पहली अंडरवॉटर रेल-रोड टनल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे भारत की पहली सड़क-सह-रेल सुरंग समेत गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच चार लेन वाले ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के निर्माण के लिए 18,662 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह भारत की पहली और विश्व की दूसरी सड़क-सह-रेल सुरंग होगी। वर्तमान में, राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर स्थित नुमालीगढ़ और एनएच-15 पर स्थित गोहपुर के बीच की दूरी एनएच-52 पर सिलघाट के निकट स्थित कालियाभम्भोरा सड़क पुल से 240 किलोमीटर है। इसमें नुमालीगढ़, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बिश्वनाथ कस्बे से होते हुए छह घंटे का समय लगता है। इसमें कहा गया है, इन चुनौतियों से निपटने के लिए, इस परियोजना को राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर गोहपुर से नुमालीगढ़ तक ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे सड़क-सह-रेल सुरंग के साथ चार-लेन ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है।

शहरी अवसंरचना को 1 लाख करोड़ का यूसीएफ

शहरी अवसंरचना को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए शनिवार को एक लाख करोड़ रुपये की कुल केंद्रीय सहायता के साथ 'अर्बन चैलेंज फंड' (यूसीएफ) शुरू करने को मंजूरी दे दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि इस योजना के तहत केंद्र सरकार परियोजना लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा वहन करेगी, बशर्ते कि परियोजना के लिए 50 प्रतिशत धन बाजार से जुटाया गया हो। इस पहल से अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में कुल चार लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। यह कदम बड़े बदलाव का प्रतीक है, जिसके तहत अब अनुदान-आधारित वित्तपोषण के बजाय बाजार से जुड़े, सुधार-आधारित और परिणाम-उन्मुख बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया जाएगा। (संबंधित समाचार कारोबार पर)

बांग्लादेश में किसी भी कीमत पर कानून-व्यवस्था बनाए रखनी होगी : रहमान

ढाका, एजेंसी

• भारत, चीन और पाकिस्तान के साथ संबंधों पर स्पष्ट की नीति

बड़ी जीत हासिल करने के बाद बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान ने बांग्लादेश में किसी भी कीमत पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने का शनिवार को आह्वान किया और सुरक्षित व मानवता का सम्मान करने वाला देश बनाने में सहयोग देने की अपील की। कहा कि उनकी पार्टी एक ऐसी विदेश नीति का पालन करेगी जो चीन, भारत और पाकिस्तान के साथ व्यवहार में बांग्लादेश के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगी। रहमान पहली बार प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। वह अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस की जगह लेंगे।

रहमान ने 13वें संसदीय चुनावों में भारी जीत के एक दिन बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमें सुरक्षित और मानवता का सम्मान करने वाला बांग्लादेश बनाने के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता है। रहमान ने कहा, किसी भी बहाने किसी के साथ अन्याय नहीं किया जा सकता। देश के स्वतंत्रता-प्रेमी लोगों ने बीएनपी को विजयी बनाया है। कहा, आज से सभी स्वतंत्र हैं बधाई। सभी की भागीदारी के साथ देश में फासीवाद-मुक्त सरकार की यात्रा शुरू हो गई है।

जीत के बाद विक्ट्री साइन बनाते रहमान।

बीएनपी ने कहा-भारत के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं

ढाका। बांग्लादेश में चुनाव में भारी जीत हासिल करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने शनिवार को कहा कि वह दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए भारत के साथ साझा प्रतिबद्धता एवं रचनात्मक जुड़ाव की उम्मीद करती है। बीएनपी प्रधानमंत्री मोदी की उस पोस्ट का जवाब दे रही थी जिसमें उन्होंने तारिक रहमान को निर्णायक जीत के लिए बधाई दी थी।

कांग्रेस ने पूर्वोत्तर की उपेक्षा की, अपने शासन में उग्रवाद को छूट दी

गुवाहाटी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उस पर पूर्वोत्तर की उपेक्षा करने और अपने शासनकाल के दौरान असम में उग्रवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। मोदी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा देश की सुरक्षा को खतरे में डाला है और असम में उसके कार्यकाल के दौरान भय और असुरक्षा का माहौल बना रहा।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने ध्रुवीकरण और वोट बैंक की राजनीति में लिप्त होकर ऐसे निर्णय लिए, जिनसे इन चीजों को बढ़ावा मिला। मोदी ने कहा, देश का विभाजन मुस्लिम लीग के कारण हुआ था, लेकिन अब 'एमएमसी' - माओवादी, मुस्लिम लीग, कांग्रेस हैं और लोगों को इनके बारे में जागरूक होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया, लेकिन भाजपा अवैध अप्रवासन को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और

इसलिए अगले पांच साल राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने असम में कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिनमें ब्रह्मपुत्र नदी पर बना एक पुल, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) गुवाहाटी और पूर्वोत्तर क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने वाला एक डेटा केंद्र शामिल है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने असम के डिब्रूगढ़ में स्थित पूर्वोत्तर की पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) पर सी-130जे विमान से शनिवार को ऐतिहासिक लैंडिंग की। मोदी ने चाबुवा हवाई क्षेत्र से उड़ान भरी और वह राष्ट्रीय राजमार्ग-37 स्थित मोरान के ईएलएफ पर उतरे।

गोंडा के धानेपुर में खेत गयी बच्ची को कुत्तों ने नोचकर मार डाला

धानेपुर, गोंडा। वार्ड नंबर पांच कल्याण नगर के मुहल्ला टहलुवन पुरवा में खेत गयी बच्ची को कुत्तों ने नोच-नोचकर मार डाला। जानकारी के अनुसार मुहल्ला टहलुवन पुरवा के रहने वाले विशुन लाल की बेटी महक (6) छोटी बहन मुस्कान (4) व गांव की दो अन्य बच्चियों के साथ खेत गयी थी। इसी दौरान अचानक दो कुत्ते वहां पहुंच गए और हमला कर दिया। कुत्तों ने

महक को नोच डाला। गले के पास काटने से अत्यधिक रक्तस्राव हुआ, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। सूचना मिलते ही परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में बच्ची को सीएचसी मुजेहना ले जाया गया। वहां हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिजन बच्ची को लेकर जा रहे थे कि रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

पंजाबी अभिनेत्री से 10 करोड़ रंगदारी मांगी

मोहाली। पंजाबी अभिनेत्री हिमांशी खुराना ने मोहाली पुलिस में दर्ज कराई गई अपनी शिकायत में दावा किया है कि उन्हें विदेश में रहने वाले एक गैंगस्टर ने धमकी देते हुए 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। मोहाली

पुलिस ने कहा कि अभिनेत्री से मिली शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने बताया कि खुराना ने अपनी ईमेल आईडी पर प्राप्त जबरन वसूली के ईमेल के संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी।

डिजिटल होगा घरों का सर्वे, 33 सवालों पर जुटेगा डेटा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

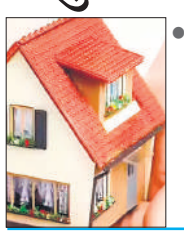

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने वर्ष 2011 के बाद एक बार फिर जनगणना की तैयारियां तेज कर दी हैं। पहले चरण में हाउसहोल्ड सर्वे 20 मई से 20 जून के बीच कराया जाएगा। इस दौरान जनगणना कर्मी घर-घर जाकर 33 निर्धारित प्रश्न पूछेंगे। पूरी प्रक्रिया डिजिटल एप के माध्यम से संचालित होगी, जिससे डाटा संकलन सटीक व सुरक्षित हो सकेगा।

पहले चरण में 27 जिलों के मास्टर ट्रेनरों को 17 से 20 फरवरी तक विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि फील्ड स्तर पर जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित और समयबद्ध ढंग से पूरा किया जा सके। मास्टर ट्रेनर अपने-अपने जिलों में जनगणना कर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे। इस चरण में आगरा, अलीगढ़, अमरोहा, बागपत, गाजियाबाद, बलिया, बिजनौर, बुलंदशहर, चंदौली, देवरिया, गौतम बुद्ध नगर, गाजीपुर, हापुड़, हाथरस, झांसी,

• जनगणना की तैयारी तेज, 20 मई से 20 जून तक होगा सर्वे 27 जिलों के मास्टर ट्रेनरों को विशेष प्रशिक्षण

ललितपुर, मथुरा, मऊ, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर, संभल, शामली, सोनभद्र और वाराणसी शामिल हैं। सर्वे में भवन संख्या, परिवार क्रमांक, परिवार के मुखिया का नाम, पेयजल की उपलब्धता, शौचालय की स्थिति, रसोई गैस, उपयोग में आने वाला प्रमुख अनाज, परिवार में उपलब्ध सुविधाएं और अर्जित परिसंपत्तियों सहित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दर्ज की जाएंगी। प्रशिक्षण सत्रों में सर्वे प्रक्रिया, डाटा संग्रह की विधि और तकनीकी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। सरकार का लक्ष्य है कि कार्य पारदर्शी, त्रुटिरहित और तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए।

पीएम राहत योजना को मंजूरी, हादसा पीड़ितों को मिलेगा 1.5 लाख तक का कैशलेस इलाज

नई दिल्ली, एजेंसी

सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली प्रदान कराने के उद्देश्य से सरकार ने शनिवार को पीएम राहत योजना की शुरुआत की। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि भारत में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में मौतें होती हैं, जिनमें से कई मौतें समय पर चिकित्सा मुहैया कराने से रोकी जा सकती हैं।

मंत्रालय ने अध्ययनों का जिक्र करते हुए कहा कि यदि पीड़ितों को सड़क दुर्घटना के पहले घंटे के भीतर अस्पताल में भर्ती कराया जाए तो सड़क दुर्घटना में होने वाली

• पीएमओ ने सेवा तीर्थ भवन में स्थानांतरित होने के बाद लिया पहला निर्णय

लगभग 50 प्रतिशत मौतों को टाला जा सकता है। मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री कार्यालय 'सेवा तीर्थ' भवन में स्थानांतरित होने के बाद अपने पहले निर्णय में प्रधानमंत्री ने 'पीएम राहत' (सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए अस्पताल में भर्ती और सुनिश्चित इलाज) योजना शुरू करने की मंजूरी दी। यह योजना सरकार के उस दृष्टिकोण को दिखाती है, जिसमें कमजोर नागरिकों के लिए सेवा, करुणा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती है।

मंत्रालय के मुताबिक, इस योजना के तहत किसी भी सड़क दुर्घटना में पात्र व्यक्ति को 1.5 लाख रुपये तक नकदी-रहित (कैशलेस) इलाज मिलेगा, जो दुर्घटना की तारीख से सात दिनों तक मान्य होगा। गंभीर मामलों में प्राथमिक उपचार 48 घंटे तक और गैर-गंभीर मामलों में 24 घंटे तक उपलब्ध रहेगा।

चेतावनी

जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी को मिली निस्तारण की गलत जांच रिपोर्ट की शिकायत

जन शिकायतों पर फर्जी रिपोर्ट पड़ेगी भारी, दर्ज होगी एफआईआर

• मुख्यमंत्री योगी ने कहा, किसी भी प्रकरण में लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही और गलत जांच रिपोर्ट लगाने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी भी प्रकरण में जांच के दौरान फर्जी या गलत रिपोर्ट लगाए जाने की पुष्टि होती है तो, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर

दर्ज कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि किसी भी स्तर पर शिथिलता या हीलाहवाली अक्षम्य होगी।

मुख्यमंत्री ने ये निर्देश शनिवार सुबह गोरखपुर मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को तब दिए, जब कुछ प्रकरण ऐसे सामने आए जिनमें पीड़ितों ने गलत जांच रिपोर्ट लगाए जाने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए निर्देश दिए कि ऐसे मामलों की जांच कर गलत रिपोर्ट लगाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्तर पर जानबूझकर प्रकरण लंबित रखा गया है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तय है। जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायतों पर भी विधिसम्मत कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है और हर समस्या का प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा।

शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए कि जन शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनता दर्शन में इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि अस्पताल के एस्टीमेट की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर शासन को भेजी जाए, ताकि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जनता दर्शन के दौरान परिजनों के साथ आए बच्चों पर मुख्यमंत्री ने विशेष स्नेह जताया, उन्हें दुलार किया, चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा के समक्ष शीश नवाया। इसके बाद मंदिर की गोशाला पहुंचकर मुख्यमंत्री ने गोसेवा की और गायों व गोवंश को अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 15 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

16 से 28 तक भारत नेपाल मैत्री महोत्सव

अमृत विचार, लखनऊ : भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव 2026 का आयोजन 16 से 28 फरवरी तक प्रदेश के आठ जिलों में किया जाएगा। 13 दिवसीय इस सांस्कृतिक उत्सव की शुरुआत 16-17 फरवरी को कुशीनगर से होगी, जबकि समापन 27-28 फरवरी को पीलीभीत में होगा। इसके अलावा सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच और लखीमपुर खीरी में भी क्रमवार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जनपदों के प्रमुख स्थलों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, शोभायात्राएं, कवि सम्मेलन और संगोष्ठियां आयोजित होंगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि महोत्सव में 'एक जनपद एक उत्पाद' प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र होगी।

किसानों तक पहुंचाएंगे नई तकनीक : शाही

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने झांसी स्थित रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि प्रदर्शनी-2026 का उद्घाटन किया। "विकसित कृषि-विकसित भारत-2047" अभियान के तहत 14 से 16 फरवरी तक चलने वाले इस मेले का उद्देश्य आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों तक पहुंचाना है। कृषि मंत्री ने 'श्री अन्न उत्कृष्टता केंद्र' और 'खाद्य परीक्षण एवं प्रसंस्करण केंद्र' का लोकार्पण किया तथा 20 करोड़ रुपये की लागत से प्राकृतिक एवं जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र और 11 करोड़ रुपये की प्राकृतिक कृषि उत्पाद परीक्षण प्रयोगशाला का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में एआई आधारित मोबाइल ऐप "डीआरएक्यू", "एक्वा स्कैन" और "पशु आहार मित्र" भी लांच किए गए।

74 जिलों को मिले विधिक सेवा प्रचार वाहन

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 74 जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के लिए मल्टी यूटिलिटी विधिक सेवा प्रचार वाहनों का फ्लैग-ऑफ तथा राज्य स्तरीय मध्यस्थता हेल्पलाइन 1800-180-1212 की शुरुआत की गई है। हाईकोर्ट लखनऊ खंडपीठ परिसर में निकले ये प्रचार वाहन ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में जाकर नि:शुल्क विधिक सहायता और सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। वहीं नई मध्यस्थता हेल्पलाइन के जरिए लोग अपने विवादों के समाधान हेतु मुफ्त परामर्श ले सकेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने शनिवार को किया। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पंकज मित्तल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली सहित कई वरिष्ठ न्यायाधीश उपस्थित रहे।

महिला छात्रावासों के निर्माण को किस्त जारी

अमृत विचार, लखनऊ : शहरी क्षेत्रों में रोजगार के लिए आने वाली कामकाजी महिलाओं के लिए किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए आठ श्रमजीवी महिला छात्रावासों के निर्माण कार्य को तेज कर दिया गया है। केंद्र सरकार की एसएएससीआई योजना के अंतर्गत संचालित इस योजना के लिए कुल 382 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से 251.82 करोड़ रुपये (करीब 66 प्रतिशत) पहली किस्त के रूप में जारी कर दिए गए हैं। प्रदेश सरकार ने अप्रैल 2025 में सीएंडडीएस को इस परियोजना का कार्यदायी संस्थान नामित किया था। विभागीय स्तर पर भूमि चिन्हांकन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। वर्तमान में लखनऊ में 3, गौतमबुद्धनगर में 4 और गाजियाबाद में 1 कुल आठ छात्रावासों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है।

नौकरी की गारंटी होगी वानिकी विश्वविद्यालय की डिग्री : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय का उद्घाटन

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कैम्पियरगंज में प्रस्तावित प्रदेश का पहला वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय युवाओं के लिए रोजगार की गारंटी बनेगा। इस विश्वविद्यालय से डिग्री और डिप्लोमा लेकर निकलने वाले युवाओं को देश और दुनिया में व्यापक रोजगार अवसर मिलेंगे। साथ ही यह संस्थान किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री शनिवार को जंगल कौड़िया ब्लाक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय के उद्घाटन के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण प्रदूषण है। वायु प्रदूषण सीधे स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, जबकि उत्तर प्रदेश ने विकास के साथ-साथ दमघोंटू वातावरण से मुक्ति की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। कैम्पियरगंज में बनने वाला वानिकी विश्वविद्यालय इन पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में कारगर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कैम्पियरगंज में स्थापित गिद्धराज जटायु संरक्षण केंद्र का उल्लेख करते हुए कहा कि माता सीता के हरण के समय रावण का प्रतिकार करने वाले गिद्धराज जटायु मानव जाति के लिए प्रेरणास्रोत हैं। आज रसायनों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से गिद्धों की संख्या घट रही है, ऐसे में संरक्षण केंद्र बनाकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई है। इसी क्रम में वानिकी विश्वविद्यालय वनाच्छादन बढ़ाने और पर्यावरण संतुलन का नया मॉडल बनेगा।

गोरखपुर के जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

विकास का मॉडल बना गोरखपुर: मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास कैसे होता है, आज गोरखपुर उसका सजीव मॉडल बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और गोरखपुर इसकी मजबूत मिसाल है।

मुख्यमंत्री शनिवार को वार्ड संख्या-22 जंगल तुलसीराम के बिछिया कॉलोनी में शहर के पांचवें कल्याण मंडपम के लोकार्पण के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 2.47 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कल्याण मंडपम का फीता काटकर उद्घाटन किया। यह मंडपम मुख्यमंत्री की विधायक निधि से बनाया गया है। योगी ने कहा कि गोरखपुर में अब तक पांच कल्याण मंडपम बन चुके हैं और पांच अन्य निर्माणाधीन हैं।

मुख्यमंत्री ने बिछिया क्षेत्र को सड़कों और जलनिकासी का नया मॉडल बताते हुए कहा कि गोड़धोइया नाला और एसटीपी परियोजनाएं क्षेत्र की तस्वीर बदल देंगी। उन्होंने बताया कि राप्तीनगर विस्तार स्पोर्ट्स सिटी योजना के तहत एलआईजी और ईडब्ल्यूएस आवंटियों को आवास सुविधा दी जा रही है।

एसएससी परीक्षा : साल्वर गैंग के सरगना समेत दो गिरफ्तार

यूपीएस रूम का कंप्यूटर सिस्टम हैक कर कराई जा रही थी ऑनलाइन नकल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: स्टाफ सेलेक्शन कमीशन (एसएससी) की मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के लिए की जा रही भर्ती में साल्वर गैंग के सरगना ने सेंध लगा दी। ऑनलाइन हाईटेक सुरक्षा व्यवस्था को भेदते हुए प्राक्सी सर्वर सेटअप के माध्यम से रिमोट एक्सेस से नकल कराई जा रही थी। यूपी और उत्तराखंड की एसटीएफ ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए देहरादून स्थित एमकेपी इंटर कालेज परिसर स्थित महादेव डिजिटल जोन के संचालक भास्कर नैथानी और सेंटर में तैनात इलेक्ट्रिशियन नीतीश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ तफ्तीश में अभी आधा दर्जन अभियुक्तों के भी साल्वर गैंग में शामिल होने के सुराग मिले हैं। सभी के खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

एसएससी द्वारा केंद्र सरकार के विभागों में एमटीएस के तहत सेंट्रल ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीआईसी व सीबीएन) में हवलदार के पदों के लिए पहले चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा चल रही है। यह परीक्षाएं चार फरवरी को शुरू हुई थीं, जो कि 15 फरवरी तक जारी रहेंगी। इसके लिए यूपी के साथ ही उत्तराखंड के तमाम डिजिटल से लैस संस्थान केंद्र बनाए गए हैं। इन सभी केंद्रों पर अलग-अलग तारीखों में परीक्षाएं एड्यूक्विटी कंपनी की ओर से कराई जा रही हैं।

एसटीएफ के एडीशनल एसपी ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि ऑनलाइन हो रही परीक्षा में पता चला कि कुछ स्थानों पर सिस्टम हैक करके साल्वर बिठाकर परीक्षा कराई जा रही हैं। इसके बाद जब टीम को उतारा गया तो पता चला कि देहरादून स्थित डिजिटल जोन परीक्षा लैब के पास बने यूपीएस रूम से कंप्यूटर सिस्टम हैक करके नकल कराई जा रही है। इसके बाद यूपी और उत्तराखंड की एसटीएफ टीम ने संयुक्त रूप से परीक्षा केंद्र पर छापा मारा। वहां पर अंडर ग्राउंड चैंबर में दो लैपटाप चालू हालत में पाए गए, जिन पर करसर लगातार मूव कर रहा था। वहां पर टर्मिनल विंडो ओपन थीं, वहीं 16 कार्ड व आईकान दिखाई दे रहे थे।

एसटीएफ ने नकल कराने के आरोप में शनिवार को परीक्षा केंद्र के मालिक भास्कर नैथानी, निवासी सरस्वतीपुरम लेन नंबर-चार, देहरादून और नितीश कुमार निवासी सुरजीपुर, देवरिया को गिरफ्तार कर लिया। नितीश कुमार मौजूदा समय में परिवार के साथ दिल्ली के नांगलोई में रहता है। वह भाष्कर नैथानी के यहां संस्थान में इलेक्ट्रिशयन के पद पर तैनात है। पूछताछ में अभी आधा दर्जन अभियुक्तों के भी साल्वर गैंग में शामिल होने की आशंका है। टीमें लगातार साक्ष्य जुटाने में लगी हैं।

- एसटीएफ के रडार पर साल्वर गैंग के आधा दर्जन सदस्य, जांच जारी

गिरफ्तार भास्कर नैथानी व नीतीश कुमार।

परीक्षा केंद्र पर हैक कर चलाया जा रहा कंप्यूटर सिस्टम।

दिल्ली पुलिस भर्ती में भी हुई थी नकल !

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सॉल्वर गैंग

- पुलिस परीक्षा में भी तैयार किया गया था अंडरग्राउंड सेटअप

अमृत विचार: एसएससी की एमटीएस परीक्षा में ऑनलाइन साल्वर गैंग का खुलासा हुआ है तो अब बीते दिनों हुई दिल्ली पुलिस की भर्ती पर भी सवाल उठने शुरू हो गए हैं। एसटीएफ के मुताबिक, नवंबर-25 में दिल्ली पुलिस के चालक पद की भर्ती के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा देहरादून के इसी महादेव डिजिटल जोन सेंटर पर कराई गई थी। गिरफ्तार इलेक्ट्रिशियन नितीश ने उस समय भी कथित तौर पर यूपीएस सिस्टम हैक करने के लिए अंडर ग्राउंड सिस्टम तैयार किया था। अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या दिल्ली पुलिस की उस भर्ती में भी नकल कराई गई थी। हालांकि अभी यह महज आशंका है, लेकिन विस्तृत जांच के बाद ही सही स्थिति साफ हो पाएगी।

एसटीएफ प्रवक्ता के मुताबिक, गिरफ्तार किया गया अभियुक्त इलेक्ट्रिशियन नितीश कुमार मूलरूप से देवरिया का निवासी है। वह वर्ष 2007 से दिल्ली के नागलोई में माता-पिता और परिवार के साथ रहता है। आरोप है कि नकल माफियाओं के कहने पर नितीश कुमार ने राउटर को पावर सप्लाई और इंटरनेट के लिए अवैध रूप से छिपाते हुए चैंबर में अंडर ग्राउंड वायरिंग की थी। वायरिंग को लैब और कैमरे से कनेक्ट कर नकल कराई जा रही थी। एसटीएफ के मुताबिक, नितीश कुमार ने पूछताछ में बताया कि नवंबर 25 में देहरादून के इसी महादेव डिजिटल सेंटर पर दिल्ली पुलिस के चालक पदों की परीक्षा हुई थी। इस परीक्षा को भी एसएससी ने आयोजित किया था। उस दौरान भी उसने अंडर ग्राउंड सेटअप तैयार किया था। नितीश कुमार नकल माफियाओं के इशारे पर परीक्षा वाले दिन सुबह छह और 6.30 बजे के बीच में यूपीएस रूम के चैंबर को ओपन कर लैपटाप को ऑन कर देता था। बाद में उसके ढक्कन लगाकर उसे ढक देता था। आरोप यह भी है कि नितीश कुमार केंद्र के परीक्षार्थियों के कंप्यूटर की आईपी लिस्ट को एक पेपर पर लिखकर उसकी फोटो व्हाट्सएप के माध्यम से साथी साल्वरों को भेज देता था। इसी आईपी के जरिए प्रोक्सी एडमिन कंप्यूटर में मौजूद रिमोट एक्सेस टूल के माध्यम से दूर बैठकर पेपर हल कराते थे।

दस लाख में कराते थे नकल

एसटीएफ के मुताबिक, साल्वर गैंग प्रत्येक अभ्यर्थी को परीक्षा में नकल कराने के लिए दस-दस लाख लेते थे। इसमें चार लाख पहले और परीक्षा खत्म होने के बाद शेष छह लाख रुपये लिए जाते थे। साल्वर गैंग के सदस्यों ने भास्कर नैथानी के नाम से सेंटर ले रखे थे। इसके ऐवज में नैथानी को 30 हजार रुपये और नितीश कुमार को 40 हजार रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त रूप से दिए जाते थे।

> परीक्षा सेंटर के यूपीएस सिस्टम को हैक कर ऑनलाइन परीक्षा कराई जा रही थी। अभियुक्त नितीश कुमार ने राउटर को पावर सप्लाई और इंटरनेट के लिए अवैध रूप से छिपाते हुए चैंबर में अंडर ग्राउंड वायरिंग की थी इस मामले में साल्वर गैंग के भास्कर नैथानी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि गैंग के अन्य आधा दर्जन एसटीएफ के रडार पर हैं।
>
> -ब्रजेश कुमार सिंह, एडीशनल एसपी, एसटीएफ

नोएडा मेट्रो एक्सटेंशन कॉरिडोर को मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सेक्टर-142 से बॉटनिकल गार्डन तक 11.56 किमी एलिवेटेड विस्तार, 8 नए स्टेशन

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नोएडा मेट्रो रेल परियोजना के सेक्टर-142 से बॉटनिकल गार्डन तक 11.56 किलोमीटर लंबे एक्सटेंशन कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। यह नया एलिवेटेड कॉरिडोर कुल 8 स्टेशनों के साथ विकसित किया जाएगा। इसके संचालन में आने के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सक्रिय मेट्रो नेटवर्क की कुल लंबाई 61.62 किलोमीटर हो जाएगी।

यह कॉरिडोर बॉटनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन तक जाएगा, जहां दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन और मैजेंटा लाइन से इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी। इससे नोएडा और ग्रेटर नोएडा के यात्रियों को दिल्ली, एयरपोर्ट, प्रमुख रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों तक पहुंच और सुगम होगी। खासतौर पर परी चौक से बॉटनिकल गार्डन का सफर आसान होगा और यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी। एक्सटेंशन कॉरिडोर से नोएडा के प्रमुख व्यावसायिक, औद्योगिक और शैक्षणिक क्षेत्रों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। सेक्टर-142 का एडवांट बिजनेस पार्क, सेक्टर-98 का स्काईमार्क वन मॉल, सेक्टर-93 का मॉल ऑफ नोएडा, सेक्टर-145 में माइक्रोसॉफ्ट, सेक्टर-157 में टीसीएस, सेक्टर-126 में हैवेल्स, सेक्टर-132 में इन्फोसिस व एडोबी, सेक्टर-135 में कॉग्निजेंट और सेक्टर-127 में ओरेकल जैसे बड़े संस्थानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

वाणी पोल खोल देती है : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शंकराचार्य पर दिए गए कथित अपमानजनक बयान को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि "पहन ले कोई जैसे भी चोले, पर उसकी वाणी पोल खोल देती है। अहंकार व्यक्ति का सम्मान छीन लेता है और समाज सब देख रहा है।

सपा प्रमुख ने शनिवार को कहा कि पूज्य शंकराचार्य के खिलाफ अपशब्द कहना शाब्दिक हिंसा और पाप है। साथ ही आरोप लगाया कि महाकुंभ में हुई मौतों के सही आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं और मुआवजा वितरण में भी पारदर्शिता नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने ऊपर लगे मुकदमे हटवाते हैं, उन्हें किसी के धर्म पद पर सवाल उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है। साथ ही कहा कि सदन में दिया गया अभद्र बयान रिकॉर्ड का हिस्सा बन चुका है और यह अत्यंत निंदनीय है।

स्वस्थ जच्चा-बच्चा के लिए बढ़ेंगी एफआरयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज्य स्तरीय टास्क फोर्स बैठक में लिया गया निर्णय

अमृत विचार : आपातकालीन प्रसव सेवाओं को मजबूत करने के लिए 24 घंटे संचालित फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) की संख्या 153 से बढ़ाकर 427 करने का निर्णय लिया गया। साथ ही विशेष नवजात देखभाल इकाइयों (एसएनसीयू) और न्यूबॉर्न स्टेबिलाइजेशन यूनिट (एनबीएसयू) का विस्तार, सीपीएपी सुविधा बढ़ाने और 24 घंटे जांच सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

यह निर्णय शनिवार को प्रदेश में मातृ एवं नवजात मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय टास्क फोर्स बैठक में लिया गया है। महाप्रबंधक (बाल स्वास्थ्य) डॉ. मिलिंद वर्धन ने बताया कि सैंपल रजिस्ट्रेशन सर्वे 2023 के अनुसार, प्रदेश में मातृ मृत्यु दर 141 प्रति एक लाख, नवजात मृत्यु दर 26 प्रति हजार और शिशु मृत्यु दर 37 प्रति हजार हो गई है। गुणवत्तापूर्ण प्रसव सेवाओं और नवजात देखभाल से मातृ मृत्यु में 46 प्रतिशत तथा नवजात मृत्यु में 40 प्रतिशत तक कमी संभव है।

'मदर एंड न्यूबॉर्न केयर यूनिट' (एमएनसीयू) मॉडल को बढ़ावा देने और ई-कवच डिजिटल प्रणाली के माध्यम से हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं व कम वजन वाले नवजातों की ट्रैकिंग को मजबूत किया जाएगा। अब हर तीन महीने में समीक्षा सम्मेलन आयोजित होंगे और अस्पतालों की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन तय मानकों पर किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य गर्भावस्था से लेकर जन्म के बाद तक मां और बच्चे की निरंतर निगरानी सुनिश्चित कर मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाना है।

स्वास्थ्य भवन चौराहे से प्रदर्शनकारी आप कार्यकर्ताओं को बस में बिठाकर ले जाते पुलिसकर्मी।

ट्रेड डील की प्रतियां जलाकर आप ने किया प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

अमृत विचार , लखनऊ : आम आदमी पार्टी (आप) ने कथित मोदी-ट्रंप ट्रेड डील के विरोध में प्रदेश के विभिन्न जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया। लखनऊ में स्वास्थ्य भवन चौराहे पर जिलाध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने समझौते की प्रतियां जलाकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

आप नेताओं ने आरोप लगाया कि यह डील किसानों, छोटे व्यापारियों और देश की संप्रभुता के खिलाफ है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह "ट्रेड डील नहीं, थ्रेट डील" है और इससे भारतीय कृषि बाजार अमेरिकी उत्पादों के लिए खोला जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया। पार्टी ने प्रशासन की कार्रवाई को अलोकतांत्रिक बताते हुए डील को तत्काल निरस्त करने की मांग की है।

प्रदेश की अदालतें पूर्व में झेल चुकी हैं आतंकी विस्फोट का दंश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वर्ष 2007 में लखनऊ, वाराणसी व अयोध्या में हुए विस्फोटों में गई थी 11 लोगों की जान

अमृत विचार: लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी समेत सूबे के 15 जिलों की अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है तो अतीत की भयावह यादें ताजा हो रही हैं। बम विस्फोटों का दंश प्रदेश की अदालतें पूर्व में झेल चुकी हैं। इसी के चलते बीते दिनों मिली धमकियों को सुरक्षा एजेंसियां गंभीरता से ले रही हैं।

अतीत में जाएं तो 23 नवंबर 2007 में लखनऊ, वाराणसी और उस समय के फैजाबाद (अयोध्या) की अदालतों में सिलसिलेवार बम विस्फोट हुए थे। विस्फोटों में 11 लोगों को जान चली गई थी। इन विस्फोटों के पीछे आतंकी संगठन हरकत उल जिहाद अल इस्लाम (हूजी) और इंडियन मुजाहिदीन के संदिग्ध आतंकवादियों का हाथ होने के आरोप लगे थे। करीब दर्जन भर से अधिक अभियुक्तों की गिरफ्तारी भी की गई थीं। तोबड़तोड़ कार्रवाई के बाद माना गया था कि शायद अब अदालतें सुरक्षित रहेंगी। अदालत परिसरों में सीसीटीवी कैमरों के साथ ही तमाम सुरक्षा व्यवस्थाएं की गईं थीं। लेकिन चार अगस्त 2015 को कानपुर अदालत के परिसर में बम विस्फोट हो गया। चार अक्टूबर 2017 को लखनऊ के सिविल कोर्ट के बाथ रूम में विस्फोट हुआ। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां एक बार हरकत में आईं। लेकिन एक बार फिर शुक्रवार को जिस तरह से अदालतों को निशाना बनाने की धमकी दी गई है, उससे सुरक्षा एजेंसियां खासी चौकन्नी हो गई हैं।

कार्यशाला कार्यकर्ता निर्माण ही संगठन निर्माण की कुंजी : ओमप्रकाश धनखड़

प्रशिक्षण महाभियान से बूथ स्तर तक सशक्त होगा भाजपा संगठन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज्य, जिला, मंडल व बूथ स्तर पर प्रशिक्षण वर्ग की बनी योजना

अमृत विचार: भाजपा ने प्रदेश में शुरू किए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रशिक्षण अभियान के राष्ट्रीय सहसंयोजक ओमप्रकाश धनकड़ ने कहा कि प्रशिक्षण महाभियान से बूथ स्तर तक भाजपा संगठन सशक्त होगा। कार्यकर्ता निर्माण ही संगठन निर्माण की कुंजी है, जबकि प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने वैचारिक दृढ़ता, अनुशासन और सेवा भाव पर बल दिया।

शनिवार को बीबीडी विश्वविद्यालय स्थित सभागार में हुई कार्यशाला में राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि प्रशिक्षण तराशने की प्रक्रिया है, जो सीखता है, वही आगे बढ़ता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान को उन्होंने संगठन सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह कार्यकर्ताओं को विचार, व्यवहार और नेतृत्व, तीनों स्तरों पर समृद्ध करेगा।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का एक देश-एक विधान का संदेश आज भी भाजपा के लिए पथप्रदर्शक है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कार्यकर्ता केवल चुनावी योद्धा नहीं, बल्कि समाज का मार्गदर्शक बनता है।

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि बूथ स्तर तक प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति हैं। यह महाभियान कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीति, सेवा कार्यों और जनसंपर्क अभियानों से जोड़ते हुए उन्हें अधिक प्रभावी बनाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत प्रदेश स्तर पर तीन दिन, जिला स्तर पर दो दिन, मंडल स्तर पर 24 घंटे और बूथ स्तर पर दो सत्रों में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण महाभियान के उत्तर-पूर्व क्षेत्र (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार) के क्षेत्रीय प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्य ने पीपीटी के माध्यम से अभियान की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उत्तराखंड के पूर्व महामंत्री राजू भंडारी, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, मोर्चों के पदाधिकारी, मीडिया, सोशल मीडिया और आईटी टीम के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

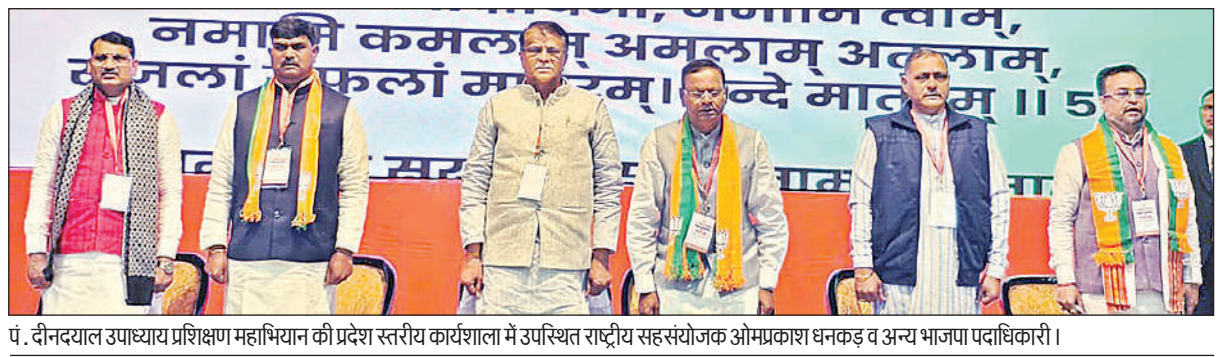

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में उपस्थित राष्ट्रीय सहसंयोजक ओमप्रकाश धनकड़ व अन्य भाजपा पदाधिकारी।

न्यूज ब्रीफ

छात्रा को अगवा कर दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, मलिहाबाद : थाना क्षेत्र इंटर की छात्रा को अगवा कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि आरोपी कई लड़कियों के साथ गलत कार्य करके जीवन बर्बाद कर चुका है। एक गांव में रहने वाली 16 वर्षीय किशोर इंटर की छात्रा है। मां ने तहरीर देते हुए बताया कि आरोपी अमित निवासी दुलारमऊ शातिर किस्म का है। आरोप है कि 11 फरवरी की शाम अमित उनकी बेटी को अगवा कर ले गया। कई जगह पर रखकर दुष्कर्म किया और फिर अपने घर ले गया। परिजन ने 12 फरवरी को आरोपी के खिलाफ कोतवाली पर शिकायत की। पुलिस ने किशोरी को आरोपी के घर से बरामद करते हुए अमित को हिरासत में लिया। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार का टूटा पैर

अमृत विचार, माल : थाना क्षेत्र माल -इटौंजा मार्ग स्थित सगरा तालाब के पास डीसीएम ने बाइक सवार दुर्गा बुरी तरह घायल हो गए। आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया तो पता चला कि पैर टूटने के साथ अन्य जगह चोटें आयी हैं। बताया जा रहा है कि शनिवार की सुबह नौ बजे देवरी भारत गांव निवासी दुर्गा किसी जरूरी कार्य से मोटरसाइकिल से जा रहा था। तभी पीरनगर गांव के पास स्थित सगरा तालाब के निकट डीसीएम चालक टक्कर मारते हुए भाग निकला।

नर्सरी में लगी आग पौधे व अन्य माल जला

नर्सरी में लगी आग।

अमृत विचार, लखनऊ : मोती महल लॉन के बाहर नर्सरी की दुकान में शनिवार देर रात आग लग गयी। नर्सरी में रखी प्लास्टिक जलने से लपटें तेज हो गयी। सूचना मिलते ही हजरतगंज पुलिस व फायर स्टेशन से एक गाड़ी मौके पर पहुंची। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। आग से प्लास्टिक का सामान और पौधे जलकर बर्बाद हो गए। आग कैसे लगी, इसकी जांच की जा रही है।

शादी में ढोल बजाने जा रहे दो युवकों की हादसे में मौत

गोसाईंगंज स्थित नवाब अली का पुरवा के पास हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सुल्तानपुर रोड पर गोसाईंगंज स्थित नवाब अली का पुरवा गांव के पास विपरीत दिशा से आ रही बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार एक युवक की मौके पर मौत हो गई। जबकि उसके साथी ने गोसाईंगंज सीएचसी पर इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दोनों शादी समारोह में भांगड़ा ढोल बजाने जा रहे थे।

इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि गोसाईंगंज के कोरियानी गांव निवासी मनोज (23) और रिशु (22) शादी विवाह में भांगड़ा बजाने का काम करते थे। शनिवार रात करीब दस बजे दोनों बाइक से भागड़ा बजाने जा रहे थे। सुल्तानपुर हाइवे पर नवाब अली का पुरवा गांव के कट के पास वे बाइक से विपरीत दिशा में जा रहे थे। तभी सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर पीछे बैठे मनोज की मौके पर मौत ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल रिशु को पुलिस ने गोसाईंगंज सीएचसी पहुंचाया। वहां उसने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों के परिवार को सूचना देने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए।

टायर फटने से डंपर पिलर से टकराई, लगी आग

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात टायर फटने से मौरंग से लदा एक डंपर अनियंत्रित होकर एलीवेटेड रोड के पिलर से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन में शॉर्ट सर्किट से डंपर धू-धू कर जलने लगा। आग की चपेट में आने से चालक बुरी तरह झुलस गया। घायल चालक व क्लीनर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्नाव के सोहरामऊ स्थित सिरौती गांव निवासी महेश प्रसाद डंपर में मौरंग लेकर आलमबाग की ओर जा रहा था। शुक्रवार रात करीब साढ़े 11 बजे बंथरा बाजार स्थित दादूपुर मोड़ के पास डंपर के अगले दाहिने पहिये में तेज धमाका हो गया। पहिया फटते ही चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और डंपर अनियंत्रित होकर एलीवेटेड रोड के पिलर संख्या-123 से टकरा गया। टक्कर के तुरंत बाद डंपर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। चालक और क्लीनर वाहन से बाहर निकलने की कोशिश कर ही रहे थे कि आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इस दौरान चालक महेश प्रसाद गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि क्लीनर अनूप भी आंशिक रूप से घायल हुआ। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना पाकर सरोजनी नगर फायर स्टेशन से एफएसओ धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में 2 दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंची फायर टीम ने करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक डंपर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घायल चालक को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

होली पर चलेंगी दो विशेष ट्रेनें, कई के संचालन में बदलाव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोरखपुर जंक्शन पर निर्माण कार्य के चलते निरस्तीकरण व मार्ग विस्तार 30 मार्च तक

अमृत विचार: होली पर्व पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने दो होली विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। 04060/04059 नई दिल्ली–सुपौल होली स्पेशल 20 फरवरी से 6 मार्च तक नई दिल्ली से तथा 22 फरवरी से 8 मार्च तक सुपौल से प्रतिदिन 15 फेरों में चलेगी। यह ट्रेन गाजियाबाद, अलीगढ़, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बाराबंकी, गोण्डा, बस्ती, खलीलाबाद और गोरखपुर जंक्शन सहित प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी।

इसी तरह 04010/04009 दिल्ली–सीतामढ़ी होली स्पेशल 26 फरवरी व 5 मार्च को दिल्ली से तथा 27 फरवरी व 6 मार्च को सीतामढ़ी से दो फेरों में संचालित होगी। यह ट्रेन गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, गोण्डा और गोरखपुर मार्ग से चलेगी। इसके अलावा गोरखपुर जंक्शन पर पिट संख्या 1 व 2 पर निर्माण कार्य मार्च 2026 तक जारी रहने के कारण कई ट्रेनों का निरस्तीकरण और शॉर्ट टर्मिनेशन 30 मार्च तक बढ़ा दिया गया है। 05057/05058 गोरखपुर–दिल्ली विशेष तथा 05053/05054 गोरखपुर–बांद्रा टर्मिनस विशेष निर्धारित तिथियों तक निरस्त रहेंगी। 01027 दादर–गोरखपुर विशेष मऊ जंक्शन तक ही चलेगी, जबकि 01028 मऊ से चलाई जाएगी। 22921/22922 बांद्रा टर्मिनस–गोरखपुर एक्सप्रेस बलरामपुर तक सीमित रहेगी।

अस्थायी मार्ग विस्तार

- 11055/11056 लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस गोण्डा तक, 20103/20104 आजमगढ़/भटनी तक, 19409/19410 साबरमती एक्सप्रेस थावे तक तथा 11037/11038 पुणे एक्सप्रेस बढ़नी तक चलाई जाएंगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा से पूर्व ट्रेन की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है

ट्रेन की चपेट में आए युवक की शिनाख्त

अमृत विचार, सरोजनीनगर : पिपरसंड रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर मिले शव की शिनाख्त झारखंड के बिसुनपुर निवासी मगना तिग्गा (20) के रुप में हुई। शिनाख्त के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सुपुर्द कर दिया। वह दिल्ली में निजी कंपनी में नौकरी करता था। मां की तबीयत खराब होने की जानकारी मिलने पर दिल्ली से झारखंड जा रहा था। उसके परिवार में मां सरजू देवी और बड़ा भाई चिड़ू तिग्गा है। बड़े भाई ने बताया कि मां की तबीयत खराब पर 12 फरवरी को दिल्ली से निकला। मगना पिपरसंड़ के पास चलती ट्रेन से गिरा गया था। मोबाइल फोन और पर्ची में लिखे मोबाइल नंबर पर परिजन को सूचना दी गई थी।

मायके में महिला में फंदा लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता, मलिहाबाद

मृतक शिल्पी

- पांच माह पहले बच्चों को ससुराल से लेकर आ गई थी
- मायकेवालों ने ससुराल वालों पर लगाया दहेज व मानसिक प्रताड़ना का आरोप

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के साहिलामऊ गांव में महिला ने मायके में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। मायकेवालों ने दामाद और उसके घरवालों पर दहेज के लिए प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

साहिलामऊ गांव निवासी शिल्पी (36) की शादी करीब 11 साल पहले हरदोई जनपद के रहने वाले आशीष कुमार से हुई थी। मां लक्ष्मी ने बताया कि शादी के बाद से ससुराल में बेटी को प्रताड़ित किया जाता था। करीब पांच माह पहले शिल्पी दो बच्चों को लेकर मायके आ गई। इसके बाद भी आशीष शिल्पी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करता रहा। इन यातनाओं से तंग आकर देर रात बेटी शिल्पी ने कमरे में साड़ी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। बहन को फंदे से लटका देख भाई सूरज चींख पड़ा।

परिजन ने डॉयल-112 पर सूचना दी। पुलिस ने शिल्पी को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि मायकेवालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और घरेलू हिंसा के आरोप लगाया है। मां ने बेटी के ससुरालवालों के खिलाफ लिखित लिखित शिकायत देते हुए कार्रवाई करने की भी मांग की है। इंस्पेक्टर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह साफ होगी।

मोबाइल छीनने के विवाद में भाई-बहन को जंजीर से पीटा

संवाददाता, बख्शी का तालाब

- मां ने एडीसीपी उत्तरी से की शिकायत, महिगवां थाने में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: महिगवां थाना क्षेत्र के ऊनई गांव में मोबाइल छीनने के विवाद में चार दबंगों ने शनिवार को भाई-बनह की डंडों व लोहे की चेन से पिटाई कर दी। हमले में बहन बुरी तरह घायल हो गयी। शिकायत के बाद भी पुलिस ने टरका दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद एडीसीपी उत्तरी ऋषभ रूणवाल ने इंस्पेक्टर को फटकार लगाते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। जिसके बाद पुलिस ने शाम को रिपोर्ट दर्ज की।

पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिशें दे रही है। ऊनई गांव निवासी छोटी ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे गांव के ही कोमल, राजाराम, अशोक व सुनील ने उनके बेटे अर्जुन का मोबाइल फोन छीन लिया। अर्जुन ने मोबाइल छीनने का विरोध किया तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। उस समय किसी तरह मामला शांत हुआ। आरोप है कि शनिवार सुबह जब अर्जुन काम से लखनऊ जा रहा था, तभी गांव के बाहर स्थित सरकारी स्कूल के पास पहले से आरोपियों ने उसकी बाइक रोक ली और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घायल अर्जुन ने किसी तरह फोन कर घरवालों को सूचना दी। मौके पर पहुंची बहन सोनी को भी आरोपियों ने नहीं बख्शा। मां का आरोप है कि सोनी को डंडों और लोहे की जंजीर से बुरी तरह पीटा गया, जिससे वह घायल हो गई। पीड़िता ने डॉयल-112 पर सूचना दी। आरोप है कि थाने पर शिकायत लेकर पहुंचने पर पुलिसकर्मियों ने उन्हें टाल दिया। पीड़िता ने एडीसीपी उत्तरी ऋषभ रुणवाल से शिकायत की। एडीसीपी ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक रामकुमार गुप्ता को फटकार लगाई और तत्काल एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सीएचसी ने लगाए टीबी व कैंसर स्क्रीनिंग शिविर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से लगाए गए शिविर में जांच करते चिकित्सक।

अमृत विचार : शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) एनके रोड ने शनिवार को लालबाग, जम्बूरखाना और इंदिरा नगर सीएचसी के अंतर्गत नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जुगौली में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए। इन शिविरों में टीबी और कैंसर की स्क्रीनिंग के साथ-साथ लोगों को बीमारियों के लक्षण, बचाव और उपचार के प्रति जागरूक किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के निर्देशानुसार फरवरी माह में जिलेभर में 100 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने चेताया कि पिछले 10 वर्षों में कैंसर से होने वाली मौतों में 30 प्रतिशत और कैंसर जनित जटिलताओं से होने वाली मौतों में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

सीएमओ के मुताबिक टीबी और कैंसर गंभीर बीमारियां हैं और समय पर पहचान न होने पर ये जानलेवा साबित हो सकती हैं। प्रारंभिक जांच (स्क्रीनिंग) के माध्यम से इन बीमारियों का शुरुआती चरण में पता लगाया जा सकता है, जिससे समय पर उपचार संभव होता है।

सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण मिला तो होगी एफआईआर

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार: सीतापुर मार्ग पर राजकीय मेडिकल गौराडांडा के निकट हो रहे अवैध निर्माण कार्यों की खबर छपने के बाद शनिवार को एसडीएम सदर वहां मौके पर पहुंचे। उन्होंने वहां मौके पर पड़ी सरकारी जमीनों की जानकारी जुटाई।

एसडीएम सदर सुशील मिश्र ने लेखपाल गजेंद्र सिंह को निर्देश देते हुए कहा कि मौके की सरकारी जमीन को चिन्हित कर जेसीबी से खंती चढ़ाई जाए। मेडिकल कॉलेज गौराडांडा के समस्त भूमिधरी नंबरों के बैनामों का अवलोकन करते हुए रिपोर्ट दें। मौके पर एक जगह निर्माण कार्य चलता हुआ मिला। उन्होंने निर्माणकर्ता से बैनामा मांगा, लेकिन वह उन्हें मौके दिखा नहीं सका। इस पर अग्रिम आदेश तक निर्माण रुकवा दिया। एसडीएम ने गौरा डांडा किनारे करोड़ों की लागत से बनीं पेयजल टंकी का औचक निरीक्षण किया, तो वहां मोटर खराब स्थित में मिला। इस पर उन्होंने अधिशाषी अभियंता को तत्काल सही करने के निर्देश दिए। लेखपाल से सख्त लहजे में हिदायत दी कि मेडिकल कॉलेज के इर्द गिर्द सरकारी जमीनों पर कब्जा होने की शिकायत मिली, और निर्माण पाया गया तो सीधे निर्माण कर्ता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराएं। कहा कि अनुसूचित जाति की जमीनों पर बगैर मजिस्ट्रेट अनुमति के निर्माण करवाना, राजस्व नियमावली के विरुद्ध है।

देवरानी-जेठानी विवाद में खूनी संघर्ष

अमृत विचार, हरदोई। कस्बे के भगवंतपुर मोहल्ले में शनिवार सुबह पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, देवरानी और जेठानी के बीच शुरू हुआ कहासुनी का विवाद इतना बढ़ गया कि जेठानी ने अपने बच्चों के साथ मिलकर देवरानी पर हमला कर दिया। हमले में देवरानी का सिर फूट गया और वह लहूलुहान हो गई। घायल महिला शिल्पा ने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही उसकी जेठानी उसे लगातार परेशान कर रही है। शनिवार सुबह भी मामूली बात को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद जेठानी ने अपने बच्चों के साथ मिलकर उसे बेरहमी से पीटा। हमले में उसका सिर फूट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कस्बा चौकी इंचार्ज अवधेश सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों महिलाओं को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाली भेजा।

फ्लाइट में भोजन व सीट को लेकर यात्री और क्रू मेंबर के बीच विवाद

संवाददाता, सरोजनीनगर

- दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में दी तहरीर
- यात्री का आरोप एयरपोर्ट पर पांच घंटे तक बेवजह किया परेशान

अमृत विचार: बेंगलुरु से लखनऊ आ रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट (आईएक्स 2048) में शनिवार को भोजन और सीट को लेकर यात्री और क्रू मेंबर के बीच विवाद हो गया। लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचने के बाद मामला सरोजनीनगर पुलिस तक जा पहुंचा। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में शिकायत की है। यात्री का आरोप है कि लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंडिंग के बाद भी उसे करीब 5 घंटे तक बेवजह परेशान किया जाता रहा।

बताते चलें कि बेंगलुरु से सुबह 10:35 बजे लखनऊ पहुंचने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान करीब आधा घंटा देरी से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंची। इसी विमान से पत्नी शालिनी प्रिया और 3 वर्षीय बेटे अंश के साथ लखनऊ पहुंचे बेंगलुरु निवासी अंकित सहाय ने बताया कि उन्होंने बिजनेस क्लॉस का टिकट लिया था, लेकिन बेंगलुरु एयरपोर्ट पर उन्हें इकोनॉमी क्लास में बैठा दिया गया। अंकित का कहना है कि उन्होंने नॉनवेज भोजन प्री-बुक किया था, लेकिन उन्हें वेज भोजन परोसा गया। उन्होंने वेज लेने से इनकार कर दिया। आरोप है कि बाद में जब उन्होंने कंप्लेंट फॉर्म मांग कर शिकायत दर्ज की तो क्रू मेंबर ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। रास्ते भर विमान में उन्हें पानी तक नहीं दिया गया। आरोप है कि लखनऊ पहुंचने पर उन्हें विमान से उतरने नहीं दिया गया और बाद में सीआईएसएफ के माध्यम से पुलिस के हवाले कर दिया गया। यात्री ने आरोप लगाया है कि उन्हें पत्नी व बच्चों सहित करीब पांच घंटे तक परेशान किया जाता रहा। वहीं, एयरलाइन की ओर से आरोप लगाया गया है कि अंकित सहाय ने क्रू मेंबर पर बोर्डिंग पास फेंका और विमान में हंगामा किया, जिससे उड़ान संचालन प्रभावित हुआ। पुलिस दोनों पक्षों की शिकायत पर मामले की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस ने यात्री दंपति को छोड़ दिया है।

पुलवामा शहीद के चित्र पर पुष्प अर्पित करते कार्यकर्ता।

हिंदू समाज पार्टी ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी

- **अमृत विचार, लखनऊ :** हिंदू समाज पार्टी ने गौरव गोस्वामी के नेतृत्व में पुलवामा में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि अगर पाकिस्तान दोबारा कोई ऐसी हरकत करता है तो हमारे देश के प्रधानमंत्री पाकिस्तान को पूरी तरीके से समाप्त कर दें। यह कार्यक्रम पार्टी कार्यालय के बाहर किया गया।

कॉर्डिकॉन -2026 अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने किया जागरूक

हीमोग्लोबिन सामान्य, फिर भी गर्भवती की सांस फूले तो कराएं दिल की जांच

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कार्यक्रम में मौजूद हृदय रोग विशेषज्ञ।

अमृत विचार : गर्भावस्था के दौरान यदि किसी महिला का हीमोग्लोबिन स्तर सामान्य है, फिर भी उसे सांस फूलने की शिकायत हो रही है, तो इसे सामान्य थकान समझकर नजरअंदाज न करें। यह दिल की बीमारी, विशेषकर वॉल्व संबंधी गड़बड़ी का संकेत हो सकता है। यह जानकारी किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के लारी कार्डियोलॉजी विभाग की डॉ. मोनिका भंडारी ने दी।

शनिवार को अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कॉर्डिकॉन 2026 में उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के चौथे महीने के बाद शरीर में रक्त की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। यदि पहले से हृदय के वॉल्व में सिकुड़न या लीकेज है तो सांस फूलना, अत्यधिक थकान और धड़कन तेज होना जैसे लक्षण उभर सकते हैं। समय रहते स्त्री रोग विशेषज्ञ और हृदय रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेकर जांच करानी चाहिए, ताकि मां और शिशु दोनों सुरक्षित रह सकें।

वॉकाथान से दिया स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

- लारी विभागाध्यक्ष डॉ. ऋषि सेठी ने कहा कि धूम्रपान, तली-भुनी व फास्ट फूड का सेवन, मानसिक तनाव और शारीरिक निष्क्रियता दिल की सेहत के लिए खतरनाक हैं। युवाओं में हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए उन्होंने नियमित जांच, संतुलित आहार और प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम की सलाह दी।
- डॉ. अक्षय प्रधान ने बताया कि सुबह घंटाघर से केजीएमयू तक वॉकाथान का आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टरों, कर्मचारियों और आम लोगों ने हिस्सा लिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

महिलाओं में बढ़ता हार्ट अटैक का खतरा

- डॉ. प्रवेश विश्वकर्मा ने बताया कि कामकाजी जीवन और बढ़ते तनाव के कारण महिलाओं में भी हार्ट अटैक का खतरा बढ़ रहा है। एस्ट्रोजन हार्मोन का असंतुलन, जंक फूड, धूम्रपान और शराब का सेवन प्रमुख कारण हैं। पहले यह जोखिम मुख्यत: मीनोपॉज के बाद देखा जाता था, लेकिन अब कम उम्र में भी मामले सामने आ रहे हैं।

20 वर्ष के बाद कराएं नियमित जांच

- डॉ. अखिल शर्मा ने सलाह दी कि 20 वर्ष की आयु के बाद लिपिड प्रोफाइल, कोलेस्ट्रॉल, डायबिटीज, हार्मोन स्क्रीनिंग, थायराइड और हीमोग्लोबिन की जांच हर वर्ष करानी चाहिए। समय पर जांच से हृदय रोगों की शुरुआती अवस्था में पहचान संभव है और गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

ज्योति कलश संस्कृति संस्थान के कार्यक्रम में बच्चे व अन्य।

शहीदों को वंदे मातरम् के जरिए किया याद

- **अमृत विचार, लखनऊ :** ज्योति कलश संस्कृति संस्थान शनिवार को वंदे मातरम् कार्यक्रम का आयोजन कर पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उपकारम् करोति दयानन्द सेवा संस्थान एवं ज्योति कलश संस्थान के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आकाशवाणी की कार्यक्रम प्रमुख सुमोना एस पांडे, अति विशिष्ट अतिथि कला वसुधा के संपादक अशोक बनर्जी, खुनखुन जी गर्ल्स इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य अनमोल अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि उषा बनर्जी ने लोक गायिका रश्मि चौधरी, सेवा निवृत्त निदेशक आकाशवाणी को सम्मानित किया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 15 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

दरोगा का रिवॉल्वर छीनकर भागा गोमांस तस्कर मुठभेड़ में घायल

अमृत विचार, हरदोई : गोमांस ले जा रहा तस्कर बाइक छोड़ कर भाग गया था, जिसे गिरफ्तार करने के बाद पुलिस टीम उसकी निशानदेही पर कुल्हाड़ी, रस्सी और चाकू बरामद कर वापस लौट रही थी, उसी बीच रास्तें में बांगरमऊ रोड पर सई नदी पुल पर वह दरोगा का रिवाल्वर छीन भागा और गोली चला दी। पुलिस ने उसी ढंग से जवाब दिया, जिससे दाहिने पैर में गोली लगते ही वह गिरा, पीछे से पुलिस ने दबोच लिया। रिवाल्वर छीनने के दौरान गिरने से दरोगा भी चुटहिल हुआ है। बताते हैं कि कासिमपुर पुलिस ने शुक्रवार को गोगावां जोत के पास बाइक आती देखी। रोकने पर उसे चला रहा शख्स पैदल भाग निकला, पुलिस ने बाइक से एक बोरी बरामद की, जिसमें गोमांस होना पाया गया, उसके बाद पुलिस बाइक के नंबर से छानबीन करते हुए आरोपी मूसा निवासी रसूलपुर आंट थाना कासिमपुर तक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया, शनिवार को एसएचओ कासिमपुर धनश्याम राम अपनी टीम के साथ आरोपी की निशानदेही पर कुल्हाड़ी, चार जोड़ी रस्सी और चाकू बरामद कर वापस थाने लौट रहे थे, रास्ते में आरोपी दरोगा प्रदीप सिंह से उनकी सरकारी रिवाल्वर छीन कर भागा, जिससे दरोगा गिर कर चुटहिल हो गया, उसके संभलने से पहले ही आरोपी ने गोली चला दी, बचाव में पुलिस की तरफ से चली गोली उसके दाहिने पैर में लगी और गिर पड़ा, पुलिस ने वहीं पर उसे दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक मूसा के ऊपर गोवध, गैंगेस्टर और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज है।

इंजेक्शन लगते ही मुंह से निकला झाग, मौत

अमृत विचार, हरदोई : अधेड़ कान में फुंसी निकलने की दवाई लेने सीएचसी पहुंचा, जहां उसके इंजेक्शन लगाया गया, उसके लगते ही अधेड़ के मुंह से झाग गिरी और फिर वहीं पर उसकी मौत हो गई। बाहरी के हाथों इंजेक्शन लगाए जाने का आरोप लगाते हुए सीएचसी मल्लावां में खूब बवाल हुआ, वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते मामले की जांच शुरू कर दी है। मल्लावां कोतवाली के ठठिया ज़ाहिदपुर निवासी रामपाल (52) के कान में फुंसी थी। शनिवार को वह उसी की दवाई लेने सीएचसी मल्लावां पहुंचा। मल्लावां कस्बा निवासी उसके दामाद राम आसरे ने बताया कि वहां 17-18 साल का एक लड़का था, जिसने बाहर से एक इंजेक्शन मंगाया, उसी ने वह इंजेक्शन लगा दिया, उसके लगते ही रामपाल के मुंह से झाग गिरने लगी और उसी बीच उसकी वहीं मौत हो गई। रामपाल के परिवार में पत्नी रामदेवी के अलावा चार बेटियां व इकलौता बेटा सूरज है।

कालिंजर महोत्सव बांदा में आज से

अमृत विचार, लखनऊ : बुंदेलखंड के ऐतिहासिक स्थल कालिंजर किला की पृष्ठभूमि में 15 से 17 फरवरी तक तीन दिवसीय कालिंजर महोत्सव-2026 का आयोजन कटरा कालिंजर मेला ग्राउंड में होगा। 'इतिहास की गूंज, संस्कृति की आत्मा' थीम पर आधारित इस महोत्सव का आयोजन जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि रविवार से शुरू हो रहे महोत्सव में बुंदेली लोक नृत्य, आल्हा गायन, भजन और लोकगीतों की प्रस्तुतियां होंगी। 'आज की शाम कालिंजर के नाम' और 'बांदा गॉट टैलेंट' मुख्य आकर्षण रहेंगे। 15 फरवरी को तृप्ती शाक्या एंड ग्रुप, 16 फरवरी को साधो द बैंड तथा 17 फरवरी को चर्चित गायिका ममता शर्मा अपनी प्रस्तुतियां देंगी। खेल महोत्सव के अंतर्गत खो-खो, कबड्डी और दंगल प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

बड़े करदाताओं की अब होगी वर्चुअल सुनवाई

संयुक्त आयुक्त स्तर पर 20 से लागू होगी व्यवस्था : कामिनी रतन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने टैक्स प्रणाली को सरल, पारदर्शी और तकनीक-आधारित बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब प्रदेश के बड़े करदाताओं की व्यक्तिगत सुनवाई वर्चुअल माध्यम से की जाएगी। यह व्यवस्था 20 फरवरी से प्रभावी होगी। इसे संयुक्त आयुक्त (कॉरपोरेट) और संयुक्त आयुक्त (कॉरपोरेट सेल-ऑयल सेक्टर) स्तर पर लागू की जाएगी।

प्रमुख सचिव राज्य कर कामिनी रतन चौहान ने बताया कि प्रदेशभर में इन स्तरों पर पंजीकृत करदाताओं की सुनवाई सामान्य परिस्थितियों में अनिवार्य रूप से वर्चुअल माध्यम से आयोजित की जाएगी। इससे न केवल करदाताओं को सहूलियत

प्रमुख सचिव राज्य कर कामिनी रतन चौहान

- **टैक्स न्याय प्रणाली बनेगी अधिक पारदर्शी और समयबद्ध**

मिलेगी, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया भी अधिक तेज और समयबद्ध होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की विभिन्न धाराओं के अनुरूप लागू की जा रही है। करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह विकल्प भी रहेगा कि यदि कोई करदाता स्वयं वर्चुअल सुनवाई में शामिल नहीं हो पाता है, तो वह अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से सुनवाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दे सकता है, जिस पर नियमानुसार विचार किया जाएगा।

वहीं आयुक्त राज्य कर नितिन बंसल ने बताया कि भौतिक सुनवाई की व्यवस्था में अक्सर करदाता या उनके प्रतिनिधि समय पर उपस्थित नहीं हो पाते थे, जिससे बार-बार स्थगन लेना पड़ता था। कई मामलों में अधिकारी के अवकाश पर होने से भी सुनवाई टल जाती थी, जिससे त्वरित न्याय की मंशा प्रभावित होती थी। उन्होंने कहा कि वर्चुअल सुनवाई से इन व्यावहारिक कठिनाइयों का समाधान होगा और करदाताओं व विभाग दोनों का समय और संसाधन बचेगा। यह कदम राज्य में डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने के साथ-साथ कर व्यवस्था को और अधिक भरोसेमंद बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

आत्मनिर्भर यूपी को गति देगी एआई कौशल क्रांति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। 'टेक युवा-समर्थ युवा' योजना के जरिए प्रदेश के 25 लाख युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर), वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और एक्सटेंडेड रियलिटी (एक्सआर) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा। यह पहल केवल तकनीकी प्रशिक्षण नहीं, बल्कि मानव पूंजी के सशक्तीकरण की व्यापक रणनीति है।

- **टेक युवा-समर्थ युवा योजना के जरिए प्रदेश के 25 लाख युवाओं को मिलेगा एआई समेत नई डिजिटल तकनीकों का प्रशिक्षण**

> 25 लाख युवाओं को एआई और उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षित करना एक संरचनात्मक बदलाव है। यह कदम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अगले दशक के लिए रीडिफाइन करेगा और युवा शक्ति को इनोवेशन व निवेश को आकर्षित करने वाली दक्ष कार्यशक्ति में बदलेगा।
>
> -मनिन्द्र अग्रवाल, डायरेक्टर आईआईटी, कानपुर

सरकार का मानना है कि 21वीं सदी की प्रतिस्पर्धा संसाधनों से अधिक कौशल आधारित है। पहले चरण में डिजिटल अवसंरचना को मजबूत करते हुए युवाओं को टैबलेट उपलब्ध कराए गए। अब इन्हीं डिजिटल साधनों को कौशल विकास के प्रभावी मंच के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। एप आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से युवाओं को उद्योगोन्मुख और व्यावहारिक शिक्षा दी जाएगी, जिससे वे सीधे रोजगार, स्वरोजगार और स्टार्टअप से जुड़ सकें।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान इस बात का संकेत है कि सरकार युवाओं को केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि दक्ष और आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर पार्क और औद्योगिक निवेश के विस्तार के साथ कुशल मानव संसाधन की मांग तेजी से बढ़ रही है। यह योजना उसी आवश्यकता को पूरा करेगी। इस पहल की खास बात यह है कि इसका लाभ ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों तक भी पहुंचेगा, जिससे क्षेत्रीय असमानता कम होगी और समान अवसर मिलेंगे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी चालक की मौत

अमृत विचार, उन्नाव : आसीवन क्षेत्र के रसूलाबाद कस्बा निवासी किशन पाल (45) ट्रैक्टर चालक था। शनिवार को वह ट्रैक्टर-ट्रॉली में शामियाना व टेंट का अन्य सामान लादकर मजदूर शारदा वर्मा (20) व संतोष वर्मा (22) के साथ थानाक्षेत्र के महेंद्र गांव जा रहा था। तभी ट्रैक्टर-ट्रॉली ओवरलोड होने से अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें किशन पाल की मौत हो गई। अन्य दो लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस लाइन के सभागार में आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर में शामिल महिला पुलिसकर्मी। अमृत विचार

संवैधानिक मूल्यों के लिए जारी रहेगा संघर्ष

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कांग्रेस विधि विभाग के नए पदाधिकारियों के साथ की बैठक

राज्य मुख्यालय, लखनऊ

अमृत विचार: कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष जारी रहेगा। अधिवक्ता साथियों का उत्साह इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में पार्टी का विधि विभाग प्रदेशभर में न्याय और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभाएगा। वह शनिवार को प्रदेश मुख्यालय पर कांग्रेस (विधि विभाग) की जिला, शहर एवं प्रदेश कमेटियों की घोषणा के बाद बैठक में बोल रहे थे।

कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से संवाद करते प्रदेश अध्यक्ष अजय राय। अमृत विचार

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस का विधि विभाग संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की रक्षा का सशक्त स्तंभ है। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं से परिचय प्राप्त किया और संगठन के आगामी कार्यक्रमों, रणनीति तथा विधि विभाग के ढांचे को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की। विधि विभाग के चेयरमैन आसिफ जमा रिजवी ने कहा कि विभाग का दायित्व केवल कानूनी लड़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में संविधान और लोकतंत्र के प्रति जागरूकता फैलाना भी है।

बैठक का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष अनस खान तथा प्रदेश उपाध्यक्ष अमानुर रहमान ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में चंद्र प्रकाश, इन्द्र प्रताप सिंह, श्रवण कुमार अवस्थी, मनीष चंद्र यादव, योगेन्द्र प्रताप सिंह, शैलेश त्रिपाठी समेत काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूपी-112 में तैनात सौ महिला पुलिसकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. पुलिस की आपातकालीन सेवा यूपी-112 में तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने शनिवार को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। कौशल विकास एवं दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन पुलिस लाइन के सभागार में किया गया। कार्यशाला में यूपी-112 में तैनात लगभग 100 महिला कर्मियों ने भाग लिया।

सहायक पुलिस आयुक्त (महिला अपराध/साइबर क्राइम/ट्रेनिंग सेल/112) सौम्या पाण्डेय के निर्देशन में प्रशिक्षण के दौरान एमडीटी (मोबाइल डेटा टर्मिनल) के सुचारू संचालन, एटीआर एवं डिस्पोजिशन कोड के सटीक अनुप्रयोग, रिस्पांस टाइम में सुधार तथा ड्यूटी के दौरान व्यावसायिक एवं संवेदनशील व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित समिति की कार्यप्रणाली, अधिकारों और शिकायत तंत्र की भी जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिला कर्मियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाते हुए आपातकालीन सेवाओं को अधिक त्वरित, सुचारू और संवेदनशील बनाना है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिला पुलिस कर्मियों के तकनीकी ज्ञान और पेशेवर क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे आमजन को बेहतर और समयबद्ध पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

- **यौन उत्पीड़न से संबंधित समिति की कार्यप्रणाली, अधिकारों और शिकायत तंत्र की दी जानकारी**

वर्टिकल व्यवस्था पर उठाए सवाल

बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण में हो रही देरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बिजली वितरण की वर्टिकल व्यवस्था को लेकर उपभोक्ताओं में असंतोष बढ़ता जा रहा है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के साप्ताहिक वेबिनार में विभिन्न जिलों से जुड़े उपभोक्ताओं ने अपनी समस्याएं को रखने के साथ ही व्यवस्था में सुधार की मांग की। वेबिनार में उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि पहले जहां उपभोक्ता अपनी शिकायतें सीधे जेई और एई को बताकर समाधान करा लेते थे, वहीं अब उन्हें 1912 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करानी पड़ रही है। उनका आरोप है कि

- **शिकायत निस्तारण की समय सीमा तय करने की उपभोक्ता परिषद ने की मांग**

शिकायत दर्ज होने के बाद भी समय से निस्तारण नहीं हो पा रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को बार-बार परेशानी झेलनी पड़ रही है।

उपभोक्ताओं ने बताया कि बिजली आपूर्ति में रुकावट, बिल संबंधी त्रुटियां और फॉल्ट ठीक करने में देरी जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। कई मामलों में शिकायतों के समाधान में कई दिन लग रहे हैं। परिषद अध्यक्ष ने यह भी कहा कि प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन उसके अनुपात में कर्मचारियों की संख्या नहीं बढ़ाई जा रही है। इसके विपरीत संविदा कर्मचारियों को हटाया जा रहा है, जिससे फील्ड स्तर पर कार्य प्रभावित हो रहा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाली गर्मियों में उपभोक्ताओं को और अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। परिषद ने मांग की है कि वर्टिकल व्यवस्था की समीक्षा कर उपभोक्ता हितों को प्राथमिकता दी जाए, शिकायत निस्तारण की समय-सीमा तय की जाए और आवश्यकतानुसार कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके।

अनपरा ताप विद्युत परियोजना को उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की अनपरा ताप विद्युत परियोजना (2630 मेगावॉट) को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राज्य विद्युत उत्पादन स्टेशनों के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान एनटीपीसी कॉरपोरेट ऑपरेशन सर्विसेज की ओर से रायपुर में आयोजित भारतीय विद्युत स्टेशन-26 संचालन और अनुरक्षण सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। यह पुरस्कार सरकारी क्षेत्र की विद्युत उत्पादन परियोजनाओं में उच्च दक्षता, बेहतर क्षमता उपयोग और शानदार अनुरक्षण प्रबंधन का प्रमाण माना जा रहा है। अनपरा परियोजना ने उत्पादन, विश्वसनीयता और तकनीकी मानकों के पालन में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए यह कामयाबी हासिल की है। राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि यह सम्मान प्रदेश के अभियंताओं की मेहनत, प्रतिबद्धता और तकनीकी दक्षता का परिणाम है। उन्होंने सभी अभियंताओं और कर्मचारियों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी।

बढ़ते कदम | 9 वर्षों में महिला श्रम भागीदारी 13 से 36 प्रतिशत, जीएसडीपी तीन गुना की ओर

अर्थव्यवस्था में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश की तेज रफ्तार अर्थव्यवस्था के पीछे महिलाओं की बढ़ती भागीदारी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते नौ वर्षों में राज्य की महिला श्रम बल भागीदारी दर 13 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इस बदलाव ने न केवल रोजगार संरचना को मजबूत किया है, बल्कि राज्य की आर्थिक वृद्धि को भी नई गति दी है।

इसी अवधि में प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। वर्ष 2017 में जहां जीएसडीपी करीब 13 लाख करोड़ रुपये थी, वहीं 2026-27 में इसके 36 लाख करोड़ रुपये की ओर अग्रसर होने का अनुमान है। अर्थशास्त्र के सिद्धांत के अनुसार, महिला श्रम भागीदारी में हर एक प्रतिशत की वृद्धि से जीएसडीपी में 0.5 से 1 प्रतिशत तक अतिरिक्त उछाल आता है और उत्तर प्रदेश में यह सिद्धांत व्यवहार में साकार होता दिख रहा है।

- **ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की राह में महिलाएं बनीं 'ग्रोथ मल्टीप्लायर'**

महिलाओं की आय बढ़ने से घरेलू उपभोग में वृद्धि हुई है, जिसका सीधा लाभ एमएसएमई, सेवा क्षेत्र और स्थानीय बाजारों को मिला है। ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों, डेयरी व कृषि आधारित उद्योगों से लेकर शहरी सेवाओं तक महिलाएं अब 'ग्रोथ मल्टीप्लायर' की भूमिका निभा रही हैं। इससे उत्पादन क्षमता, श्रम उत्पादकता और राज्य के टैक्स बेस, तीनों में समानांतर विस्तार हुआ है।

ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य की निर्णायक कड़ी

नीतिगत स्तर पर महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और स्वरोजगार कार्यक्रमों के विस्तार से आर्थिक भागीदारी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। यदि यही रफ्तार बनी रही, तो ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में महिलाओं की भूमिका निर्णायक साबित होगी।

न धर्मो न चार्थो न कामो न मोक्षः
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम्॥
(मैं धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष से परे हूं। मैं आनन्दमय चेतना हूं। मैं शिव हूं, मैं शिव हूं।)

बाबा विश्वनाथ की नगरी अविनाशी काशी में

महाशिवरात्रि

पर्व का भव्य आयोजन (15 फरवरी, 2026)

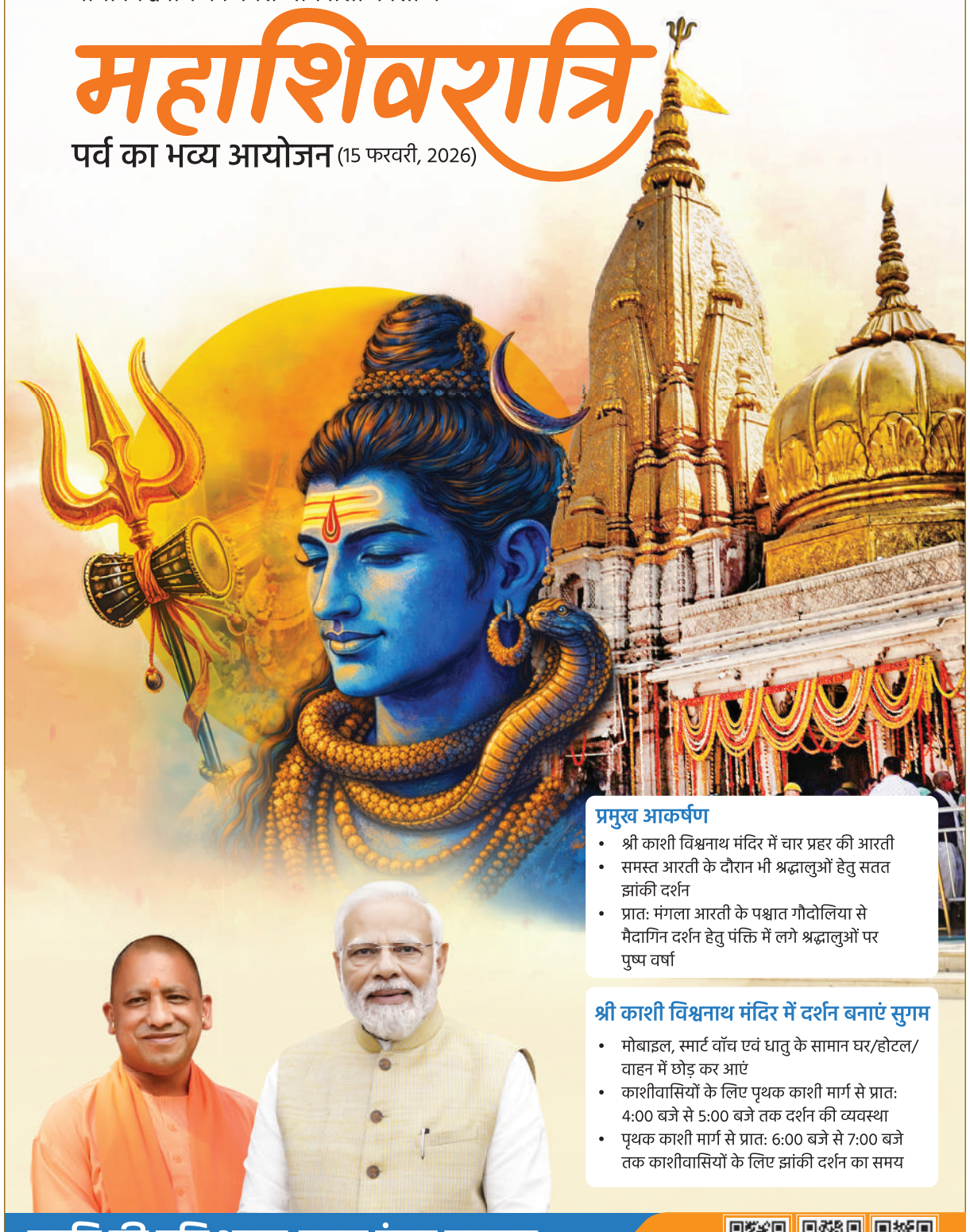

प्रमुख आकर्षण
- श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में चार प्रहर की आरती
- समस्त आरती के दौरान भी श्रद्धालुओं हेतु सतत झांकी दर्शन
- प्रातः मंगला आरती के पश्चात गौदोलिया से मैदागिन दर्शन हेतु पंक्ति में लगे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन बनाएं सुगम
- मोबाइल, स्मार्ट वॉच एवं धातु के सामान घर/होटल/वाहन में छोड़ कर आएं
- काशीवासियों के लिए पृथक काशी मार्ग से प्रातः 4:00 बजे से 5:00 बजे तक दर्शन की व्यवस्था
- पृथक काशी मार्ग से प्रातः 6:00 बजे से 7:00 बजे तक काशीवासियों के लिए झांकी दर्शन का समय

प्रगति की गति अपार-डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 15 फरवरी 2026 www.amritvichar.com

मोबाइल स्क्रीन में उलझता बचपन

मोबाइल अब सुविधा या मनोरंजन का साधन नहीं रहा, बल्कि बच्चों के व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या बन चुका है। अभी हाल ही में गाजियाबाद में हुई एक घटना ने सभी को चौंका दिया। वहां रहने वाली तीन बहनों ने नवी मंजिल से कूद कर सिर्फ इसलिए जान दे दी, क्योंकि उन्हें मोबाइल के लिए मना किया गया था। उन्हें ऑनलाइन गेम खेलने की आदत थी, जिसके चलते उन्हें मोबाइल उपयोग करने से रोका गया था। इसके अलावा जयपुर में भी 14 साल के लड़के ने अपने मां-बाप द्वारा फोन ले लिए जाने पर तकिए से उन पर वार किया और खुद को बाथरूम में लॉक कर लिया, जब उससे ऑनलाइन गेम खेलने के कारण मोबाइल फोन ले लिया गया। कुछ ऐसी ही घटना अहमदाबाद में भी हुई, जब 13 साल की लड़की ने मोबाइल ले लिए जाने पर अपने पेरेंट्स को चोट पहुंचाई। उसे भी सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स खेलने की आदत थी। इस प्रकार की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए स्पष्ट है कि मोबाइल फोन चलाने की आदत अब गंभीर रूप लेती जा रही है, जिसका असर शारीरिक-मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। इसे यदि समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह आने वाले समय में कैसे भयानक रूप ले सकती है?

डॉ. तान्या दीक्षित
सहायक प्रोफेसर, एसजेएनएम.पीजी कॉलेज, लखनऊ

बीते दिनों मैंने देखा कि एक अस्पताल के बाल मानसिक स्वास्थ्य वार्ड में बैठा 10 साल का बच्चा बार-बार मोबाइल की ओर हाथ बढ़ा रहा है। उसकी आंखों में गुस्सा आ जाता है। वह चिल्लाता है, चीजों को फेंकता है। खुद को चोट पहुंचाने की कोशिश करता है। डॉक्टर बताते हैं कि यह कोई अकेला मामला नहीं है। हर महीने 15 से 20 बच्चे मोबाइल की लत के कारण हिंसक व्यवहार के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। आजकल बच्चे मोबाइल की स्क्रीन को छोड़कर हटना ही नहीं चाहते हैं। ऐसे में यदि उनसे मोबाइल ले लिया जाता है, तो उन्हें ऐसा महसूस होने लगता है कि उन्हें उनके कंफर्ट जोन से समझौता करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति उन्हें बहुत असहज महसूस कराती है। आज के समय में जहां एक तरफ तकनीकी बदलाव हमारे जीवन को आसान बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ऐसी घटनाएं रोज हमारे सामने एक नई चुनौती लाकर खड़ी कर रही हैं। मोबाइल भी एक प्रकार की डिजिटल डिवाइस है, जिसका प्रयोग किस प्रकार करना है, यह व्यक्ति की बुद्धि और विवेक पर निर्भर करता है।

बच्चों को चिड़चिड़ा बना रही मोबाइल की लत

मोबाइल फोन के कारण बच्चों में आक्रामकता जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसका सीधा संबंध एडिक्टिव बिहेवियर से होता है। बच्चे अक्सर मोबाइल का ज्यादा उपयोग करते हुए देखे जाते हैं, क्योंकि यह व्यवहार उन्हें अंदर से बेहतर महसूस कराता है, पर वही मोबाइल यदि उन्हें कुछ सीमित समय के लिए दिया जाता है, तो वह उनमें कुंठा उत्पन्न करने लगता है। ज्यादा समय तक मोबाइल स्क्रीन को देखने के कारण उनका स्टिमुलेशन लेवल बढ़ जाता है और वह सामान्य स्थिति में भी बहुत तीव्र प्रतिक्रिया देने लगता है। इसका असर उनकी नींद की गुणवत्ता पर भी पड़ता है, जो चिंता और अवसाद जैसे लक्षणों को पैदा करता है।

इंस्टेंट ग्रिटिफिकेशन की आदत

- मोबाइल बहुत आसानी से मनोरंजन के लिए सुलभ हो जाने वाला एक माध्यम है। बच्चों को जब इस प्रकार की गतिविधियों को करने से रोका जाता है, तो वह कुंठित हो जाते हैं।

सीमाओं की कमी

- अनेक बार देखा जा सकता है कि माता-पिता के द्वारा यदि स्क्रीन टाइम को सीमित नहीं किया जाता, तो बच्चे घंटों तक मोबाइल फोन पर सक्रिय रहते हैं और वह फोन से दूरी नहीं बना पाते हैं।

मजेदार चीजों से वंचित हो जाने का भाव

- बच्चों के मन में मोबाइल ले लिए जाने पर कई बार मजेदार चीजों से वंचित रह जाने का भाव आता है। उन्हें ऐसा महसूस होता है कि यदि उनसे मोबाइल ले लिया गया, तो वे बहुत सी फनी और मनोरंजक साम्रगी को नहीं देख पाएंगे। यह भाव उनके अंदर और भी ज्यादा गुस्सा और आक्रामकता बढ़ाने का काम करता है।

इमोशनल डिटैचमेंट

- बच्चे जब मोबाइल फोन से ज्यादा जुड़ाव महसूस करते हैं। मोबाइल डिवाइस उनके लिए तनाव से निपटने की एक कॉपिंग मेकैनिज्म की तरह काम करता है, जितनी देर वह मोबाइल चलाते हैं, उतनी देर उनका दिमाग उनकी समस्याओं से हट जाता है, पर वे यह नहीं समझ पाते की मोबाइल चलाने की लत केवल कुछ क्षणों या घंटे के लिए उन्हें सुकून तो दे सकती है, पर उनकी समस्याओं का सटीक और टिकाऊ समाधान नहीं दे सकती।

फियर ऑफ मिसिंग आउट

- बच्चों की मोबाइल पर निर्भरता बढ़ने का एक कारण यह भी है कि बच्चों को ऐसा महसूस होता है कि कहीं वह कोई आवश्यक अपडेट,घटना या खबर को मिस न कर दे। खासकर अपने दोस्तों की, जिसके कारण वे अपना अधिकतर समय मोबाइल पर बिताते हैं।

वैकल्पिक गतिविधियों को बढ़ावा न देना

यह कहना गलत नहीं होगा कि बच्चों के पास करने के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियां हो सकती है, पर उन्हें उसके लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता, जिसके कारण वह मोबाइल डिवाइस से चिपके रहते हैं, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं सृजनात्मकता पर पड़ता है।

पेरेंट-चाइल्ड पावर स्ट्रगल

अनेक बार मां-बाप से बच्चों से मोबाइल फोन वापस लेने की कोशिश करते हैं, तो पैरंट और चाइल्ड में पावर स्ट्रगल शुरू हो जाता है। बच्चे माता-पिता के खिलाफ विद्रोह करने लगते हैं और इन दोनों में परस्पर संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

बच्चों को व्यस्त रखने का आसान तरीका

आजकल पेरेंट्स को व्यस्त रखने के लिए सबसे सरल माध्यम मोबाइल फोन दिखता है। यदि अपने कार्य में व्यस्त हैं और अपने-अपने काम में बिजी हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में आगे चलकर बच्चों की मोबाइल फोन चलाने की आदत को छुड़वाना लोहे के चने चबाने जैसा हो जाता है। इसे चाहे मां-बाप की मजबूरी कहें या भूल इसी कारण बच्चों की सृजनात्मक क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य को भारी नुकसान पहुंच रहा है।

बच्चों के सामने अन्य विकल्प रखना

मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि यदि आप बच्चों के किसी बुरी आदत को छुड़ाना चाहते हैं, तो आप उसके आगे एक नई आदत बनाने का विकल्प रखें और अन्य विकल्पों के बारे में भी बताएं कि वह अपने खाली समय को किस प्रकार बेहतर तरीके से उपयोग में ला सकता है। बच्चों को खाली समय में व्यस्त रखने के लिए आप उसे पजल सॉल्व करने, शतरंज खेलने, सुडोकू सॉल्व करने, म्यूजिक और डांस क्लास करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जिससे बच्चों की सृजनात्मकता को नए पंख मिलेंगे। वह पहले से अधिक खुश भी रहेंगे और उनके मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पेरेंट्स द्वारा पर्याप्त संवाद की कमी

पेरेंट्स आज के समय में अपने बच्चों के साथ बात करने के लिए भी पर्याप्त समय नहीं निकाल पाते। हर बच्चा अपने मां-बाप का अटेंशन चाहता है, पर आज की व्यस्त जीवनशैली के कारण अक्सर मां-बाप ऐसा करने में असमर्थ होते हैं, जिसके कारण बच्चा मोबाइल की दुनिया में खो जाता है।

अन्य अंतर्निहित समस्याएं

कुछ मामलों में अत्यधिक स्क्रीन टाइम या बच्चों की आक्रामक प्रतिक्रियाएं एडीएचडी (अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर) चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं के लक्षण भी हो सकते हैं।

ऐसे में क्या करना चाहिए

दवा और काउंसलिंग की जरूरत

अगर स्थिति नियंत्रण योग्य है, तो साइकोथेरेपी के माध्यम से मोबाइल एडिक्शन को छुड़वाया जा सकता है, पर अगर यह लत बहुत पुरानी है, तो काउंसलिंग के साथ दवा लेना एक अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए मनोवैज्ञानिक के साथ ही एक अच्छे मनोचिकित्सक की सलाह ली जा सकती है।

सीमित करें स्क्रीन टाइम

पेरेंट्स अगर बच्चे के स्क्रीन टाइम को सीमित करना शुरू कर देते हैं, तो बच्चों में मोबाइल को एक निश्चित समय तक उपयोग में लाने की एक अच्छी आदत बननी शुरू हो जाती है। उन्हें पता होता है कि इतने ही समय में मोबाइल से जुड़े हुए अपने सारे काम निपटा लेने हैं। बचे हुए समय में वह अन्य रोचक गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। ऐसी जीवनशैली का बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

माता-पिता, स्कूल और समाज की भूमिका

इस समस्या से निपटने के लिए माता-पिता को बच्चों के साथ मजबूत भावनात्मक संबंध बनाने की जरूरत है, क्योंकि देखा जाए तो समस्या के जड़ बच्चों में पनप रहा अकेलापन है। जब पेरेंट्स द्वारा बच्चों को अटेंशन मिलना शुरू होगा, तो निश्चित रूप से उनके व्यवहार में बदलाव आने शुरू हो जाएंगे। उसके साथ ही स्कूल के टीचर्स की जिम्मेदारी भी बहुत बढ़ जाती है। समय-समय पर टीचर्स को चाहिए की बच्चों को डिजिटल डिटॉक्स और मोबाइल के दुष्प्रभावों के बारे में कहानी, वर्कशॉप, ड्रामा या छोटे-छोटे सेमिनार के माध्यम से जानकारी दें, जो न केवल उनमें जागरूकता उत्पन्न करेगा, बल्कि उनमें आत्मनियंत्रण का बीज भी बोएगा।

सकारात्मक संवाद

याद रखें बच्चों को डांटकर आप कभी भी सही रास्ते पर नहीं ला सकते। इसके लिए उनके साथ स्वस्थ सकारात्मक संवाद स्थापित करने की जरूरत होती है। पेरेंट्स बच्चों के साथ जब रोज थोड़ा समय बिताने की आदत डालते हैं। उनके मन को टटोलना की कोशिश करते हैं। उनसे भावनात्मक रूप से जोड़ने की कोशिश करते हैं, तो ऐसे में बच्चे अपने पेरेंट्स की बात मनाना शुरू कर देते हैं। वह उग्र और आक्रामक व्यवहार दिखाने की बजाय उनकी बातों को समझते हैं और मोबाइल से दूरी बनाना उनके लिए आसान हो जाता है।

ऑनलाइन गेमिंग विकार

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने ऑनलाइन गेमिंग विकार को अंतर्राष्ट्रीय रोग की श्रेणी में शामिल किया है। इस विकार से पीड़ित व्यक्ति ऑनलाइन गेम के लिए अपने कार्य एवं रिश्तों को उपेक्षित करने लगता है। बच्चों में ऑनलाइन गेम की आदत कब लत में बदल जाती है लोगों को पता नहीं चलता है। गेमिंग जब दिनचर्या, जीवन के कार्य, व्यवसाय, स्कूल, रिश्ता, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं अन्य क्षेत्रों को गंभीर नुकसान पहुंचाने लगे तथा कम से कम 12 महीने तक गेमिंग का नकारात्मक प्रभाव होने के बाद भी व्यक्ति उसे छोड़ने में सक्षम न हो, तब इसे विकार की श्रेणी में रखा जाता है।

डॉ.मनोज कुमार तिवारी
बीएचयू, वाराणसी

हाल ही में भारत सरकार की साइबर सिक्योरिटी एजेंसी I4C ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड मेडिकल रिसर्च (निमहांस) की रिपोर्ट के आधार पर बताया है कि गेमिंग एडिक्शन का मानव मस्तिष्क पर गहरा और प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शोध में यह तथ्य सामने आया है कि गेम बनाने वाली कंपनियां अपने गेम इस प्रकार डिजाइन करती हैं कि खिलाड़ी बार-बार उन्हें खेलने के लिए प्रेरित हों। गेम खेलने के दौरान दिमाग में डोपामिन नामक रासायनिक तत्व का स्राव होता है, जो आनंद की अनुभूति कराता है। यही आनंद धीरे-धीरे खेलते रहने की तीव्र इच्छा में बदल जाता है और समय के साथ यह आदत लत का रूप ले लेती है। ई-गेमिंग फेडरेशन के अनुसार, भारत में 40 करोड़ से अधिक लोग गेमिंग से जुड़े हैं, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत गेमर्स की आयु 24 वर्ष से कम है। अनुमान लगाया गया है कि इनमें से करीब 15 से 20 प्रतिशत लोग गेमिंग की लत से ग्रस्त हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, निमहांस तथा अन्य संस्थानों द्वारा किए गए अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि विशेष रूप से युवाओं में गेमिंग एडिक्शन के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, जो युवा प्रतिदिन दो घंटे से अधिक समय गेम खेलने में व्यतीत करते हैं, उनमें इस लत का खतरा अपेक्षाकृत अधिक देखा गया है।

ये आंकड़े स्पष्ट रूप से संकेत देते हैं कि बढ़ते डिजिटल प्रभाव के इस दौर में गेमिंग की लत को लेकर समाज में जागरूकता बढ़ाने और समय पर प्रभावी हस्तक्षेप करने की तत्काल आवश्यकता है। यद्यपि सरकार ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने हेतु ऑनलाइन गेमिंग का प्रमोशन व रेगुलेशन बिल बीते साल अगस्त में लाई थी। इस बिल का उद्देश्य ऑनलाइन मनी गेम्स पर प्रतिबंध लगाना और कुछ अन्य ऑनलाइन गेम्स को बढ़ावा देना व रेगुलेट करना है। फिर भी अभी और अधिक सख्त नियमों तथा सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता महसूस की जाती है। ऑनलाइन गेमिंग विकार को रोकने के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाना चाहिए। घर में बच्चों की परवरिश इस तरह से की जानी चाहिए ताकि बच्चे ऑनलाइन गेम के दुष्प्रभाव से अवगत हो सके। स्कूल व कॉलेजों में शिक्षक बहुत आवश्यक होने पर ही केवल मोबाइल का उपयोग करें ताकि विद्यार्थी उन्हें देखकर सीख सकें सरकार को चाहिए कि ऑनलाइन गेम पर कढ़ाई से नियंत्रण स्थापित करे। गैर सरकारी संगठनों को इसके बारे में जन सामान्य में व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करना चाहिए। यदि अभिभावकों व शिक्षक सामान्य उपायों को अपना कर भी ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रण करने में सक्षम नहीं हो पा रहे हो, तो प्रशिक्षित एवं अनुभवी मनोवैज्ञानिक से परामर्श एवं मनोचिकित्सा का सहारा लेना चाहिए। बच्चे ही राष्ट्र के भविष्य होते हैं, जिस गति एवं तीव्रता के साथ मोबाइल लत का प्रसार बच्चों में हो रहा है, उसे नियंत्रित नहीं किया गया, तो भारत के विकसित राष्ट्र का सपना सपना ही रह जाएगा।

कहीं दोषी हम ही तो नहीं!

इसमें कोई दो मत नहीं है कि मोबाइल गेमिंग बचपन, उनके स्वभाव और उनके भविष्य पर गहरी चोट कर रही है। इसके परिणाम अब कल्पनाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हृदयविदारक यथार्थ के रूप में हमारे सामने खड़े हैं। फिर भी, हर बार जब कोई दुखद घटना घटती है, हम बिना आत्ममंथन किए दोषारोपण की वही पुरानी राह चुन लेते हैं- कभी प्रशासन को, कभी तकनीक को, तो कभी सोशल मीडिया को। प्रश्न यह नहीं है कि दोष किसे दिया जाए, बल्कि यह है कि वास्तविक दोषी कौन है? क्या सचमुच कोई मशीन, कोई मोबाइल फोन या कोई गेम स्वयं निर्णय ले सकता है? क्या वह बच्चों के हाथों में अपने आप पहुंच जाता है? या फिर हम दूसरों को दोष देकर स्वयं को सहज और निर्दोष साबित करना चाहते हैं?

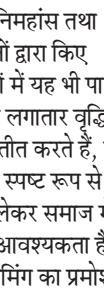

सीमा शर्मा 'तमन्ना'
नोएडा

सच तो यह है कि दोष देना आसान है, जिम्मेदारी उठाना नहीं। इस पूरे विमर्श में सबसे असहज प्रश्न हम स्वयं से पूछने से बचते हैं। क्या हम वास्तव में जागरूक और जिम्मेदार माता-पिता हैं? यदि कोई अभिभावक ईमानदारी से अपने भीतर झांके, तो उसे स्वीकार करना होगा कि बच्चों के व्यवहार, उनकी रुचियों और उनकी मानसिक दुनिया से हम धीरे-धीरे दूर होते जा रहे हैं। हम उनकी चुप्पी को अनुशासन समझ लेते हैं, स्क्रीन में डूबी उनकी आंखों को आधुनिकता का प्रतीक मान लेते हैं और यह मानकर संतोष कर लेते हैं कि हमारा कर्तव्य केवल भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित है। किंतु क्या पालन-पोषण का अर्थ केवल सुविधा उपलब्ध कराना भर है? वास्तविक रूप से जागरूक अभिभावक वह है, जो अपनी संतान की प्रत्येक प्रतिक्रिया, उसकी हर बेचैनी और उसके बदलते व्यवहार को गंभीरता से लेता है, जो यह समझता है कि बच्चों के लिए समय देना, संवाद करना और सीमाएं तय करना, प्रेम का ही एक रूप है। ऐसा अभिभावक कभी भी यह कहकर निश्चिंत नहीं बैठ सकता कि "सब बच्चे ऐसा ही करते हैं" या "यह आज की पीढ़ी की आदत है।"

दुर्भाग्यवश, हमारे समाज में माता-पिता की एक दूसरी श्रेणी भी तेजी से बढ़ रही है, जहां आधुनिक परिवेश, आधुनिक व्यवहार और आधुनिक खान-पान के साथ स्नेह और विश्वास की परिभाषाएं भी बदल चुकी हैं। यहां मोबाइल बच्चों के हाथों में इसलिए थमा दिया जाता है ताकि वे शांत रहें, प्रश्न न पूछें और माता-पिता को समय की बचत हो सके। यही सुविधा धीरे-धीरे आदत बनती है और आदत एक दिन लत का रूप ले लेती है। आज के इस तथाकथित तकनीकी युग का नशा मानव जीवन पर इस कदर हावी हो गया है कि किसी गंभीर शारीरिक बीमारी का इलाज तो संभव है, किंतु संवेदनहीन होती जा रही मानवीय मानसिकता का उपचार अत्यंत कठिन होता जा रहा है।

इसका परिणाम यह होता है कि हम अनजाने में अपने ही हाथों से अपने बच्चों से उनका बचपन, अपना परिवार, आपसी विश्वास, धैर्य और अंततः अपना मानवीय चरित्र खोते चले जाते हैं। अब भी समय है कि दोषारोपण की सुविधा छोड़कर हम आत्मजवाबदेही का कठिन रास्ता चुनें। क्योंकि यदि आज हमने अपने बच्चों की दुनिया को समझने का प्रयास नहीं किया, तो कल वही दुनिया हमें पूरी तरह अनजान लगने लगेगी।

स्वास्थ्य का स्रोत

आयुर्वेदिक जल विज्ञान

आयुर्वेद में जल को जीवन का मूल तत्व माना गया है, क्योंकि बिना जल के शरीर की कोई भी क्रिया संभव नहीं है। मानव शरीर पंचमहाभूतों से निर्मित है, जिनमें जल तत्व का विशेष स्थान है। शरीर की समस्त धातुएं–रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा और शुक्र–जल पर ही आश्रित होती हैं। आयुर्वेद यह स्पष्ट करता है कि जल केवल प्यास बुझाने का साधन नहीं, बल्कि उचित प्रकार से सेवन किया जाए, तो वही जल औषधि का कार्य करता है।

शीतल जल का संतुलित प्रयोग

शीतल जल शरीर को ठंडक प्रदान करता है और पित्त दोष को शांत करता है। गर्मी, जलन, अम्लपित्त और मूत्र विकारों में इसका सेवन लाभकारी होता है। परंतु आयुर्वेद अत्यधिक ठंडे जल से बचने की सलाह देता है, क्योंकि इससे पाचन अग्नि मंद हो जाती है और सर्दी–खांसी जैसे विकार उत्पन्न हो सकते हैं। भोजन के तुरंत बाद ठंडा पानी पीना आयुर्वेद में वर्जित माना गया है।

उबला हुआ ठंडा पानी

उबले हुए पानी को ठंडा करके पीना आयुर्वेद में सुरक्षित और लाभकारी माना गया है। उबालने से जल में उपस्थित हानिकारक जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। यह जल विशेष रूप से वर्षा ऋतु, बच्चों, वृद्धों और कमजोर पाचन शक्ति वाले व्यक्तियों के लिए उपयुक्त होता है। पेट के संक्रमण, दस्त और अपच में इसका विशेष लाभ देखा जाता है।

अल्प जल

जुकाम, मंदाग्नि, क्षय, मुख में लार आना, उदररोग, कुष्ठ रोग, नेत्रविकार, ज्वर, इन रोगों में रोगी को थोड़ा जल पीना उचित है।

तांबे के बर्तन का पानी (ताम्र जल)

तांबे के पात्र में रात भर रखा गया पानी आयुर्वेद में औषधीय गुणों से युक्त माना गया है। तांबा जल को शुद्ध करता है और उसमें सूक्ष्म खनिज तत्वों का संचार करता है। ताम्र जल पाचन शक्ति बढ़ाने, रक्त शोधन, त्वचा रोगों तथा मोटापा कम करने में सहायक होता है। इसका सेवन सुबह खाली पेट सीमित मात्रा में करना चाहिए।

वर्षा जल और नारियल पानी

प्राचीन ग्रंथों में वर्षा जल को हल्का और सुपाच्य माना गया है, परंतु वर्तमान समय में प्रदूषण के कारण इसके शोधन की आवश्यकता होती है। वहीं नारियल पानी को आयुर्वेद में प्राकृतिक औषधीय पेय माना गया है। यह पित्त दोष को शांत करता है, शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखता है और मूत्र विकारों में लाभकारी होता है।

मटके का पानी

मिट्टी के घड़े में रखा पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा और संतुलित होता है। यह पित्त दोष को शांत करता है और शरीर को सहज शीतलता प्रदान करता है। ग्रीष्म ऋतु में मटके का पानी आयुर्वेद की दृष्टि से सर्वोत्तम माना गया है। यह पर्यावरण–अनुकूल होने के साथ–साथ स्वास्थ्यवर्धक भी होता है।

मुलेठी जल

मुलेठी जल मधुर रस और शीत वीर्य वाला होता है। यह गले के रोगों, खांसी, स्वर बैठना और अम्लपित्त में लाभकारी माना गया है। मुलेठी जल पित्त दोष को शांत करता है और फेफड़ों को बल प्रदान करता है। लंबे समय से चल रही खांसी और गले की खराश में इसका नियमित सेवन लाभ देता है। अल्सर और एसिडिटी में भी यह उपयोगी माना गया है।

हरड़ जल

हरड़ जल को आयुर्वेद में पाचन सुधारक और आंव नाशक माना गया है। यह विशेष रूप से कब्ज, अपच और पेट की सफाई के लिए उपयोगी है। हरड़ जल त्रिदोष संतुलन में सहायक होता है और शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। नियमित सेवन से आंतों की क्रिया सुधरती है और भूख बढ़ती है।

अर्जुन छाल जल

अर्जुन छाल जल को हृदय रोगों के लिए आयुर्वेद की श्रेष्ठ औषधि माना गया है। यह हृदय बलवर्धक, रक्तचाप नियंत्रक और कोलेस्ट्रॉल संतुलक होता है। अर्जुन जल नियमित रूप से लेने से हृदय की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और रक्त संचार बेहतर होता है। हृदय रोगियों के लिए यह सहायक चिकित्सा के रूप में अत्यंत उपयोगी है।

शतावरी जल

शतावरी जल शीतल, पौष्टिक और रसायन गुणों से युक्त होता है। यह महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। मासिक धर्म की अनियमितता, कमजोरी, हार्मोन असंतुलन और स्तनपान की समस्या में शतावरी जल उपयोगी होता है। यह पित्त दोष को शांत करता है और शरीर को पोषण प्रदान करता है।

सामान्य शुद्ध जल के महत्व

शुद्ध, स्वच्छ, निर्मल तथा गंध–स्वाद से रहित जल को आयुर्वेद में सर्वोत्तम माना गया है। यह जल त्रिदोष को संतुलित बनाए रखता है और शरीर की प्राकृतिक क्रियाओं को सुचारु करता है। नियमित रूप से शुद्ध जल पीने से पाचन शक्ति बनी रहती है, विषैले पदार्थ शरीर से बाहर निकलते हैं और त्वचा में प्राकृतिक कांति आती है। जल सभी प्रकृति के व्यक्तियों के लिए उपयोगी है, बशर्ते इसका सेवन सही मात्रा और सही समय पर किया जाए।

जल सेवन के नियम

आयुर्वेद के अनुसार जल का सेवन ऋतु, दोष और प्रकृति के अनुसार करना चाहिए। अत्यधिक पानी पीना, भोजन के तुरंत बाद ठंडा जल लेना और प्यास न लगने पर बार–बार पानी पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। सही जल, सही समय और सही मात्रा ही उत्तम स्वास्थ्य का आधार है।

गुनगुने पानी के लाभ

गुनगुना जल आयुर्वेद में विशेष औषधीय महत्व रखता है। यह पाचन अग्नि को प्रदीप्त करता है और आम दोष को नष्ट करता है। गुनगुना पानी का सेवन करने से गैस, अपच, कब्ज, मोटापा तथा जोड़ों के दर्द में लाभ मिलता है। सर्दी–खांसी और कफजन्य रोगों में भी गुनगुना जल अत्यंत उपयोगी माना गया है। वात और कफ प्रकृति वाले व्यक्तियों के लिए यह विशेष रूप से लाभकारी होता है, जबकि पित्त प्रकृति वालों को इसका सीमित प्रयोग करना चाहिए।

औषधीय जल की आयुर्वेदिक अवधारणा

औषधीय जल वह जल होता है, जिसमें औषधीय द्रव्यों के गुण संचारित कर दिए जाते हैं। इसे आयुर्वेद में "औषध सिद्ध जल" कहा गया है। यह जल रोग, दोष और प्रकृति के अनुसार औषधि का कार्य करता है।

धनिया, जीरा और सौंफ जल

धनिया जल पित्त दोष को शांत करता है और अम्लपित्त, मूत्र जलन तथा त्वचा रोगों में लाभ देता है। जीरा जल पाचन अग्नि को प्रदीप्त करता है और वात–कफ दोष को नियंत्रित करता है। सौंफ जल शीतल और मधुर होने के कारण आंखों की जलन, पेट की गर्मी और मुंह के छालों में उपयोगी माना जाता है।

अजवाइन और त्रिफला जल

अजवाइन जल वात–कफ नाशक होता है और अपच, गैस तथा जोड़ों के दर्द में लाभ देता है। त्रिफला जल त्रिदोष शामक और रसायन गुणों से युक्त होता है। यह कब्ज, आंखों की कमजोरी और त्वचा रोगों में विशेष लाभकारी माना गया है।

तुलसी, गिलोय और नीम जल

तुलसी जल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और सर्दी–खांसी में लाभ देता है। गिलोय जल ज्वर, गठिया और प्रतिरक्षा वृद्धि में सहायक है। नीम जल रक्त शोधन और त्वचा रोगों में उपयोगी माना गया है, परंतु गर्भावस्था में इसका सेवन वर्जित है।

मेथी जल

मेथी जल आयुर्वेद में उष्ण वीर्य और तिक्त–कटु रस वाला माना गया है। यह विशेष रूप से मधुमेह, मेदोविकार और वात–कफ दोष से संबंधित रोगों में उपयोगी है। मेथी जल नियमित रूप से सेवन करने से रक्त में शर्करा का स्तर संतुलित रहता है और इंसुलिन की संवेदनशीलता बढ़ती है। इसके अतिरिक्त यह जोड़ों के दर्द, सूजन तथा मांसपेशियों की जकड़न में भी लाभकारी माना गया है। स्तनपान कराने वाली माताओं में मेथी जल दूध की मात्रा बढ़ाने में सहायक होता है। इसका सेवन सामान्यत: सुबह खाली पेट सीमित मात्रा में किया जाता है।

दालचीनी जल

दालचीनी जल को आयुर्वेद में रक्तशोधक, दीपन–पाचन और वात–कफ नाशक माना गया है। यह जल शरीर के रक्त संचार को बेहतर बनाता है और ठंड से होने वाले रोगों में विशेष लाभ देता है। दालचीनी जल का नियमित सेवन मधुमेह नियंत्रण, मोटापा घटाने तथा महिलाओं में हार्मोन असंतुलन जैसे PCOS में सहायक होता है। सर्दी–जुकाम, गले की खराश और कफजन्य खांसी में भी यह उपयोगी सिद्ध होता है। पित्त प्रकृति वाले व्यक्तियों को इसका सीमित सेवन करना चाहिए।

पुदीना जल

पुदीना जल शीतल गुणों से युक्त होता है और पाचन तंत्र पर शीघ्र प्रभाव डालता है। यह मतली, उल्टी, पेट दर्द और सिरदर्द में तत्काल राहत प्रदान करता है। गर्मी के मौसम में पुदीना जल शरीर को ठंडक देता है और थकान को दूर करता है। मुंह की दुर्गंध, अम्लपित्त और गैस की समस्या में भी यह लाभकारी माना गया है। मानसिक तनाव में पुदीना जल मन को शांत करने में सहायक होता है।

अश्वगंधा जल

अश्वगंधा जल को आयुर्वेद में रसायन और बल्य औषधि के रूप में माना गया है। यह शरीर की कमजोरी को दूर करता है और शारीरिक तथा मानसिक शक्ति बढ़ाता है। अश्वगंधा जल तनाव, अनिद्रा, चिंता और थकावट में विशेष रूप से उपयोगी होता है। पुरुषों में यह वीर्यवर्धक तथा महिलाओं में हार्मोन संतुलन में सहायक माना गया है। नियमित सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है।

ब्राह्मी जल

ब्राह्मी जल आयुर्वेद में मेध्य रसायन माना गया है, जो मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के लिए अत्यंत लाभकारी है। यह स्मरण शक्ति बढ़ाने, एकाग्रता सुधारने और मानसिक थकान को दूर करने में सहायक होता है। विद्यार्थियों, वृद्धों और मानसिक कार्य अधिक करने वाले व्यक्तियों के लिए ब्राह्मी जल विशेष रूप से उपयोगी है। अनिद्रा, चिंता और अवसाद में भी इसका सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

आयुर्वेद में जल को औषधि का स्वरूप प्रदान किया गया है। विभिन्न प्रकार के पानी और औषधीय जल का विवेकपूर्ण उपयोग न केवल रोगों से बचाव करता है, बल्कि शरीर, मन और इंद्रियों को भी संतुलित रखता है। रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली का यह सतत प्रयास है कि आयुर्वेदिक जल चिकित्सा के इस सरल और प्रभावी ज्ञान को समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाया जाए।

प्रकृति की अनमोल देन वरुण औषधि

हमारे आसपास ऐसी अनेक आयुर्वेदिक औषधियां हैं, जिनका इस्तेमाल जान लेने से आप अपने शरीर को बीमारियों से कोसों दूर रख सकते हैं, इन औषधियों से हमारे शरीर की गंदगी बाहर निकालती है। साथ ही त्वचा संबंधित समस्याएं तेजी से ठीक हो जाती हैं, वरुण के पौधे में कई बीमारियों को दूर करने के गुण होते हैं। वरुण बूटी का स्वाद कसैला और कड़वा होता है, वरुण की तासीर गर्म होती है, जो वात दोष को दूर करने में हमारी मदद करता है। वरुण के इस्तेमाल से स्वास्थ्य को कई लाभ होते हैं। भारत में इसका इस्तेमाल काफी वर्षों से किया जा रहा है। आयुर्वेद में इसकी पत्तियों, छाल और फूलों का इस्तेमाल किया जाता है।

अनामिका शुक्ला
लेखिका

किडनी में पथरी की समस्या में लाभप्रद

किडनी और मूत्राशय में पथरी की समस्या को दूर करने में वरुण हमारी मदद कर सकता है। वरुण की छाल का इस्तेमाल करने से मूत्रमार्ग की पथरी को कम किया जा सकता है। अगर नियमित रूप से वरुण की छाल से काढ़ा तैयार करके पिया जाए, तो इससे किडनी की पथरी को बाहर निकाला जा सकता है। यह किडनी की पथरी को मूत्रमार्ग से बाहर करता है। साथ ही बड़े साइज की पथरी को छोटा करने में आपकी मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में सहायक

वरुण पित्त दोष को दूर करने में हमारी मदद करता है। इसके इस्तेमाल से लिवर से जुड़ी परेशानियां दूर कर सकते हैं। इसके अलावा यह हमारे शरीर के अतिरिक्त बिलीरुबिन को शरीर से बाहर निकालने में हमारी मदद करता है। ऐसे में शरीर का मेटाबॉलिज्म रेट बूस्ट होता है, जिससे आपका वजन खुद–ब–खुद कम हो सकता है। मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने के लिए आप वरुण के छाल से काढ़ा तैयार करके पी सकते हैं।

फोड़ों को ठीक करने में लाभकारी

शरीर के ऊतकों में मवाद भरने से फोड़े की समस्या होती है। फोड़ा होने से प्रभावित हिस्से में दर्द, सूजन और जलन की परेशानी होती है। इन सभी परेशानियों को दूर करने में वरुण आपकी मदद करता है। वरुण में वात और पित्त दोष को दूर करने का गुण होता है, जो सूजन और मवाद को दूर करने में आपकी मदद करता है। शरीर में होने वाले फोड़े–फुंसी की परेशानी को दूर करने के लिए वरुण की छाल का पाउडर लें। इसमें नारियल का तेल मिक्स करके पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे प्रभावित हिस्से पर लगाएं। इससे फोड़े–फुंसी की परेशानी दूर होगी।

गाउट की समस्या से राहत

वरुण में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, तो गाउट की समस्या को दूर करने में आपकी मदद करते हैं। वात दोष को दूर करके गाउट की परेशानी को दूर किया जा सकता है। ऐसे में वरुण की तासीर गर्म होती है, जो वात दोष को दूर करता है। परिणामस्वरूप इससे गाउट की समस्या दूर की जा सकती है। इसके अलावा गाउट से ग्रसित लोगों में सूजन और जलन की परेशानी भी कम की जा सकती है। गाउट में होने वाली समस्या को दूर करने के लिए वरुण की छाल में थोड़ा ऑलिव ऑयल मिक्स करके इसका पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को प्रभावित हिस्से पर लगाएं। इससे आपकी समस्या दूर हो जाएगी।

भूख न लगने की समस्या से दिलाए छुटकारा

कुछ लोग भूख न लगने की समस्या से परेशान होते हैं, जिसकी वजह से उनका शारीरिक विकास सही तरीके से नहीं हो पाता है। ऐसे में वरुण आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए वरुण के पाउडर को शहद में मिक्स करके इसका सेवन करें। इससे भूख न लगने की परेशानी दूर होगी। साथ ही अन्य समस्याएं भी कंट्रोल में होंगी।

कब्ज को दूर करने में सहायक

कब्ज की परेशानी को दूर करने में वरुण काफी फायदेमंद हो सकता है। वरुण में मौजूद औषधीय गुण मल को आसानी से बाहर निकालने और बाउल मूवमेंट को ठीक करने में हमारी मदद करता है। इसमें मौजूद गुण भोजन को पचाने में आपकी मदद करता है।

कब्ज की परेशानी को दूर करने के लिए वरुण के फूलों से चाय तैयार करके पिया जा सकता है। इससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

चेहरे की झुर्रियां करे कम

वरुण के पौधे में एंटी–एजिंग गुण मौजूद होते हैं, जो स्किन की झुर्रियों को दूर करने में आपकी मदद कर सकता है। इसके इस्तेमाल से ड्राई स्किन और फाइन–लाइन को दूर किया जा सकता है। इससे आपकी स्किन जवां दिखेगी। साथ ही बढ़ती उम्र के लक्षण भी कम होंगे। इसका इस्तेमाल करने के लिए वरुण के छाल के पाउडर में नारियल तेल मिक्स करें। अब इसे अपने चेहरे पर लगाएं। इससे स्किन के मुंहासे, झुर्रियां और अन्य समस्याएं दूर हो सकती हैं।

किसी भी तरह के घाव को भरने में बेहद कारगर

वरुण के इस्तेमाल से आप किसी भी तरह के घाव को जल्दी भर सकते हैं। इसके लिए आपको वरुण के पाउडर को अपने प्रभावी हिस्से पर लगाना होता है। इससे घाव के सूजन को कम किया जा सकता है। साथ ही स्किन को पुर्नस्थापित भी किया जा सकता है। घाव को भरने के लिए 1/4 टी स्पून वरुण की छाल का पाउडर लें। इसमें नारियल तेल मिक्स करके इसका पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे अपने प्रभावित हिस्से पर लगाएं। इससे घाव जल्दी भरेगा।

नोट– ये आलेख जानकारी के लिए है। वरुण बूटी का उपयोग करने से पहले किसी आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

साप्ताहिक राशिफल

–पं .मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह आपके भीतर भरा हुआ आलस्य और जीवन से जुड़ी तमाम तरह की अड़चनें दूर होती हुई नजर आएंगी। सोचे हुए कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण होता हुआ देख आपके भीतर सकारात्मक विचारों और उत्साह में वृद्धि होगी। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपकी रुचि धार्मिक–आध्यात्मिक कार्यों में बढ़ेगी।

वृष
इस सप्ताह आपको अपनी सेहत और संबंध दोनों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। ऐसे में अपने खान–पान, रहन–सहन और जीवनशैली सही रखें। मौसमी बीमारी के प्रति सतर्क रहें अन्यथा आपको शारीरिक एवं मानसिक कष्ट झेलने पड़ सकते हैं।

मिथुन
यह सप्ताह काफी उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। आपके सिर पर अचानक से कुछेक बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसके कारण आपकी वित्तीय स्थिति गड़बड़ा सकती है। आपको अपने शरीर और धन दोनों का खूब ख्याल रखने की आवश्यकता रहेगी।

कर्क
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में मनचाही सफलता पाने के लिए भाग्य भरोसे बैठने की बजाय कर्म की साख को हिलाना होगा। आप जितना परिश्रम और प्रयास करेंगे आपको उतना ही फल प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों संबंध मधुर बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

सिंह
इस सप्ताह जीवन के किसी भी क्षेत्र में अथक परिश्रम और प्रयास करने पर ही मनचाहे फल प्राप्त हो सकेंगे। ऐसे में भाग्य भरोसे बैठने की बजाय सही दिशा में पूरे मनोयोग से कार्य करने का प्रयास करें। आपको अपने करियर और कारोबार में विशेष सावधानी के साथ समय पर काम करने की आवश्यकता बनी रहेगी।

कन्या
इस सप्ताह आपको अपनी सेहत और संबंध पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह के प्रारंभ में किसी पुराने रोग के उभरने से शारीरिक एवं मानसिक कष्ट मिलने की आशंका है। सेहत का प्रभाव आपके कामकाज पर भी देखने को मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कामकाज संबंधी मुश्किलें आ सकती हैं।

तुला
यह सप्ताह नौकरीपेशा व्यक्तियों पर कामकाज का अतिरिक्त बोझ बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम और प्रयास की सराहना न होने और सीनियर की उपेक्षा से आपको हताशा होगी, लेकिन भूलकर भी नकारात्मक विचार लाने से बचें और लोगों के साथ विनम्रता से पेश आएं, क्योंकि आपके जीवन की गाड़ी पटरी पर आती हुई नजर आ सकती है।

वृश्चिक
इस सप्ताह आपको छोटे–छोटे कार्यों को भी पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सेहत अथवा उससे जुड़ी समस्या आपकी चिंता का बड़ा कारण बन सकती है। इस दौरान खर्च की अधिकता बनी रहेगी, जिससे आपका वित्तीय स्थिति थोड़ी डगमगा सकती है।

धनु
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ और सौभाग्य को लिए हुए है। आप जितना अधिक परिश्रम और प्रयास करेंगे आपको उतनी अधिक सफलता और उपलब्धि हासिल होगी। आप अपने कार्य एवं जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ करते हुए नजर आएंगे। तकनीक से जुड़े प्रोफेशनल कार्य करने वालों के लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है।

मकर
इस सप्ताह आप अपने कार्यों में अचानक से आने वाली अड़चनों को लेकर काफी परेशान रह सकते हैं। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आने वाली दिक्कतों को दूर करने में स्वजनों और शुभचिंतकों की मदद समय पर न मिल पाना भी आपकी पीड़ा का कारण बनेगा। अपने कागजी कार्य समय से निपटाने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा उन्हें बेवजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

कुंभ
इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को जल्दबाजी में करने से बचना चाहिए। असमंजस की स्थिति में तो भूलकर भी कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए अन्यथा बाद में पछतावा करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरीपेशा हैं, तो अपने कार्य को किसी दूसरे व्यक्ति के भरोसे छोड़ने अथवा उसमें लापरवाही करने की भूल नहीं करनी चाहिए।

मीन
यह सप्ताह थोड़ा कम अनुकूल प्रतीत हो रहा है। सेहत और संबंध को बेहतर बनाए रखने के लिए आपको विशेष प्रयास करने होंगे अन्यथा आपको शारीरिक एवं मानसिक कष्ट मिलने की आशंका बनी रहेगी। यदि आप नौकरीपेशा जातक हैं और आप अपनी नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे हैं, तो भूलकर भी क्रोध अथवा भावनाओं में बहकर ऐसा निर्णय न लें।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 46

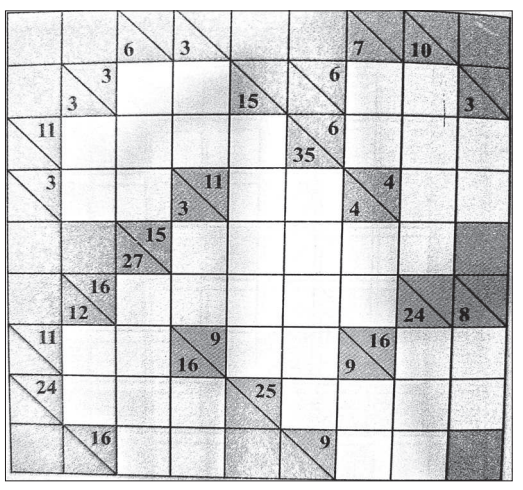

काकुरो 45 का हल

	4		21		7	5		
5	3	2		4	1	3		
				10				
16	1	6	3	4	2		3	4
	9	3	4	2	4	1	3	
	6				10			
7	1	4	2	6	3	2	1	
				3				
15	3	5	1	2	4	5		
3	2	1	6	1	2	3		
				3	1	2		

शब्द संसार

संस्मरण

अधूरा ख्वाब

गांव में फौजियों को देखकर विजय के मन में फौज में भर्ती होने का उत्साह बढ़ता जा रहा था, उसके साथ पढ़ने वाले गांव के कुछ लड़के भी फौज में चले गए थे, उसने सोचा कि एक दिन वह भी फौज में एक जबांज अधिकारी बनेगा। घर की आर्थिक तंगी से जूझते हुए विजय, किसी तरह स्नातक की शिक्षा प्राप्त करने कॉलेज तक तो पहुंचा गया था, लेकिन घर में पैसे की कमी उसके कदम बार-बार रोक रहे थे, कॉलेज घर से लगभग 60 किमी दूर था। विजय के पास दो विकल्प थे कि वह या तो कॉलेज के पास जाकर किराए पर कमरा लेकर पढ़ाई करे या रोजाना घर से कॉलेज का सफर तय करे, दोनों ही विकल्प नामुमकिन लग रहे थे, पिता दिहाड़ी मजदूर थे, जितना कमाते थे उसी से शाम का चूल्हा जलता था। पिता ने विजय को समझाया कि बेटा तुम अपनी पढ़ाई पर ध्यान दो, तुम पढ़ लोगे तो न जाने कितनी पीढ़ियां सुधर जाएंगी, घर के हालात सुधार जाएंगे, शिक्षा प्राप्त कर लोगे तो गरीबी से मुक्ति मिल जाएगी, पढ़ लोगे तो समाज में बदलाव ला सकते हो, नहीं तो मेरी तरह जिंदगी भर दिहाड़ी पर मजदूरी करते रहोगे, मैं तुम्हें पैसे की कमी नहीं होने होने दूंगा, बस तुम पढ़ाई मत छोड़ो, इसे जारी रखो, तुम इस खानदान के पहले बच्चे हो, जिसने स्कूल देखा है।

डॉ. बीपी सिंह
भाकृअनुप-उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र अनुसंधान परिसर उमियाम

पिता की कही बात विजय को समझ आ गई और विजय ने कॉलेज में दाखिला ले लिया। विजय ने, अपने एक सीनियर, जिनका नाम ब्रहमपाल था, से मिलकर कॉलेज से लगभग चार किमी दूर चार सौ रूपये प्रति माह किराए पर एक कमरा ले लिया। कमरे का किराया दो लोगों मे बंटकर सस्ता हो गया और इस प्रकार किराए के उस कमरे में बगैर कुर्सी-मेज के विजय अपनी पढ़ाई मे जी-जान से ऐसे जुट गया, जैसे उसे बहुत बड़ा इतिहास बदलना हो। कॉलेज में हॉस्टल तो था, लेकिन वह सभी को नहीं मिलता था, हॉस्टल में रह रहे छात्र प्रभावशाली परिवारों से थे, इसलिए विजय ने हॉस्टल में कमरा लेने की कोशिश भी कभी नहीं की। किराए के कमरे में साथ रह रहे सीनियर ब्रहमपाल के बड़े भाई फायर ब्रिगेड़ विभाग, नई दिल्ली मे नौकरी करते थे, ब्रहमपाल ने विजय को बताया कि 26 जनवरी को नई दिल्ली मे गणतंत्र दिवस की परेड है और उसे देखने के लिए बड़े भाई से एंट्री-पास मिल जाएगा, तुम चलोगे क्या? और आगे यह भी कह दिया कि दिल्ली मे रहने के लिए कोई परेशानी नहीं है, भाई का सरकारी घर है, आने-जाने का किराया भी बड़े भाई दे देंगे, चिंता मत करो, बस तुम चलो। इतना सुनकर, विजय तैयार हो गया। विजय, पहली बार दिल्ली आया था और गणतंत्र दिवस की परेड को देखने का यह पहला सुनहरा अवसर था, जो उसे अपने सीनियर ब्रहमपाल के कारण मिला। गणतंत्र दिवस पर एनसीसी कैडेट्स की परेड़ देखकर विजय इतना प्रभावित हुआ कि वापस लौटकर उसने अपने कॉलेज मे एनसीसी जॉइन कर ली। कॉलेज मे जब भी एनसीसी की परेड होती, वह एनसीसी की यूनीफोर्म पहनकर, गणतंत्र दिवस की परेड की तरह पूरे जोश और जज्बे के साथ परेड और ड्रिल करता। विजय का चलना-फिरना, बात करना बिल्कुल एक आर्मी ऑफिसर की तरह लगने लगा, अपनी उस एनसीसी की खाकी रंग की यूनीफॉर्म से वह बहुत प्यार करने लगा, उसकी यूनीफॉर्म हमेशा क्लफ और प्रैस से चमकते थे और उसके जूते और बेल्ट काले रंग की पॉलिश से। जब भी विजय ड्रिल करता, जमीन में उसके जूते की चोट से गड्ढा हो जाया करता था, एनसीसी के शिविर में उसे पता चला कि राइफल और गन मशीन से उसका निशाना भी बिल्कुल सटीक है। एक बार विजय एनसीसी की यूनीफॉर्म पहनकर अपने गांव आया तो मां भी देखकर हैरान हो गई और बोली कि "तू फौज मे चला गया और हमें बताया भी नहीं", खैर विजय ने मां को समझाया कि यह एनसीसी कि वर्दी है मां और इसी वर्दी से वह फौज में जाएगा। इस तरह, एनसीसी के कैंप और बटालियन में विजय की एक अच्छे कैडेट के रूप मे पहचान होती चली गई। एक दिन कॉलेज मे परेड करते-करते बहुत देर हो गई, तो विजय को इतनी भूख लगी कि परेड के बाद दिए गए केलों को वह छिलके समेत खा गया।

कुछ दिन बाद कॉलेज मे एनसीसी के बी प्रमाण पत्र की परीक्षा आ गई और बटालियन से परीक्षा लेने आए ग्रुप कमांडर ने कॉलेज में एनसीसीके प्राध्यापक को बताया कि आपके कॉलेज में एनसीसी के दो कैडेट्स बहुत बेहतरीन है, इनकी ड्रिल भी शानदार है, एक विजय और दूसरा संजय, इन दोनों को गणतंत्र दिवस की परेड के लगने वाले कैंप के चयन में भेजना होगा, इन दोनों का चयन हो सकता है और कैंप हेतु इनका चयन एनसीसी बटालियन में ही आयोगित किया जायेगा। संजय, एक संपन्न परिवार से था, उसके पिता भी शुगर मिल में नौकरी करते थे। अगले दिन यह खबर एनसीसी प्राध्यापक ने पूरी क्लास को बता दी और धीरे-धीरे यह बात पूरे कॉलेज में फैल गई थी कि कॉलेज के दो छात्र गणतंत्र दिवस की परेड के कैंप में चयन हेतु जाएंगे। यह सुनकर, विजय बहुत खुश था, वह आत्मविश्वास से भरपूर था कि वह अपनी कड़ी मेहनत से इस चयन परीक्षा में सफल हो जाएगा, फिर आर.डी. कैंप में और उसके बाद सीधे राजपथ पर गणतंत्र दिवस की परेड में। कुछ दिन बाद, वार्षिक परीक्षा होने के बाद कॉलेज की ग्रीष्मकालीन छुट्टियां पड़ गई, विजय अपने गांव आ गया और मां को पूरी बात बता दी कि, मां, मैं गणतंत्र दिवस की परेड के कैंप के चयन के लिए जाऊंगा और तुम मुझे 26 जनवरी की परेड में पड़ोस मे जाकर टेलिविजन पर देखना, मां बहुत खुश हुई, पूरा परिवार खुश था कि उनका बेटा टी.वी. पर दिखाई देगा। गणतंत्र दिवस की परेड के कैंप हेतु चयन भी इन्हीं ग्रीष्मकालीन छुट्टियों में एनसीसी बटालियन स्तर पर होना था, जिसकी दूरी गांव से लगभग 40 किमी. थी। लगभग 10 दिन बाद, विजय एनसीसी बटालियन चला गया यह पता करने के लिए कि चयन हेतु परीक्षा किस तिथि को है, वहां के एनसीसी उस्ताद ने बताया कि तिथि कि जानकारी आपके कॉलेज में एनसीसी के प्राध्यापक को भेज दी जाएगी, आप उनके संपर्क मे रहो"। चंद दिनों बाद, विजय एनसीसी के प्राध्यापक के घर पर मिलने पहुंच गया ताकि चयन परीक्षा की तारीख का पता चल सके, प्राध्यापक ने बताया कि अभी तक बटालियन से कोई सूचना नहीं आई है। इतनी जानकारी लेकर विजय अपने गांव वापस लौट आया, क्योंकि कॉलेज बंद थे, उन दिनों। हर पांचवे-छठे दिन विजय अपने प्राध्यापक के घर पहुंच जाता, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पाती। उन दिनों न तो प्राध्यापक के पास कोई टेलीफोन था और न ही विजय के गांव में। प्राध्यापक का घर कॉलेज के नजदीक था और विजय को इस तरह रोजाना सौ किमी से अधिक का सफर तांगे और बस से तय करना पड़ता था, जिसमें पिता के दिए पैसे भी किराए में खर्च हो जाते थे, उस समय पिता की दिहाड़ी मजदूरी थी लगभग अस्सी रुपये और सफर में खर्च हो जाते थे लगभग चालीस रुपये, जिसमें लगभग बीस किमी का सफर बगैर किराए के तय हो जाता था। बस का ड्राइवर, विजय को स्टूडेंट मानकर कोई किराया नहीं लेता था। विजय का यह सिलसिला चलता रहा, वह बार-बार प्राध्यापक से मिलने आए और बगैर किसी जानकारी के अपने गांव वापस चला जाए। विजय, जब भी प्राध्यापक से मिलने आता, मां उसे दो रोटी रुमाल मे बांधकर देती थी, जब भी बस स्टैंड आता, विजय रोटी खा लिया करता और रोडवेज बस स्टैंड के नल से पानी पी लिया करता।

बहुत दिन बाद अचानक, विजय के मन में आया कि एक बार फिर से बटालियन जाकर चयन परीक्षा की तिथि पता की जाए, बटालियन का ऑफिस कॉलेज से बीस किलोमीटर पहले ही पड़ता था। बटालियन में पहुंचकर एनसीसी के उस्ताद ने दूर से ही पहचानकर अपने पास बुलाया कि विजय यहां आओ, पास में जाते ही उस्ताद ने तुरंत पूछा कि तुम चयन परीक्षा में क्यों नहीं आए? विजय ने घबराकर कहा, परीक्षा? कब हो गई? उस्ताद जी, छह दिन पहले ही तो प्राध्यापक से मिला था मैं, उन्होंने तो मुझे नहीं बताया? उस्ताद ने बताया कि परीक्षा कल थी और तुम्हारे कॉलेज से संजय नाम का कैडेट भी आया था। विजय यह सुनकर पास में पड़ी बैंच पर हताश होकर बैठ गया जैसे उसका सब कुछ छिन गया हो, उस्ताद ने विजय को पीने के लिए पानी दिया, पानी पीकर विजय ने उस्ताद से पूछा कि क्या संजय का चयन हुआ? उस्ताद ने कहा, नहीं, वह तुमसे अच्छा कैडेट नहीं था, फिर थोड़ी देर बाद विजय बस पकड़ कर अपने गांव वापस आ गया। दिन छिपने को था, जैसे ही शाम को विजय घर पहुंचा, मां को उसका चेहरा पढ़ते देर नहीं लगी, आखिरकार पूछ ही लिया कि क्या हुआ? तुम्हारा मुंह क्यों लटक हुआ है? इतना उदास क्यों है? चयन परीक्षा कब है? मां के तमाम सवाल थे, लेकिन विजय चुप था, किसी तरह का कोई जवाब नहीं था उसके पास।

थोड़ी देर शांत रहने के बाद, विजय ने मां को बताया कि प्राध्यापक ने उसे जानकारी नहीं दी, कल चयन परीक्षा थी, मैं उसमें हिस्सा नहीं ले पाया, मेरा ख्वाब अधूरा रह गया, मां। इतना सुनकर पूरे घर में सन्नाटा छा गया, जिस खुशी की आस मे सब थे, वह गम में बदल गई। मां ने कहा, बेटा, मन छोटा न कर, एक अवसर ही तो हाथ से छूटा है, जिंदगी थोड़ा ही छूटी है, मेहनत कर बेटा, तेरी जिंदगी में शायद कुछ बड़ा लिखा है। समय बीतता गया, मां का कहा सच हुआ, आगे चलकर विजय एक बड़ा अधिकारी तो बन गया लेकिन गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल न होने की कसक उसे जिंदगी भर परेशान करती रही, रह-रहकर उसे उस प्राध्यापक का चेहरा याद आता रहा, जिसने विजय के मंसूबों पर पानी फेर दिया था।

काव्य

अस्तित्व

एक दूजे के बिना
अधूरा है अस्तित्व
सत्य को तुम मानो
न मानो ये है निजत्व

लाठी एक दूजे की
क्यों ये स्वीकार नहीं करते
बेटा हो या बेटी तुम्हारे
नखरे नहीं सह सकते।

जब तक साथ रहते
परवाह नहीं करते
अकेला हो जब एक
तो सोच में डूबा करते

जीते जी परवाह नहीं
दुश्मन सा व्यवहार करते
बिछुड़ने के बाद वही
याद रात दिन करते

वर्षा वार्ष्णेय
कवयित्री, अलीगढ़

मौसम गुलाब का

ख्वाहिश नई जगा रहा मौसम
गुलाब का
दिल के करीब आ रहा मौसम
गुलाब का

पल में नजर उठा रहा, पल में
झुका रहा
जैसे मुझे बुला रहा मौसम
गुलाब का

होंठों पे कांपते हुए मनुहार के
वो बोल
दुनिया नई दिखा रहा मौसम
गुलाब का

जी भर के करना चाहता बातें
वो रूह से
पर जाने क्यों लजा रहा मौसम
गुलाब का

जाने ये क्या हुआ कि हुआ
बावरा-सा मन
जादू कोई चला रहा मौसम
गुलाब का

दिन हो रहा गुलाब-सा रातें
गुलाब-सी
क्या-क्या गजब ये ढा रहा
मौसम गुलाब का

बासंती-बेला और ये
मदमस्त-सी हवा
ख़ुशबू-सा दिल पे छा रहा
मौसम गुलाब का

डॉ. सीमा विजयवर्गीय
स्वतंत्र लेखिका

जिंदगी

ज्यों ऐश-ट्रे में झड़ रही
सिगरेट और सीमित कश
हमारे वास्ते दो-चार।

शक्ल से बेशक्ल
होती जा रही उम्मीद।
कोशिशों के बाद भी
आती नहीं है नींद।

जिंदगी- ज्यों सर्र से गुजरा
कोई रॉकेट, दें न पाएं कल्पना
को हम कोई आधार।

देखकर सिग्नल हरी बत्ती
समय कम सोच।
चाहते थे क्रॉस करना सड़क
आई मोच।

जिंदगी - ज्यों सुंदरी के गले
में लॉकेट,
लूटने की नियत से देखे कोई
लाचार।

क्लर्क के तो वास्ते
पे-डेट ही त्योहार।
अल्प वेतन और
खर्चों का बड़ा अंबार।

जिंदगी- ज्यों भीड़ में हो कट
गई पॉकेट, ट्रेन चल दे और
पहचान जाए पॉकेटमार।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान'
शाहजहांपुर

लघुकथा

कैसा ज़माना

मीनू जी का कुछ ही समय पूर्व घुटनों का प्रत्यारोपण हुआ था, उन्होंने घुटनों के दर्द से तो निजात पा ली थी, मगर भारी-भारी दवाइयों का असर और खून की कमी के कारण जी हल्का रहा था।उनके मन में अवसाद सा हो रहा था , अकेलेपन से मन और भी विचिलित हो जाता है। यही सोच वह कुछ दिनों के लिए अपने बेटे-बहु के पास रहने दिल्ली चली गई। बेटे-बहु व अपने ६ वर्षीय पोते दक्ष से मिलकर उनमे फिर से खुशी की लहर दौड़ गई, जीवन में नवस्फूर्ति सी आ गई। उदासीनता का तो नामोनिशां ही न बचा। वे पोते दक्ष के खूब लाड़ लड़ाती, कभी उसके के लिए भरवा पुरिया बनाती, कभी कोई मिष्ठान। अब तो अक्सर ही उनकी रसोई से तरह-तरह के पकवानों की सुगंध आती रहती। दक्ष बड़े चाव से ये सब खाता। जब दक्ष खेल कर आता तो वह उसे मखाना खीर खिलाती, जो स्वादिष्ट होने के साथ पौष्टिक भी होती। यूं तो उनका शरीर थक जाता, परंतु बच्चे के लाड़ -प्यार के कारण उनका मन न थकता। सब कुछ हंसी-खुशी चल ही रहा था कि बहु ने एक दिन मुंह बिठका कर कहा, "मम्मी जी, इस बार तो आप आ गईं, मगर आगे से दक्ष के शेड्यूल के हिसाब से ही प्रोग्राम बनाया करें। आपके आने से तो इसका पूरा रूटीन ही बिगड़ा जा रहा है। होमवर्क व पढ़ाई का सारा टाइमटेबल बिगड़ गया है और पूरे दिन तरह-तरह के व्यंजन खाने से इसकी सेहत खराब हो रहीं हैं, इसका वजन बढ़ रहा है, ये आपके लाड़-प्यार के कारण अनुसाशनहीन होता जा है।"

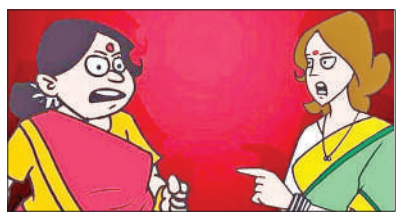

श्रुति सुकुमार
लेखिका, बरेली

यह सुनकर मीनू जी आवाक रह गईं कि यह बहू क्या कह रही है? उनको बहुत दुःख हुआ, आखों में आंसू आ गए। उन्होंने दुखी मन से बेटे कि ओर देखा , पर वह भी नजरे झुकाए बुत बनकर खड़ा रहा, जैसे सही- गलत का निर्णय ही न ले पा रहा हो, क्योंकि उसे पता था कि अगर वह अपनी पत्नी के खिलाफ कुछ भी बोलेगा तो वह क्लेश करेगी और घर कि शांति भंग हो जाएगी। मीनू जी ने अगले ही दिन वापसी का टिकट करा लिया। 4-5 दिन बाद मीनू जी को पता चला कि बहु के मम्मी-पापा उसके घर आए हैं। मीनू जी के मन में कांटा तो चुभा ही था, सो उन्होंने फोन पर ही कह दिया, "तुम्हारे मम्मी-पापा आए हैं, तो क्या दक्ष का शेड्यूल अब नहीं बिगड़ रहा?" बहु ने टप्प से जवाब दिया ," मम्मी जी, मेरे मां -पापा तो खुद ही काफी अनुशासित हैं, उनके साथ रहकर दक्ष में अनुशासन बढ़ेगा। साथ ही मेरी मां आपकी कि तरह रसोई में खड़े होकर समय नहीं जाया करती है, बल्कि वह दक्ष को रनिंग के लिए ले जाती हैं, साइकिल चलवाती हैं।" मीनू जी उसे सन्न सी सुनती रह गईं। उन्होंने सोचा आजकल कि बहुएं कितनी मुंहफट और स्वार्थी हो गईं हैं। उन्हें अपनी निजी जिंदगी के अलावा किसी से कोई लेना-देना नहीं है। रिश्तों की पदवी की तो कोई इज्जत ही नहीं रही, उसकी तो धज्जिया उड़ाई जा रहीं हैं । उन्हें रिश्तो का कोई महत्व ही नहीं रह गया है। वह सोचने लगी कि वह तो आज तक अपनी सॉस के आगे मुंह तक न खोल पायी और सदैव ही उनकी इज्जत करती रही ओह! कैसा ज़माना आ गया. "1 इस दुख भरी टीस के साथ वह अपने भगवान को याद करती हुईं,'मेरे तो कान्हा जी ही हैं', यह बुदबूदाती हुईं मंदिर की ओर जाने लगी।

सपना

गर्मियों की लंबी-लंबी रातें न जाने करवट बदलते हुए कब आंखों ही आंखों में बीत जाती है, परंतु सर्दियों के रात में जैसे ही रजाई में दुबके गहरी नींद और फिर उसके बाद सपनों का आना लाजमी है। कई बार सपने में कुछ अनचाहे लोग भी मुंह उठाए चले आते हैं और जब हम नींद से जागते हैं, तो हमें अपने आप में ही चिढ़ होने लगती है कि हम सोए ही क्यों? न हम सोते और न ही हमें अनचाहे लोगों की सूरत देखनी पड़ती और कई बार वे लोग सपने में ऐसे कांड कर जाते हैं, जो वह हकीकत में करने की हिम्मत नहीं रखते।

ममता सोनी
नई दिल्ली

ऐसे ही कल सपने में दूबे जी आ गए। हमने कुछ दिन पहले उन पर एक कविता लिख दी थी बस यही हमारा कसूर था। सपने में दुबे जी की आंखें लाल थी और वह इस कविता पर अत्यधिक क्रोधित थे। दुबे जी ने हमारा अपहरण कर लिया और एक कमरे में कैद कर दिया। उनका ऐसा खतरनाक रूप देखकर हम जैसी झांसी की रानी भी डर गई। हमें समझ नहीं आया कि अब क्या होगा। दूबे जी क्या करेंगे?

क्या हमें मार तो नहीं डालेंगे। हम मन ही मन अपनी बेबाक लेखनी पर पछताने लगे। हमने उनकी कैद से दो बार भागने की कोशिश की, तो उन्होंने हमें एक पहाड़ी इलाके के एक मकान में रख छोड़ा, जहां उनकी सखियों में से एक सखी हमारे ऊपर नजर बनाए हुए थी, लेकिन हम भी बचपन के भगोड़े थे। स्कूल और कॉलेज के चौकीदार की नजरों से बचकर सहेलियों के साथ मार्केट जाना हमारे बाएं हाथ का खेल था। हमारी कल काम आई और हम दूबे जी की कैद से छूट कर तेज भागने लगे? हालांकि उनकी सहेली हमारे पीछे दौड़ी, लेकिन हमें पकड़ न पाई। दूर जाकर एक सुनसान इलाके में हमने राहत की सांस ली और कानों को हाथ लगाया कि भविष्य में किसी भी व्यक्ति पर व्यंग्य नहीं लिखेंगे। क्योंकि सपने में आकर भी वह व्यक्ति आपकी खबर ले सकता है और कुछ पल के लिए आपके माथे पर पसीना ला सकता है।

काल विभाजन का नया प्रयोग

समीक्षा

साहित्यकार डॉ. सुशील कुमार फुल्ल की यह नवीन कृति हिमाचल के हिन्दी साहित्य इतिहास को वैज्ञानिक और व्यवस्थित दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। साहित्य की विविध विधाओं में पचहत्तर से अधिक पुस्तकों के लेखक डॉ. फुल्ल इससे पूर्व 1980 में "हिमाचल का हिन्दी साहित्य का इतिहास" प्रकाशित कर चुके हैं, किंतु यह पुस्तक अपने व्यापक फलक, नवीन काल-विभाजन और तथ्यपरक प्रस्तुति के कारण विशिष्ट स्थान रखती है। पुस्तक के आरंभ में लेखक ने साहित्य-इतिहास लेखन की प्रासंगिकता और आवश्यकता पर गंभीर विचार किया है। वे संपादित साहित्य-इतिहासों में व्याप्त कुछ कमियों की ओर संकेत करते हुए यह स्पष्ट करते हैं कि हिन्दी साहित्य के अखंड इतिहास की रचना जितनी दुष्कर है, उतना ही प्रादेशिक साहित्य इतिहास लेखन भी चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके बावजूद प्रादेशिक हिन्दी साहित्य इतिहास लेखन और प्रदेश स्तर पर केन्द्रीय पुस्तकालयों की स्थापना को वे हिन्दी साहित्य इतिहास की दिशा में मील का पत्थर मानते हैं। इस कृति की सबसे उल्लेखनीय विशेषता हिन्दी साहित्य के काल-विभाजन का नया प्रयोग है।

पुस्तक - हिमाचल का हिन्दी साहित्य का इतिहास
लेखक - डॉक्टर सुशील कुमार फुल्ल
प्रकाशक- इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन दिल्ली
मूल्य-1495 .00
समीक्षक-रविकुमार

लेखक ने साहित्य को आदिकाल (1675-1900), मध्यवर्ती काल (1900-1947), आधुनिक काल (1947-2000) और उत्तर-आधुनिक काल (2001 से आगे) में विभाजित किया है। हिमाचल के प्रथम आदिकवि के रूप में चरपट नाथ को स्वीकार करते हुए कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, आलोचना, निबंध, बाल साहित्य, व्यंग्य, जीवनी, यात्रा-वृत्तांत और संस्मरण जैसी विधाओं में रचनाकारों का विस्तृत एवं समीक्षात्मक परिचय प्रस्तुत किया गया है। इसके साथ ही हिमाचल से प्रकाशित पत्र-पत्रिकाओं का प्रामाणिक विवरण पुस्तक को संदर्भ-ग्रंथ का स्वरूप प्रदान करता है। 2023 में प्रकाशित प्रथम संस्करण में छूटे रचनाकारों को आगामी संस्करण में परिशिष्ट के रूप में शामिल करने की योजना पुस्तक की गंभीरता और लेखक के श्रम को रेखांकित करती है। दुर्लभ और प्रामाणिक जानकारियों से समृद्ध यह कृति हिन्दी साहित्य प्रेमियों, शोधार्थियों, प्रतियोगी परीक्षार्थियों और सामान्य पाठकों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं संग्रहणीय सिद्ध होती है।

व्यंग्य

बसंत, तूने बड़ो सतायो रे!

वैसे तो बसंत ऋतुओं का वह कलाकार है, जिसने हर किसी के दिल में अलग-अलग रंग भरे हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि बसंत आना जितना प्रकृति के लिए आनंददायक होता है, उतना ही कई लोगों के लिए परेशानी का भी सबब बन जाता है। तेरे आने से इंसान न केवल मौसम की रौनक का आनंद लेते हैं, बल्कि अपनी अंधी उम्मीदों और धोखों में भी डूब जाते हैं। बसंत, तूने वाकई "बड़ो सतायो रे"!

वीना सिंह
व्यंग्यकार

बसंत, तेरे चक्कर में सबसे ज्यादा कवि बेचारे परेशान रहते हैं। वे हर साल बसंत पर कविताएं लिख-लिखकर थक गए हैं, वही कोपलें फूटी, सर्दी गई, प्रेम जागा, जैसे घिसे-पिटे शब्दों का दोहराव करते-करते उनके दिमाग की चूलें हिल गई हैं। कहां से लाएं हर साल नए शब्द नए विषय। कवियों को नया कुछ सूझ नहीं रहा है, इसीलिए कविताओं का स्तर गिरता जा रहा है। पाठक वर्ग असंतुष्ट है, एक ही ढर्रे की कविताएं पढ़कर बोर हो चुका है और कवियों की कलम आगे बढ़ने का नाम नहीं ले रही है। लोगों के दिलों में प्रेम भरने में असमर्थ हो रही है। अब वे यही सोचते हैं, "अरे बसंत, तू इतना इतना क्यों आता है हर साल? एक बार तू छुट्टी ले ले, तो हम भी चैन की सांस ले लें।"

बसंत, तूने प्रेमियों को तो बहुत ही भ्रमित किया है। बसंत का नाम सुनते ही प्रेमियों का जोश कुछ अलग ही उछाल मारता है। हर पार्क, हर गार्डन में इन्हें "प्यार का मौसम" मनाना होता है। इन्हें हर जगह प्यार ही प्यार नजर आता है और यह तुम पर बहुत भरोसा करता है कि बसंत की तरह हमारा प्यार हमेशा खिला-खिला रहेगा। उन्हें लगता है कि बसंत में हमारा प्यार अमर हो जाएगा, लेकिन बसंत मन ही मन मुस्कराता है, भाई, मैं फूल खिलाने आया हूं, तुम्हारे रिश्तों की गारंटी देने नहीं। प्यार में डूबे प्रेमी बसंत की चेतावनी कहां समझ पाते हैं?

बसंत, तुझपे बागवानी प्रेमी भी बहुत झुंझलाते हैं। तेरे आते ही तरह-तरह की फालतू की हरियाली उग आती है, अब घर के बगीचे की घास काटो, फूलों को पानी दो और ऊपर से माली के खर्चे अलग झेलो। पर तुम्हें इससे क्या, तुम्हें तो बस खिलने से मतलब।

ऐ बसंत, शहर के लोगों को तो तू ताजी हवा और हरियाली का आश्वासन देता है। क्योंकि प्रदूषण की चादर में लिपटी ये ताजगी असल में नकली ही साबित होती है। शहर वालों ने तो असली ताजगी की उम्मीद ही छोड़ दी।

ऐ बसंत, ठंड पसंद करने वाले भी तुमसे खफा रहते हैं। तुम्हारे आते ही उन्हें रजाइयों से मोह छोड़ना पड़ता है। उनकी शिकायत है, "अरे बसंत, क्यों आता है, मुझे तो सर्दी ही भाती है और तुम मजे से कह देते हो कि सर्दी का मजा ले चुके हो, अब हमारी बारी है। सबसे ज्यादा तो तूने एलर्जी वालों को सताया है। फूल खिलते नहीं कि छींकने की प्रतियोगिता शुरू हो जाती है। डॉक्टर लाइन में खड़े ये सोचते हैं कि "अरे बसंत, तू क्यों हर साल हमारी नाक और आंख का खेल खराब करता है?" और तुम हो कि प्रकृति का नियम निभाने से बाज नहीं आते हो। ऐ बसंत, यह सच है कि तुम्हें देखते ही सर्दी भागने लगती है, जिससे हम महिलाओं की बहुत सी परेशानियां बढ़ जाती हैं। सर्दियों में बालों कंघी करो चाहें न करो, टोपी स्मार्ट बनाए रहती है। पैर चाहें जितने गंदे रखो, मोजे लाज बचाए रहते हैं। कपड़े चाहे गठरी से निकालकर पहने लो, ऊपर से पहना जॉकेट सब छुपाए रहता है। अब क्या-क्या गिनाएं, ऐ बसंत, तुम हम आलसी महिलाओं की आराम हर लेते हो। सबको काम पर लगा देते हो।

ऐ बसंत, राजनेता भी तुम्हारे नाम का खूब सहारा लेते हैं, हर नेता कहता है, "हम बसंत जैसा बदलाव लाएंगे।" मानों तेरे साथ कोई जादुई औषधि बह रही हो, जो कि विकास ही विकास बिखेर देगी, लेकिन चुनाव बाद जैसे तेरे फूल मुरझा जाते हैं, जनता को ठंड़ी सच्चाई का सामना करना पड़ जाता है। जनता तेरे नाम पर ठगी जाती है और तुम हो कि तपाक से कह देते हो, "अरे मुझ पर झूठे वादों का ठप्पा क्यों लगाते हो, मेरा तो आना-जाना तय है, पर तुम्हारे वादे तो हवा में उड़ते हैं।"

बसंत, किसान भी तेरे चक्कर में फंसे रहते हैं, कभी-कभी बहुत नुकसान उठाते हैं। वे कहते हैं, ऐ बसंत, तू फसल लाने का वादा तो करता है, लेकिन साथ में ओले और बारिश क्यों लाता है। खेतों में हरे-भरे अनाज को तू मिट्टी में मिला देता है। तू अच्छा करने के चक्कर में इतना बुरा क्यों कर ड़ालता है? किसान बेचारा आसमान की तरफ देखकर कहता है, बसंत आया था, तबाही देकर चला गया। बसंत, तूने सच में सबको बहुत सताया रे, लेकिन यह भी सच्चाई है कि बसंत का असली दर्द इंसानों की अनदेखी और खुदगर्जी में छुपा है। मुझे पता है कि तूने सबको सताया नहीं, बस आईना दिखाया है।

स्नेह की लचीली परिभाषा

पति-पत्नी का रिश्ता मां या पिता से कम नहीं

राहुल और प्रिया 10 साल से शादीशुदा हैं। राहुल के ऑफिस के तनाव और थकान के बीच, प्रिया चुपचाप उसके लिए चाय बनाती है, उसे सुनती है और कभी-कभी उसका पसंदीदा गाना बजा देती है। कभी वह सखी बनती है, कभी मां-सी ममता दिखाती है और कभी केवल साथी बनकर खड़ी रहती है। राहुल जानता है कि मां का स्नेह याद आता है, लेकिन प्रिया का समझदार और स्थिर साथ उसे हर दिन नई ताकत देता है। छोटी-छोटी चीजें ही बनाती हैं उनका रिश्ता गहरा, मजबूत और जीवनभर चलने वाला। अक्सर हम सोचते हैं कि पति या पत्नी में मां या पिता जैसी भूमिका ढूंढना असामान्य है, पर यह पूरी तरह स्वाभाविक है। जीवन के सफर में जरूरत के अनुसार यह तलाश होती है, पर हर समय मां या पिता जैसा लाड और सुरक्षा की उम्मीद रखना सही नहीं। स्नेह का असली स्वरूप समझ, अपनापन और साझेदारी में प्रकट होता है।

मेघा राठी
भोपाल

स्वाभाविक तलाश और संतुलन

यह स्वाभाविक है कि पति कभी-कभी अपनी पत्नी में मां की तलाश करता है। मां का स्नेह निःस्वार्थ, स्थिर और जीवनदायी होता है। बचपन में हर मुश्किल में हमारी गोद में आराम और सुरक्षा मिलती है। बड़े होते-होते समाज और परिस्थितियां हमें उस आश्रय से अलग कर देती हैं। इस दूरी का एहसास कभी-कभी पति के भीतर छोटे से खालीपन के रूप में जन्म ले लेता है, लेकिन यह खोज हर समय नहीं हो सकती। पति का अपनी पत्नी में मां तलाशना केवल जरूरत के अनुसार ही स्वाभाविक है। हर समय मां की तरह लाड़ और ममता की उम्मीद रखना न केवल असंभव है, बल्कि रिश्ते की प्राकृतिक संरचना के खिलाफ भी है। पत्नी के स्नेह की अपनी सीमाएं और भूमिकाएं होती हैं, जो समझदारी, प्रेम और अपनापन के संतुलन के साथ चलती हैं। यही संतुलन पति-पत्नी के रिश्ते को दीर्घकालीन और मजबूत बनाता है।

पत्नी का स्नेह-मां का समानांतर रूप

- पत्नी के स्नेह को केवल मां की जगह समझना अनुचित होगा, लेकिन इसमें मां के समान गुण होते हैं। वह कभी सखी बन जाती है, जो पति की उलझनों और तनाव को समझकर हल निकालती है, कभी मां-सी ममता दिखाती है, जब पति जीवन के बोझ तले थक जाता है और कभी केवल साथी बनकर उसके भीतर की अधूरी इच्छाओं को दिशा देती है।
- रिश्ते का सौंदर्य इसी लचीलेपन में है। कोई भी व्यक्ति हर समय एक ही भूमिका में स्थिर नहीं रहता। मां और पत्नी के स्नेह में अंतर केवल रूप और दिशा का है, उद्देश्य वही है-पति की भावनाओं को समझना, उसे संबल देना और उसे भीतर से स्वीकार करना।
- पत्नी अपने स्नेह के माध्यम से एक प्रकार की स्थिरता देती है, पर वह हमेशा मां की तरह निःस्वार्थ और बिना शर्त लाड़ नहीं दे सकती। उसकी भी अपनी भावनाएं और सीमाएं होती हैं। यही समझ और आदान-प्रदान, रिश्ते में सामंजस्य बनाए रखता है।

पति का स्नेह-पिता के समानांतर

स्नेह दोतरफा होता है। पति भी केवल पाने वाला नहीं होता। वह अपनी पत्नी के लिए पिता-समान स्नेह में उतर सकता है- उसे सुरक्षा, आत्मबल और स्थिरता देता है। यह स्नेह भी मां की ममता जितना ही कोमल और पवित्र होता है।
पति का स्नेह कभी मार्गदर्शक, कभी सहारा और कभी सुरक्षा का रूप लेता है। यह केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक निवेश होता है। पति और पत्नी दोनों की भावनात्मक जरूरतों का संतुलन, स्नेह के इस परिपक्व स्वरूप को बनाए रखता है।

स्नेह का असली अर्थ-समझ और साझेदारी

स्नेह का कोई एक रूप नहीं होता। यह कभी आंखों की नमी में, कभी मौन के सहारे में, कभी छोटे-छोटे कार्यों में, कभी शब्दों में छिपे धैर्य में प्रकट होता है। मां के स्नेह में निःस्वार्थ भाव होता है, जबकि पति-पत्नी के स्नेह में चेतन समझ और साझेदारी होती है। दोनों एक-दूसरे के भीतर के खालीपन को पूरी तरह नहीं भरते, लेकिन उन्हें समझते और स्वीकार करते हैं। यही समझ और सम्मान रिश्ते को गहराई और स्थायित्व प्रदान करता है। रिश्ते में कभी स्नेह देने वाला, कभी लेने वाला बनता है। कभी पति-पत्नी की भावनाओं का सहारा बनता है, तो कभी पत्नी अपने साथी की जरूरतों को समझकर संतुलन प्रदान करती है। यही साझेदारी रिश्ते को जीवित और समृद्ध बनाती है।

रिश्तों में संतुलन और भूमिका का लचीलापन

- हर रिश्ते में भूमिकाएं स्थायी नहीं होतीं। कभी पति-पत्नी सखा बन जाते हैं, कभी मां-पिता के समान ममता और सुरक्षा देते हैं, तो कभी केवल साथी बनकर खड़े रहते हैं। यही लचीलेपन रिश्ते की सुंदरता है।
- यदि हम हर समय एक ही भूमिका में रहने की उम्मीद रखें, तो वह न केवल असंभव है, बल्कि रिश्ते के लिए भी हानिकारक है। पति-पत्नी के रिश्ते में हर समय मां या पिता बनने की अपेक्षा रखना, रिश्ते को बोझिल और असंतुलित बना सकता है।
- सच्चा स्नेह बराबरी, समझ और साझा जिम्मेदारी में प्रकट होता है। यह केवल पाने या देने का नाम नहीं, बल्कि एक-दूसरे के भीतर की भावनाओं को समझने और स्वीकारने का नाम है।
- यह कहना कि पति-पत्नी का स्नेह केवल मां या पिता की भूमिका में सीमित है, अधूरा है। स्नेह का उद्देश्य साथ चलना, समझना और कभी एक-दूसरे के भीतर के खालीपन को छूना है। स्नेह केवल पाने का नहीं, बल्कि साझा करने और समझने का नाम है। जीवन के इस साझा सफर में पति-पत्नी दोनों ही एक-दूसरे की ताकत और सहारा बनते हैं। सच्चा स्नेह वही है, जो सीमाओं और भूमिकाओं को समझते हुए, हर परिस्थिति में साथ निभाए।

वेडिंग स्पेशल : खूबसूरती, फैशन और परफेक्ट ब्राइडल लुक

फरवरी का मौसम शादियों के लिए सबसे सुहावना माना जाता है। गुनगुनी ठंडी हवा, खुशनुमा माहौल और उत्सव की रौनक-सब मिलकर शादी को और भी यादगार बना देते हैं। यह मौसम चमक-दमक और शाही अंदाज दिखाने का बेहतरीन अवसर भी होता है। शादी का दिन हर लड़की के लिए बेहद खास होता है और हर दुल्हन इस दिन स्टाइलिश व खूबसूरत दिखना चाहती है। यदि आप भी सर्दियों में विवाह के बंधन में बंधने जा रही हैं और भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं, तो इसके लिए पहले से सही तैयारी जरूरी है।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

हेयर स्टाइल और ज्वेलरी

इस मौसम में शादी में हेयर स्टाइल और ज्वेलरी का चयन भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, जितना परिधान और मेकअप। ठंड के मौसम में बाल अक्सर रूखे और बेजान हो जाते हैं, इसलिए शादी से कुछ हफ्ते पहले ऑयल मसाज और हेयर स्पा जरूर कराएं। नारियल तेल में थोड़ा सा अरंडी का तेल मिलाकर सप्ताह में दो बार मालिश करने से बालों में प्राकृतिक चमक आती है। दुल्हन के लिए सॉफ्ट कर्ल्स, लो बन, साइड ब्रेड या हल्का वेवी जूड़ा सर्दियों में बेहद एलिगेंट लगता है। बालों में फ्रेश फूलों की जगह सिल्क या ड्राइड फ्लोरल एक्सेसरीज का इस्तेमाल किया जा सकता है, जो लंबे समय तक टिकती हैं।
ज्वेलरी में कुंदन, पोल्की और एंटीक गोल्ड विंटर वेडिंग के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। भारी नेकपीस के साथ कानों के झुमके संतुलित रखें ताकि लुक ओवरलोड न लगे। ठंड के कारण गर्दन और कानों पर जलन से बचने के लिए ज्वेलरी पहनने से पहले हल्की मॉइस्चराइजर लेयर लगाना फायदेमंद रहता है। सही हेयर स्टाइल और ज्वेलरी के साथ आपकी विंटर वेडिंग लुक न केवल शाही, बल्कि यादगार भी बन जाएगी।

परिधान

दुल्हन के लिए फैब्रिक का चुनाव बेहद अहम है। वेलवेट, ब्रोकैड, हैवी सिल्क, साटन और क्रेप जैसे आलीशान कपड़े शाही लुक देते हैं।

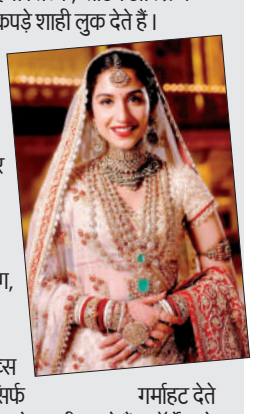

स्लीवलेस के साथ वूलन अस्तर, शॉल या जैकेट पहनकर ठंड से बचाव और स्टाइल दोनों मिल जाते हैं। ओपन फ्रंट कैप-स्टाइल लॉन्ग श्रग, कुंदन वर्क वाली ओढ़नी, फुल या फोर-फ्रॉथ स्लीव्स वाले ब्लाउज न सिर्फ गर्माहट देते हैं, बल्कि बेहद फैशनेबल भी लगते हैं। जॉर्जेट, नेट और शिफॉन जैसे हल्के कपड़ों से बचें। वेलवेट या सिल्क लहंगा, हैवी एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज और मैचिंग हैंड वार्मर सर्दियों की शादी के लिए आदर्श हैं। ड्रेस के नीचे वार्मर या शेपवियर पहनना भी उपयोगी रहता है।

त्वचा की देखभाल भी जरूरी

सर्दियों में त्वचा की विशेष देखभाल जरूरी है, क्योंकि ठंडी और शुष्क हवाएं नमी छीन लेती हैं। गुनगुने पानी से स्नान करें और एलोवेरा, विटामिन-ई युक्त गाढ़े मॉइस्चराइजर या बॉडी बटर का उपयोग करें। क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग रूटीन का पालन करें। SPF 30 सनस्क्रीन लगाना न भूलें। शहद-दही जैसे घरेलू फेस मास्क, गुलाबजल-ग्लिसरीन का उपयोग और रात में नाइट क्रीम या फेस ऑयल त्वचा को पोषण देता है। शादी से तीन महीने पहले से नियमित फेशियल कराएं, आखिरी फेशियल शादी से एक हफ्ते पहले करवाना बेहतर होता है। नए उत्पादों का प्रयोग अंतिम समय में न करें।

लिपस्टिक

सर्दियों में होंठ जल्दी सूखते हैं, इसलिए विटामिन-ई, शीया बटर और कोको बटर युक्त मॉइस्चराइजिंग लिपस्टिक चुनें। मैट की बजाय साटन या क्रीमी फिनिश बेहतर रहती है। ऑक्सब्लड, वाइन, मैरून और डीप रेड जैसे शेड्स विंटर वेडिंग में ग्लैमरस लुक देते हैं। लिप लाइनर का इस्तेमाल करें और रात में मोटी लेयर में लिप बटर लगाएं।

लाइफस्टाइल

शादी से लगभग एक महीना पहले अपनी जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाएं। हेल्दी डाइट अपनाएं- फल, सब्जियां, नींबू पानी, नारियल पानी आदि का सेवन करें ताकि शरीर हाइड्रेट रहे और टॉक्सिन्स बाहर निकलें। पानी में नींबू के टुकड़े, खीरे के स्लाइस और पुदीना डालकर दिनभर थोड़ा-थोड़ा पीना लाभकारी रहता है। तनाव से दूर रहें और सुबह-शाम योग, ध्यान व प्राणायाम करें। धूम्रपान, मदिरापान, जंक फूड और तैलीय चीजों से पूरी तरह परहेज करें। पर्याप्त नींद लें-कम से कम आठ घंटे। सर्दियों की हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे पालक, मेथी, बथुआ का जूस शरीर को डिटॉक्सीफाई करता है और ऊर्जा देता है। नट्स, बादाम और अखरोट त्वचा को पोषण देते हैं, जबकि अत्यधिक मिठाइयों से बचना बेहतर है।

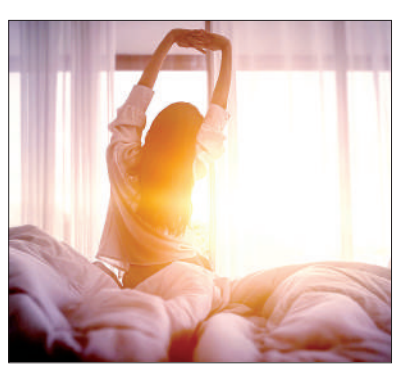

खाना खजाना

काली गाजर का हलवा

गरमागरम गाजर का हलवा सर्दियों की पहचान है, लेकिन जब इसमें काली गाजर का अनोखा स्वाद और रंग जुड़ जाए, तो यह मिठाई और भी खास बन जाती है। सर्द मौसम में रसोई से उठती घी और इलायची की खुशबू मन को सुकून देती है और काली गाजर का हलवा इस एहसास को दोगुना कर देता है। उत्तर भारत की यह पारंपरिक मिठाई लाल गाजर के हलवे जितनी ही स्वादिष्ट होती है, बल्कि अपने गहरे बैंगनी रंग और पौष्टिक गुणों के कारण अलग पहचान रखती है। सर्दियों में मिलने वाली खास काली गाजर से बना यह हलवा न सिर्फ स्वाद का खजाना है, बल्कि सेहत के लिहाज से भी बेहतरीन माना जाता है। दूध, खोया, चीनी और भरपूर घी में पककर तैयार हुआ काली गाजर का हलवा हर कौर के साथ ठंडे मौसम की मिठास और घर की गर्माहट का एहसास कराता है।

सामग्री

- काली गाजर – 1 किलो (कद्दूकस की हुई)
- दूध- 1 लीटर
- देसी घी – 3-4 टेबलस्पून
- चीनी- 150-200 ग्राम (स्वादानुसार)
- खोया – 100 ग्राम (वैकल्पिक, स्वाद बढ़ाने के लिए)
- इलायची पाउडर – टीस्पून
- काजू, बादाम, किशमिश – सजाने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले काली गाजर को धोकर छील लें। इसके बाद इन्हें कद्दूकस कर लें। एक भारी तले की कड़ाही में दूध गर्म करें, जब दूध उबलने लगे, तो उसमें कद्दूकस की हुई गाजर डालें। इसे धीमी आंच पर पकने दें और बीच-बीच में चलाते रहें, ताकि गाजर दूध को अच्छे से सोख लें। जब गाजर और दूध गाढ़ा हो जाए, तो इसमें देसी घी डालें और अच्छी तरह से भूनें। इसके बाद मावा डालकर हलवे को फिर से 5-7 मिनट तक भूनें। अब हलवे में चीनी डालें और इसे तब तक पकाएं जब तक चीनी पूरी तरह से घुल न जाए। इसके बाद कटे हुए काजू, बादाम, किशमिश और इलायची पाउडर डालें। हलवे को तब तक पकाएं जब तक इसका रंग गहरा न हो जाए और हलवा कड़ाही के किनारों को छोड़ने न लगे। गर्मागर्म हलवे को एक प्लेट में निकालें और ऊपर से मेवे डालकर सजाएं।

सुझाव :- काली गाजर का हलवा त्योहारों और खास अवसरों पर एक अनोखे मिठाई के रूप में बनाया जा सकता है। इसे ठंडा या गर्म, दोनों तरह से परोसा जा सकता है। इसे परोसते समय ऊपर से थोड़ा घी या ड्राई फ्रूट्स डालें, ताकि इसका स्वाद और भी निखर जाए। जाती हुई सर्दी में अपने परिवार और दोस्तों को काली गाजर का हलवा बनाकर जरूर खिलाएं और इस स्वादिष्ट मिठाई का आनंद लें।

न्यूज ब्रीफ

बलिया में युवक की चाकू से गोदकर हत्या

बलिया,एजेंसी। जिले के रसड़ा कोतवाली क्षेत्र में वाद विवाद के बाद शनिवार को युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक इस मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। रसड़ा कस्बे के गुरगुजपुर निवासी सत्य प्रकाश राम (30) शनिवार को अपरान्ह घर आ रहा था। तभी देशी शराब ठेके के पास तीन लोगों द्वारा वाद विवाद करते हुए चाकू गोद कर सत्य प्रकाश की हत्या कर दी गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने रसड़ा-बलिया मार्ग पर सवरा गांव के पास चक्का जाम कर दिया। पुलिस अधिकारियों के कार्रवाई के आश्वासन पर शाम सात बजे जाम समाप्त हुआ। रसड़ा क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आलोक गुप्ता ने बताया कि इस मामले में मृतक के भाई ओम प्रकाश की तहरीर पर सवरा गांव के सुंदरम सिंह, राजा सिंह और उमाकांत पांडेय के विरुद्ध सुसंगत धारा में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है।

फर्जी हस्ताक्षर के खेल में फंसे 700 छात्रों के सपने

कुशीनगर में बोर्ड परीक्षा से वंचित सैकड़ों छात्रों का भविष्य अंधकार में, बोर्ड ने आवेदन किए निरस्त

उपेन्द्र तिवारी, कुशीनगर

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा 18 फरवरी को शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षा के पहले बड़ी प्रशासनिक लापरवाही सामने आयी है जिसने एक ही झटके मे 700 बोर्ड परीक्षार्थियों का भविष्य अंधेरे में धकेल दिया है। किसी ने कल्पना नही की थी कि इन छात्रो की वर्ष भर की मेहनत, उम्मीदों की गठरी और भविष्य का भरोसा सब कुछ विद्यालय और डीआईओएस दफ्तर के जिम्मेदारो की लापरवाही की भेट चढ जायेगी। मामला पडरौना नगर के गोस्वामी तुलसीदास इंटर कालेज का है जहा विद्यालय के प्रधान लिपिक ज्ञान प्रकाश पाठक ने कथित रूप से नोडल अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर कर सात सौ परीक्षार्थियों के सपने को चूर-चूर कर दिया है। सवाल

पडरौना नगर स्थित गोस्वामी तुलसीदास इंटरमीडिएट कॉलेज।

यह है कि इतनी बड़ी अनियमितता बिना प्रशासनिक संरक्षण के कैसे संभव हुई?

यह प्रकरण में नोडल अधिकारी की भूमिका और डीआईओएस कार्यालय के जिम्मेदारो के कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खडा करती है। यदि नोडल अधिकारी के

● **गोस्वामी तुलसीदास इंटर कॉलेज का मामला**

हस्ताक्षर फर्जी किए गए तो समय रहते आपत्ति क्यों नहीं उठाई गई? आखिर 700 छात्रों की परीक्षा संबंधी प्रक्रिया में हुई गड़बड़ी पर डीआईओएस कार्यालय ने समय रहते निगरानी क्यों नहीं की? क्या विभागीय स्तर पर लापरवाही हुई या फिर मिलीभगत? यह मनबढई यदि विद्यालय और विभाग की जानकारी में हुआ है,तो फिर इनके खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई क्यो नही की जाए?

मामले की गंभीरता को देखते हुए माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश के सचिव भगवती सिंह ने संयुक्त शिक्षा निदेशक, गोरखपुर मंडल सतीश सिंह को पूरे प्रकरण की तत्काल जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिए हैं। विभागीय पत्र के अनुसार जांच टीम गठित कर दी गई है और रिपोर्ट के आधार पर सख्त कदम उठाए जाने का दावा किया जा रहा है।प्रारंभिक जांच में गोस्वामी तुलसीदास इंटर कालेज के प्रधान लिपिक ज्ञान प्रकाश पाठक पर नोडल अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर करने का मामला सामने आया है।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव द्वारा जारी पत्र के मुताबिक , पत्राचार पंजीकरण, शुल्क जमा, अर्हता सत्यापन और अनुसरण प्रमाणपत्रों की वैधता जैसे बुनियादी बिंदुओं पर समय रहते जांच और निगरानी नहीं की गयी। अंतिम तिथि बीतने के बाद खामियां सामने आईं और अब 700 छात्रों के आवेदन निरस्त कर दी गयी। शिक्षा तंत्र की यही चूक छात्रों और अभिभावकों पर भारी पड़ गई। जिन बच्चों ने साल भर तैयारी की, वे अब अनिश्चितता में हैं।जानकारों का मानना है कि यदि पंजीकरण और शुल्क समय पर जमा नहीं हुए थे, तो तत्काल आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की गई? अनुसरण प्रमाणपत्रों की वैधता की जांच पहले क्यों नहीं की गयी ? इतना ही नही अंतिम तिथि तक अपात्र छात्रों के फॉर्म स्वीकार कैसे होते रहे?यदि समय रहते नोडल स्तर पर सख्ती दिखाई जाती और डीआईओएस कार्यालय प्रभावी निगरानी करता, तो सात सौ छात्रों का भविष्य दांव पर नहीं लगता।

डीआईओएस कार्यालय की भूमिका संदिग्ध

कहना ना होगा कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पहले भी विवादों में रहा है। हाल ही में एक निजी कर्मचारी द्वारा फर्जी हस्ताक्षर और अनियमितता का मामला सामने आया था।लगातार उठते सवाल बताते हैं कि समस्या केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरी कार्यप्रणाली में है। ऐसे मे 700 छात्रों की परीक्षा प्रक्रिया में आई गड़बड़ी की जिम्मेदारी सिर्फ लिपिक पर डालकर मामले को लीपापोती नही किया जा सकता बल्कि डीआईओएस और संबंधित नोडल अधिकारी की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए।

छात्रों में आक्रोश, अभिभावकों में बढ़ी चिंता

अभिभावकों का कहना है कि गलती यदि संस्थागत है तो सजा छात्रों को क्यों? इन छात्रों ने न तो नियम तोड़े, न गलती की उनके एक वर्ष का भविष्य अधर में लटक गया। सिस्टम की लापरवाही ने उनका एक साल दांव पर लगा दिया है। अभिवावकों ने शिक्षा विभाग को जिम्मेदारों पर कार्रवाई करते हुए छात्रों के हित में समाधान निकालने की मांग की है।

पुलवामा के वीर शहीदों को किया गया नमन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिला मुख्यालय पर पुलवामा शहीद दिवस के अवसर पर डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के तत्वावधान में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2019 में हुए पुलवामा अटैक में शहीद हुए भारत माता के वीर सपूतों को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए। सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद जवानों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। एसोसिएशन के जिला मंत्री डॉ. गोविंद प्रसाद ओझा ने कहा कि पुलवामा में शहीद हुए जवानों का अदम्य साहस, वीरता और शौर्य सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले जवानों के प्रति पूरा देश कृतज्ञ है। उनका बलिदान हमें यह स्मरण कराता है कि देश की रक्षा सर्वोपरि है और इसके लिए हर नागरिक को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहना चाहिए।

चुनाव याचिका में तथ्यों का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नगर पंचायत मुदिया धुरेकी, जनपद बदायूं के निर्वाचन परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका में निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखते हुए हस्तक्षेप से इनकार करते हुए कहा कि सीपीसी के आदेश 7 नियम 11 के तहत केवल वादपत्र के कथनों को देखकर ही निर्णय किया जाता है। इस स्तर पर साक्ष्यों का विस्तृत परीक्षण या विवादित तथ्यों का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने दिनेश चंद्र भट्ट की चुनाव याचिका खारिज करते हुए पारित किया। दरअसल चुनाव याचिका में याची ने सुनील कुमार/विपक्षी के निर्वाचन परिणाम को चुनौती दी थी, इसके खिलाफ संबंधित न्यायालय के समक्ष विपक्षी ने सीपीसी के आदेश सा नियम 11 के तहत आवेदन प्रस्तुत कर चुनाव याचिका को निरस्त करने का अनुरोध किया वादपत्र में आवश्यक तथ्यों के अभाव और कारण-ए-कार्यवाही स्पष्ट रूप से स्थापित न होने का उल्लेख करते हुए याचिका खारिज कर दी थी, जिससे व्यथित होकर याची ने हाईकोर्ट में मौजूदा याचिका दाखिल की।

आईआईटी में जूनियर टेक्नीशियन ने फांसी लगाई

कानपुर, अमृत विचार। कल्याणपुर स्थित आईआईटी में जूनियर टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत युवती का शनिवार फंदे ने शव लटका मिला। टेक्नीशियन के आत्महत्या की खबर पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी है। पुलिस के अनुसार मंगेतर से बातचीत के बाद युवती ने यह कदम उठाया है। जल्द सगाई होने वाली थी। झारखंड के जादूघोड़ा निवासी राजनंदन रविदास की 26 वर्षीय पुत्री अंजू कुमारी आईआईटी में जूनियर टेक्नीशियन के पद पर तैनात है। वह तीन साल से आईआईटी में कार्यरत थीं। शनिवार सुबह जब अंजू की दोस्त उसे कार्यालय चलने के लिए बुलाने गई तो दरवाजा बंद मिला। काफी देर तक आवाज देकर व धकियाने के बाद जब कोई जवाब नहीं मिला तो उसने आईआईटी प्रशासन को खबर दी। इस पर अधिकारी मौके पर पहुंचे और कल्याणपुर पुलिस को खबर दी। दरवाजा तोड़कर पुलिस अंदर दाखिल हुई तो अंजू का शव फंदे से लटका पाया। सूचना पर एडीसीपी वेस्ट कपिल देव सिंह व फॉरेंसिक टीम पहुंची। जांच-पड़ताल के बाद पुलिस ने साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस के अनुसार आईआईटी प्रशासन से पता चला कि अंजू देर रात कार्यालय से आईआईटी कैंपस स्थित टाइप एल अपने 102 रूम में गई थीं। डीसीपी वेस्ट एसएस कासिम आबिदी ने बताया कि प्रथम दृष्टया पता चला है कि परिवार में कुछ समस्या थी। जल्द ही अंजू की सगाई होने वाली थी।

गलत इलाज से युवती को लकवा डॉक्टर समेत आठ पर केस दर्ज

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक निजी अस्पताल पर गलत इलाज और अवैध संचालन का गंभीर मामला सामने आया है। शनिवार को सीजेएम कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन, डॉक्टर और स्टाफ समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तितौवा मोहल्ला निवासी श्याम कुमार पांडेय ने आरोप लगाया कि उनकी भतीजी को पेट दर्द होने पर मुखलिसपुर रोड स्थित आशीर्वाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। यहां डॉ. सुनील कुमार प्रजापति ने इलाज किया, लेकिन 15 दिन तक भर्ती रहने के बावजूद हालत में सुधार नहीं हुआ और दवाओं के दुष्प्रभाव से युवती को पैरालिसिस हो गया। पीड़ित का आरोप है कि जानकारी मांगने पर अभद्र व्यवहार किया गया। मुख्यमंत्री पोर्टल और आरटीआई से मिली जानकारी में अस्पताल और स्टाफ का पंजीकरण नहीं पाया गया। कोतवाल जयप्रकाश दूबे ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर डॉक्टर, स्टाफ नर्स अनीता देवी सहित अन्य कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

सूचना

सूचित हो हम शपथीगण जय प्रकाश पुत्र स्व0 बैजनाथ व कृष्णावती साहू पत्नी जय प्रकाश निवासीगण–अम्बरपुर, सिकन्दरपुर पो0 व थाना बन्थरा, लखनऊ के हैं। हमारा पुत्र आकाश साहू व पुत्रवधू श्रीमती शालिनी साहू पत्नी आकाश साहू निवासीगण–अम्बरपुर, सिकन्दरपुर पो0 व थाना बन्थरा, लखनऊ हम लोगों को तरह–तरह से परेशान करते हैं और इन लोगों का चाल–चलन ठीक नहीं है। परिवार वालों के प्रति अत्यन्त खराब व्यवहार होने के कारण, तंग आकर अपने पुत्र आकाश साहू व पुत्रवधू शालिनी साहू को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहे हैं एवं समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर रहे हैं, इनके कृत्य से अब हम लोगों का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। –शपथीगण

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडर

ई–निविदा–सूचना संख्या–एन–235–62 टेली टेण्डर 01–2026

मुख्य संचार इंजीनियर, पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर एवं कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए टेण्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से ई–टेंडर आमंत्रित करते हैं। **निविदा सूचना सं.** : एन–235–62 टेली टेण्डर 01–2026; **कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर डिवीजनों के विभिन्न स्टेशनों और मुख्यालय नियंत्रण कक्ष में एकीकृत संचार बैकबोन और वीओआईपी आधारित नियंत्रण संचार प्रणाली के लिए आईपी–एमपीएलएस आधारित नेटवर्क तथा सम्बंधित लैन अवसंरचना का प्रावधान, साथ ही डिवीजनल कंट्रोल टेस्ट रूम और मुख्यालय नियंत्रण कक्ष में टीसीपी–आईपी आधारित अग्निशमन प्रणाली का प्रावधान। गोरखपुर मुख्यालय में मौजूदा एसआईपी आधारित आई पी एक्सचेंज के लिए एफएक्सएस मीडिया गेटवे तथा सम्बंधित लैन और ओएफसी अवसंरचना का प्रावधान। **निविदा लागत(₹):** ₹71,99,98,327.89 (इकहत्तर करोड़ निन्यानवे लाख अट्ठानवे हजार तीन सौ सत्ताईस रुपये और नब्बासी पैसे मात्र) **बिड सिक्यूरिटी (बयाना धनराशि):** ₹37,50,000/-; **ऑफर की वैधता:** 90 दिन; **निविदा खोलने एवं बंद होने का स्थान, तिथि तथा समय:** कार्यालय मण्डल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजी/टेली, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर, दिनांक 02.04.2026, समय 15:00 बजे। **कार्य के पूर्ण करने की अवधि:** 12 (बारह) माह। मूल निविदा में किसी तरह के परिवर्तन के लिए कृपया इन्टरनेट वेबसाइट पर जारी शुद्धि पत्र का अवलोकन करें। विस्तृत निविदा सूचना, निविदा प्रपत्र योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। **नोट:** निविदादाता/बिडर को अपने बिड के साथ सभी निर्दिष्ट संलग्नों/फॉर्मेट/ अनुलग्नक को अपलोड करना होगा।

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/मुख्यालय, गोरखपुर

मुजाधि/सिग्नल–104

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है – **ई-निविदा संख्या : NER-LJN-2026-32, कार्य का नाम :** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडलः– लखनऊ स्टेशन और गोरखपुर स्टेशन के दोनों तरफ के यार्ड एरिया से 12 महीने के लिए रैग पिकिंग का काम और रैग्स का डिस्पोजल, **अनुमानित लागत :** रु. 74,03,387.52, **अग्रिम धन :** रु. 1,48,100.00, **समापन अवधि :** 12 माह। **1.** उपरोक्त ई-निविदा संख्या **NER-LJN-2026-32** के लिए ई-निविदा दिनांक **06.03.2026** को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। **2.** उपरोक्त ई-निविदा से संबंधित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धिपत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ

मुजाधि/डब्ल्यू-463

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

होली पर विशेष रेलगाड़ियों का किया जाएगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा को देखते हुए आगामी होली पर्व पर यात्रियों की मांग पर 04060/04059 नई दिल्ली-सुपौल-नई दिल्ली वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन नई दिल्ली से 20 फरवरी से 06 मार्च तक तथा सुपौल से 22 फरवरी से 08 मार्च तक 15 फेरों के लिये प्रतिदिन किया जायेगा। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, साधारण द्वितीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे।

इसके अलावा 04010/04009 दिल्ली-सीतामढ़ी-दिल्ली वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन दिल्ली से 26 फरवरी एवं 05 मार्च को तथा सीतामढ़ी से 27 फरवरी एवं 06 मार्च को 02 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, जनरेटर सह लगेजयान का 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे।

वहीं रेलवे प्रशासन द्वारा गोरखपुर जं. स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण पूर्व में निरस्त, शार्ट टर्मिनेट/शार्ट ओरिजिनेट की गई गाड़ियों के निरस्तीकरण, शॉर्ट टर्मिनेशन/शॉर्ट ओरिजिनेशन की अवधि को 30 मार्च तक बढ़ा दिया गया है।

267 जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाह

सिद्धार्थनगर अमृत विचार। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का आयोजन जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सामूहिक विवाह का कार्यक्रम जिला जेल के सामने मैदान में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत कुल 358 जोड़ो में से 267 जोड़े सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपस्थित हुये। हिन्दू समुदाय के 195 जोड़ों, बौद्ध धर्म के 55 तथा मुस्लिम समुदाय के 17 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें हिन्दू, बौद्ध एवं मुस्लिम समुदाय के लोग सम्मिलित हुए। इस विवाह कार्यक्रम में हिन्दू परिवार के लोगो को पंडित द्वारा विवाह सम्पन्न कराया गया तथा मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा निकाह पढ़कर शादी/विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया तथा बौद्ध धर्म का उनके धर्मानुसार विवाह कराया गया। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विकास खण्ड नौगढ़, वर्डपुर, उस्का बाजार, लोटन, जोगिया, शोहरतगढ़ एवं बढ़नी तथा नगरीय क्षेत्र नौगढ़, उसका बाजार, कपिलवस्तु, शोहरतगढ़ एवं बढ़नी के जोड़े शामिल हुये। अतिथियों ने नवदंपति जोड़ों को सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मौजूद नवविवाहित दंपति। अमृत विचार

मनरेगा को खत्म करने की साजिश कर रही सरकार : सुहेल

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। 20 वर्ष पहले यूपीए की सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम को लागू कर संविधान में निहित काम के अधिकार को साकार किया था। ग्राम पंचायत को गांव स्तर की परियोजनाओं पर निर्णय लेने का अधिकार देकर पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत किया गया था। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने शनिवार को डुमरियागंज में पत्रकार वार्ता के दौरान कहीं। वार्ता के दौरान जिला उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष रियाज मनिहार भी उपस्थित थे। कहा कि कोविड-19 महामारी जैसे संकटों के दौरान यह ग्रामीण भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा साबित हुई।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

महाशिवरात्रि पर ट्रेनों में जगह नहीं

वाराणसी, अमृत विचार। महाशिवरात्रि पर बाबा के दरबार तक पहुंचने की राह श्रद्धालुओं के लिए कठिन हो गई है। काशी से उज्जैन, देवघर जाने वाली ट्रेनों के किसी श्रेणी में जगह नहीं है। दिल्ली, बिहार, लखनऊ, गोरखपुर से बनारस आने वाली ट्रेनों में अधिकांश में सीटें नहीं हैं। वाराणसी और बनारस रेलवे स्टेशन पर शनिवार से सोमवार तक हर दिन दो लाख लोगों के आने का अनुमान है।

यात्रियों की सुविधा के लिए जगह-जगह आरपीएफ जवान के साथ ही रेलवे कर्मचारी तैनात रहेंगे। रविवार को महाशिवरात्रि है। इस दिन बाबा का जलाभिषेक करने बहुत से लोग उज्जैन, देवघर सहित अन्य शिवालयों पर परिवार के साथ जाते हैं। स्थिति यह है कि वाराणसी से उज्जैन जाने वाली गोरखपुर अहमदाबाद एक्सप्रेस में 14 फरवरी को किसी भी श्रेणी में कोई सीट नहीं है जबकि स्लीपर, थर्ड एसी में 15 से 20 फरवरी तक रिग्रेट यानी जगह नहीं बची है। जबकि एसी प्रथम, द्वितीय श्रेणी में वेटिंग लिस्ट 10 से 15 है। गोरखपुर से वाराणसी आने वाली 12166 एलटीटी एक्सप्रेस में स्लीपर की वेटिंग 150 से अधिक हो गई है जबकि एसी में 20 वेटिंग है। 15004 चौरीचौरा एक्सप्रेस में 14-15 फरवरी को स्लीपर में कोई जगह नहीं है, बाकी श्रेणी में वेटिंग लिस्ट लंबी है। बिहार के डेहरी आन सोन, सासाराम, भभुआ से आने वाली 13151 कोलकाता जम्मूतवी एक्सप्रेस में 14 से 18 फरवरी तक कोई जगह नहीं है। 13009 दून एक्सप्रेस में सीट नहीं बची है। हालांकि वाराणसी से देवघर जाने के लिए 14 फरवरी को कोई सीधी ट्रेन नहीं है।

संसदीय मर्यादा लांघ रहे राहुल : जगदंबिका पाल

संतकबीरनगर। सांसद डुमरियागंज जगदंबिका पाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर संसदीय परंपराओं के उल्लंघन का आरोप लगाया है। कहा कि राहुल गांधी सदन में अमर्यादित आचरण कर रहे हैं और अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग करते हुए संसदीय मर्यादाओं को लगातार ठेस पहुंचा रहे हैं। सांसद यहां शहर के बड़गो स्थित एक निजी अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 09.03.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुयल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	00192026 दिनांक 13.02.2026
2	निविदा संख्या	37-SrDEN-I-LKO-2025-26
3	कार्य का नाम	सहायक मण्डल इंजीनियर/वर्कशॉप/लखनऊ के अधीन वरि. खण्ड अभियन्ता/कार्य/वर्कशॉप के खण्ड में कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप/आलमबाग एवं आलमबाग स्टोर में विभिन्न दुकानों में दीवारों फर्शों दरवाजों और खिड़कियों की भारी मरम्मत और नवीनीकरण कार्य के साथ ही दैनिक रखरखाव कार्य।
4	अनुमानित लागत	Rs. 12567385.78
5	धरोहर राशि	Rs. 212800.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छः माह।
7	निविदा डालने की प्रारंभ तिथि	23.02.2026
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	09.03.2026 को 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट : निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 496/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

फर्जी अधिकारी बन लाखों की ठगी

बाराबंकी, अमृत विचार : खुद को प्रदेश सरकार में विशेष सचिव व सीनियर पीसीएस अधिकारी बताकर योजना में निवेश के नाम पर एक व्यक्ति से 48 लाख रुपये ठग लिए गए। पीड़ित पुलिस के पास गया। वहां सुनवाई न होने पर उसने कोर्ट का सहारा लिया। आवास विकास कालोनी निवासी उत्कर्ष वर्मा ने कोर्ट को बताया कि दो वर्ष पूर्व उनकी मुलाकात लखनऊ निवासी सूर्य प्रकाश सैनी से वैवाहिक समारोह में हुई। सैनी ने स्वयं को प्रदेश में विशेष सचिव बताया। आरोप है कि सूर्य प्रकाश ने विकास भवन रोड स्थित 5000 वर्गफीट के प्लॉट पर मार्केट निर्माण की योजना बताकर उसमें 4500 वर्गफीट का हॉल जिम के लिए देने का प्रस्ताव रखा। इसके लिए पहले निवेश करने को कहा गया। विश्वास दिलाने के लिए वह उसे और अन्य लोगों को अपनी कथित सरकारी कार से सचिवालय ले गया और वहां पूरी प्रक्रिया समझाई। उसने अपने तथा अन्य साथियों से धन एकत्र कर आरटीजीएस, जीपीए और नकद के माध्यम से करीब 28,60,600 रुपये बैंक खाते से और लगभग 20 लाख रुपये नकद दो वर्षों में आरोपी को दिए। नकद राशि लेने के लिए आरोपी अपनी कार से बाराबंकी आता था। समय बीतने के बाद न तो कोई निर्माण कार्य शुरू हुआ और न ही रजिस्ट्री की गई। आरोप है कि जब उसने संपर्क करना चाहा तो आरोपी ने फोन उठाना बंद कर दिया। बाद में जानकारी मिली कि आरोपी के विरुद्ध गौतम पल्ली थाना में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज है और वह गिरफ्तार भी हो चुका है।

भागवत कथा की पुस्तक देने गए मामा-भांजे को ट्रक ने रौंदा, मौत

बलरामपुर, अमृत विचार : पिता को श्रीमद्भागवत कथा की पुस्तक देने गए मामा और उसके भांजे को शुक्रवार देर रात अज्ञात ट्रक ने रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा देवलहा गांव के सामने हुआ, जिसमें नगर के खलवा मुहल्ला निवासी मामा 40 वर्षीय सुनील मणि त्रिपाठी और 35 वर्षीय भांजे नितिन कुमार पांडेय की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस वाहन की तलाश में जुटी है। खलवा मुहल्ला निवासी गोवर्धन दास महाराज उर्फ देवमणि त्रिपाठी गौरा चौराहा क्षेत्र के देवलहा निवासी संभर सिंह भदौरिया के यहां श्रीमद्भागवत कथा का प्रवचन करने गए थे। एक पुस्तक घर पर छूट जाने पर उन्होंने फोन कर अपने बेटे सुनील मणि त्रिपाठी से मंगाई। पुस्तक देने के लिए सुनील अपने भांजे नितिन पांडेय के साथ देवलहा पहुंचे। दोनों पुस्तक सौंपने के बाद पैदल लौट रहे थे और बलरामपुर जाने के लिए सड़क किनारे वाहन का इंतजार कर रहे थे, तभी अज्ञात ट्रक ने दोनों को कुचल दिया। ग्रामीणों के अनुसार घटना के समय मार्ग से दो ट्रक गुजरे थे, आशंका है कि इन्हीं में से किसी एक ने हादसा किया।

मृतक सुनीलमणि और नितिन की फाइल फोटो।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई– निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम	मॉडिफिकेशन ऑफ एयर ब्रेक पाइप्स इन एलएचबी कोचेस ऐट कैरिज वर्कशॉप, आलमबाग ।
2	कार्यस्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ
3	अनुमानित लागत	रु० 1,50,07,249.44 मात्र।
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य।
5	बिड सिक्युरिटी	रु० 2,25,000/– मात्र।
6	कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 वर्ष।
7	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनाँक– 06.03.2026 समय 15:00 बजे तक।
8	प्रमाणपत्र	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/ Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure-A(a) (यदि Partnership/ HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।
9	खुलने का समय	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा । निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है ।
10	कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट– www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
11	वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है।	

सं. 2026–ए.एम.वी.–सी एंड डब्लू ईनिविदा–10 दिनांक: 12.02.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 505/26

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD EKHALAK से बदलकर MOHAMMAD AKHLAQUE रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0- MOHAMMAD AFJAL ADD-220 ASAHI AZAMPUR PS-KASIMPUR, DIST-HARDOI-241305 (U.P.)

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मै **प्रदीप कुमार पुत्र गया प्रसाद वर्मा नि0 ग्राम देवमनपुर पोस्ट गोसवा तहसील बिलग्राम जिला हरदोई,** यह कि पुत्री प्रियांशी वर्मा उर्फ भूमिका वर्मा दोनो नाम मेरी पुत्री के ही है। भविष्य मे भी मेरी पुत्री को दोनो नामो से ही जाना पहचाना जाएगा।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड नंबर 659147815695 में जन्मतिथि 4/06/1997 भूल बस अंकित हो गई है जबकि उत्तर प्रदेश संस्कृत शिक्षा परिषद बोर्ड आफ सेकेंडरी संस्कृत एजुकेशन लखनऊ वर्ष 2014 के मूल प्रमाण पत्र में 9/05/1996 सही अंकित है मूल प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि सही और सत्य है इसी को पढ़ा और लिखा जाए। **संगीता देवी पत्नी मंगल प्रसाद निवासी पराको राजापुर चित्रकूट**

सूचना

पहले मेरा नाम TAHIR MAHMOOD था अब मैने बदलकर अपना नाम MAHMOOD KHAN रख लिया है भविष्य में मुझे MAHMOOD KHAN के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- MOHAMMAD SALEEM MAMMON R/O- MOHAN ROAD KHUSHALGANJ KAKORI, LUCKNOW

सूचना

मैं MOHAMMAD JAVED RAZA पुत्र श्री YAR MOHAMMAD, निवासी ग्राम–गिरधारी पुरवा, पो0 व थाना–वजीरगंज, गोण्डा, उ0प्र0, सबको सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर MO JAVED RAJA रख लिया है, अतः आज से मुझे MO JAVED RAJA S/O YAR MOHAMMAD के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

सूचना

मैंने अपना नाम HARJASS SINGH से बदल कर HARJOT SINGH रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। C/O: KULWINDER SINGH R/O:E-34 SECTOR C1 LDA COLONY KANPUR ROAD LUCKNOW UTTAR PRADESH 226018

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं निदा कौसर, पुत्री सिराजुद्दीन, निवासी अहमदाबाद, गुजरात , मेरे आधार कार्ड में नाम निदा कौसर है, जबकि एल.आई.सी. पॉलिसी संख्या 215022118 में नाम शगुफ्ता कुरैशी अंकित है। यह स्पष्ट किया जाता है कि दोनों नाम एक ही महिला के हैं। दिनांक: 12/02/2026

भवदीया

निदा कौसर

सूचना

मेरे आधारकार्ड संख्या में मेरा नाम अवंतिकावेन पटेल दर्ज है वहीं मेरे पासपोर्ट संख्या P4372349 में मेरा नाम त्रुटिवश अंवतिकाबेन कल्पेश पटेल दर्ज हो गया है जोकि गलत है अतः मेरा नाम अवंतिकाबेन पटेल दर्ज किया जाया। **अवंतिकाबेन पटेल पत्नी कल्पेश पटेल निवासी मकान संख्या–15 इलाहाबाद बैंक रोड रेलवे गंज जिला हरदोई।**

सूचना

मेरे आधारकार्ड में मेरा नाम कल्पेश पटेल दर्ज है वहीं मेरे पासपोर्ट संख्या P4372306 में मेरा नाम त्रुटिवश कलेश राजेंद्रभाई पटेल दर्ज हो गया है जोकि गलत है। अतः मेरा नाम कल्पेश पटेल दर्ज किया जाए। **कलेश पटेल पुत्र राजेंद्र भाई पटेल निवासी मकान संख्या 15 इलाहाबाद बैंक रोड रेलवेगंज जिला हरदोई।**

अमृत विचार

रविवार, 15 फरवरी 2026

'तुलसी' काया खेत है,
मनसा भयौ किसान।
पाप-पुन्य दोउ बीज हैं,
बुवै सो लुनै निदान॥

गोस्वामी तुलसी दास कहते हैं कि शरीर खेत के समान है और मन मानो किसान है, जिसमें यह किसान पाप और पुण्य रूपी दो प्रकार के बीजों को बोता है। जैसे बीज बोएगा वैसे ही इसे अंत में फल काटने को मिलेंगे।

शिव सभी कालों में हैं और काल के परे भी

हम भारत के लोग देवों को भी धरती पर बुलाते रहते हैं। ईश्वर भी धर्म संस्थापना के लिए अवतार लेते हैं। भारत देवभूमि है। भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। जहां-जहां आभा, प्रभा, सुभा और दिव्यता वहां-वहां देवता। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। भारत के कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। वे इसी क्षेत्र को शिव उपासना का मूल केंद्र बताने की गल्ती करते हैं। मार्क्सवादी चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेश (पृष्ठ 679) में लिखा है, 'वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ।'

शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर ने शर शैय्या पर लेटे भीष्म से तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, 'शिवगुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। ब्रह्मा, विष्णु और इंद्र के सृष्टा हैं। वे प्रकृति से परे और पुरुष से विलक्षण हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता। फिर अर्जुन से कहा, 'रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत् को व्याप्त किया है।' संप्रति महाशिवरात्रि उत्सवों में भारत सहित एशिया के बड़े भूभाग में बम भोले की बम-बम है।

शिव भोले शंकर हैं, औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। गण देवता गणेश स्वाभाविक ही उनके पुत्र हैं। सत्य आराध्य है, लेकिन शिव सत्य आनंददाता हैं। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव अखिल ब्रह्म की ऊर्जा हैं। इस ऊर्जा प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने बहुत भड़काया 'पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गईं। आपका सुंदर हाथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?' शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा, "संसार के सारे रूप शिव के ही हैं- विश्वकूर्तेखाधार्यते वपु।"

> ऋग्वेद वाले रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है, लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त-मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकर्ता। श्रीकृष्ण के पास बांसुरी तो शिव के पास डमरू। बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे, तो डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकार हो जाते हैं, लेकिन यही रूद्र शिव हैं। ऋग्वेद में 'जो रूद्र है, वही शिव भी है।' त्रिशूल उनका हथियार।

शिव ही सभी रूपों में प्रकट होकर रूप-रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में जब-तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले, "अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः।" मन करता है कि प्रश्न पूछूं शिव से- महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन अपना प्रश्न वापस भी लेता हूं। शिव तप का पुरस्कार भी तो देते हैं। तप प्रभाव में वे स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

सुनता आया हूं कि शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चंद्र हैं। वैदिक ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं, वनस्पतियां-औषधियां उगती हैं। खिलती हैं। खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। सोमवार को शिव आराधन का मुहूर्त जाना गया है। ठीक भी है। हमारे समाज में भी प्रतिष्ठित लोग सप्ताह में एक दिन खुलकर मिलते हैं, बाकी दिन व्यस्त रहते हैं। शिवभक्तों को सोमवार और शिवरात्रि प्रीतिकर है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। नहीं जानता सच। काशी बहुत जाता हूं, लेकिन मंदिर दर्शन बहुत पहले एक बार ही हुआ। मैंने समूची काशी में शिव चैतन्य पाया है। मैं कर्मकांडी हूं नहीं। योग, तप से परिचित नहीं, लेकिन भारत के मन के साथ मन मिलाते हुए देवों के देव महादेव को नमस्कार करता हूं।

शिव सभी कालों में हैं। काल के परे भी हैं, लेकिन भारत के मन में वे पार्वती के साथ हैं। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागीं। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दांई आंख में ही काजल लगाया था, वह बांई आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती शिव जगत् के माता-पिता हैं। विवाह के बाद सभी देवों ने शुभकामनाएं दीं।

कालिदास जैसे प्रत्यक्षदशा बराती थे- शिव बारात के। उनकी अनुभूति में भारत का मन-दर्पण प्रकट हुआ है। सूरदास भी श्रीकृष्ण की बरात में गाना चाहते थे- सूरदास होई कुटिल बराती गीत सुमंगल गइहौं। अजब अंतर्विरोध, सुमंगल गीत, लेकिन कुटिल बराती। हम शिव भक्त कांवड़ियों को दूर से ही देखते आए हैं। हम भी शिवार्चन उत्सवों में कुटिल आस्तिक की तरह दूर से सम्मिलित होते रहे हैं। मन को वात्सल्य रस देने वाली सई नदी हमारे गांव के पास ही शिव सीढ़ी का जलाभिषेक करती है। यहां भवरेश्वर शिव मंदिर में शिवरात्रि और सावन के सोमवारों में लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। लोकमन हर-हर महादेव हो जाता है।

भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के संवाद से भरा-पूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया, लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है, लेकिन शिव सब जानते थे। वे प्रतिपल यत्र-तत्र-सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कंठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी है, लेकिन चंद्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। सोम और चंद्र पर्यायवाची हैं। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दांया नेत्र है और बांया चंद्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं।

सूर्य की अपनी प्रिय राशि सिंह है। चंद्र की कर्क है। सूर्य इस यात्रा में कर्क से सिंह क्षेत्र में पहुंचते हैं। तब शिवार्चन की शुभ मुहुर्त बनती है। ऐसी संक्रांति सावन मास में पड़ती है। सो शिव को सावन प्रिय है। श्रीकृष्ण को बसंत ऋतु प्रिय है और मार्गशीर्ष-अगहन का मास, लेकिन शिव की बात निराली है। ऋतुराज बसंत में पृथ्वी और वायु का चरम आनंद है। बसंत हहराता है तब क्षिति, जल, पावक और गगन समीर भी मधुरसा हो जाते हैं। शिवरात्रि आती है। वायु सुकुमार लज्जाशील नायिका की तरह बहती है।

मनुष्य सुगंध प्रिय है। ऋग्वेद वाले रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है, लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकर्त्ता। श्रीकृष्ण के पास बांसुरी तो शिव के पास डमरू। बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे, तो डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकार हो जाते हैं, लेकिन यही रूद्र शिव हैं। ऋग्वेद में 'जो रूद्र है, वही शिव भी है।' त्रिशूल उनका हथियार।

सोंचता हूं कि ये तीन शूल क्या हैं? ये दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट तो नहीं हैं? या भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुख हारी हैं- त्रिशूल धारक जो हैं, लेकिन सोंचने से मन नहीं भरता। मन यहां, वहां, जहां, तहां भागता ही है। राजनीति में हूं सो मंच, माला, माइक का त्रिशूल भीतर बहुत गहरे तक धंसा हुआ है। कह सकता हूं कि मैं भी त्रिशूलधारी हूं। सोम सामने है, भीतर ओम है। सोम ओम की यारी पुरानी है, लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहीं। ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था- न्यम्बक रूद्र को- हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो।'

बांग्लादेश में कट्टरपंथियों की हार से सुधरेगा रिश्ता

बांग्लादेश के आम चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने प्रचंड जीत दर्ज कर ली है। बांग्लादेश की जनता से कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटीजन पार्टी को करारी हार मिली है। बांग्लादेश की सत्ता बीएनपी के हाथों में जाना भारत के लिए राहत की बात है, क्योंकि पार्टी मुखिया तारिक रहमान ने चुनावी सभाओं में भारत से रिश्ते सुधारने के न सिर्फ संकेत दिए बल्कि उनके बयानों में भी भारत के लिए कभी कड़वापन नहीं दिखा। तारिक रहमान की मां एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने भारत से रिश्ते सुधारने की कभी पहल नहीं की, लेकिन जब वह बीमार हुईं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इलाज में सहयोग की पहल की और निधन पर विदेश मंत्री को भी वहां भेजा। यह रिश्तों में जमीं बर्फ को पिघलाने वाली पहल मानी गई। बीएनपी की जीत पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा फोन कर तारिक रहमान को बधाई देना और भविष्य में पूर्व की भांति ही सहयोग देने के आश्वासन को बड़ी कूटनीतिक पहल माना जा रहा है।

अमित नारायण
राजनीतिक विश्लेषक

बांग्लादेश की जनता ने बीएनपी को बहुमत देकर बता दिया है कि वह कट्टरपंथ को पसंद नहीं करती। बीएनपी का पाकिस्तान और चीन के प्रति लचीला रुख रहा है, लेकिन भारत के विरुद्ध बहुत कटुता वाला भी नहीं रहा है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि भारत से पुरानी कड़वाहट को भूलकर तारिक रहमान दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे। वह ऐसी गलती नहीं करेंगे, जो मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने की।

> बांग्लादेश की जनता ने कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटीजन पार्टी को नकार दिया है। बांग्लादेश की सत्ता बीएनपी के हाथों में जाना भारत के लिए बड़ी राहत की बात है। बीएनपी मुखिया तारिक रहमान ने भी भारत से रिश्ते सुधारने के संकेत दिए हैं।

प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए आंदोलन करने वाले छात्रों ने भारत विरोध का रुख अख्तियार कर रखा था। उन्हें जमात-ए-इस्लामी का पूर्ण समर्थन भी था। हिंदुओं पर हुए अत्याचार में इसी कट्टरपंथी गैंग का हाथ है। उनकी कट्टरता और भारत व हिंदू विरोधी सोच के कारण ही वहां हिंसा भड़की और एक दर्जन से अधिक हिंदुओं की हत्या हुई। जमात-ए-इस्लामी सदैव वहां इस्लामिक शासन की मांग करती रही है। पाकिस्तान के आतंकी समूहों को भी उसका समर्थन रहा है। ऐसे में अगर जमात और छात्र नेताओं के नेतृत्व वाली पार्टी सत्ता में आती है, तो भारत की मुश्किलें कम होने के बजाय बढ़ जातीं। फिर तो वहां न सिर्फ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के पांव पूरी तरह से जम जाते, बल्कि आतंकी समूहों का बोलबाला भी होता।

प्रधानमंत्री मोदी की पहल के बाद अब यह माना जा रहा है कि तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में केंद्र सरकार का कोई मंत्री जरूर हिस्सा लेगा। इसी माह होने वाली एआई समिट में शामिल होने के लिए तारिक रहमान को निमंत्रण दिया जा सकता है। वैसे कुछ राजनीतिक विश्लेषक यह कह रहे हैं कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर तारिक रहमान से भारत के रिश्ते खराब हो सकते हैं, लेकिन कई विश्लेषकों का यह कहना है कि 20 साल बाद सत्ता में वापसी कर रही बीएनपी कड़वाहट वाले मुद्दों को भूलकर भारत से रिश्ते मजबूत करना चाहेगी, क्योंकि इसमें ही उसका भला है।

समाज बेटियों को नियंत्रित करता है

'सुरक्षा' एक ऐसा शब्द है, जिसे सुनते ही मन में भरोसे और संरक्षण की छवि उभरती है। यही शब्द माता-पिता की सबसे बड़ी ढाल माना जाता है और यही समाज की सबसे बड़ी दलील भी, लेकिन जब यह शब्द बेटी की आज़ादी छीनने का माध्यम बन जाए, तब इसका अर्थ बदल जाता है। तब सुरक्षा एक ऐसा ताला बन जाती है, जो बेटी के सपनों, इच्छाओं और आत्मसम्मान पर जड़ दिया जाता है। यह ताला दिखाई नहीं देता, पर इसका बोझ हर सांस के साथ महसूस होता है। बेटी को बताया जाता है कि यह सब उसके भले के लिए है, जबकि असल में यह उसके अस्तित्व पर नियंत्रण की प्रक्रिया होती है।

भारतीय समाज में बेटी को आज भी एक स्वतंत्र व्यक्ति के बजाय परिवार की प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है। उसकी चाल, पहनावा, दोस्ती और निर्णय- सब पर निगाह रखी जाती है। जैसे ही बेटी अपने जीवन के फैसले खुद लेने की बात करती है, 'सुरक्षा' का तर्क सामने खड़ा कर दिया जाता है। प्रेम, विवाह, शिक्षा या करियर- हर क्षेत्र में उसकी आज़ादी सीमित कर दी जाती है। यह सीमाएं परिवार द्वारा खींची जाती हैं और समाज द्वारा स्वीकार कर ली जाती हैं। यही स्वीकृति इस समस्या को और गहरा बनाती है।

कृति जैन
लेखिका

इस तथाकथित सुरक्षा का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि इसे प्रेम का रूप देकर प्रस्तुत किया जाता है। माता-पिता कहते हैं कि दुनिया बहुत खराब है, इसलिए बेटी को घर में रखना ज़रूरी है, लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया केवल बेटी के लिए ही खराब है? बेटे भी उसी दुनिया में रहते हैं, वही रास्ते तय करते हैं, वही जोखिम उठाते हैं। फर्क सिर्फ़ इतना है कि बेटी को कमजोर और असहाय मान लिया जाता है और यही मान्यता उसकी आज़ादी की सबसे बड़ी दुश्मन बन जाती है।

यह कैद केवल दरवाज़े बंद करने तक सीमित नहीं होती। यह सोच, भावनाओं और निर्णयों पर भी पहरा बिठा देती है। बेटी से बार-बार कहा जाता है कि वह समझदार बने, समाज की बात माने, परिवार की इज़्ज़त रखे। धीरे-धीरे वह अपने मन की बात कहना छोड़ देती है। सवाल पूछना, विरोध करना या अपनी इच्छा जताना उसे अपराध जैसा लगने लगता है। यह मानसिक कैद शारीरिक कैद से कहीं अधिक खतरनाक होती है, क्योंकि इसमें सलाखें दिखाई नहीं देतीं, लेकिन रास्ते पूरी तरह बंद हो जाते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या परंपरा और जाति की कठोर दीवारों से और भी मज़बूत हो जाती है। प्रेम विवाह या अंतरजातीय संबंधों के मामलों में बेटियों को घर में बंद कर देना, मोबाइल छीन लेना या बाहर निकलने से रोक देना, वहां सामान्य व्यवहार माना जाता है। कई बार यह कैद महीनों नहीं, बल्कि वर्षों तक चलती है। शहरों में इसका रूप थोड़ा बदला हुआ दिखता है, लेकिन सार वही है। यहां बेटी को 'आधुनिक सुरक्षा' के नाम पर निरंतर निगरानी में रखा जाता है-लोकेशन ट्रैकिंग, समय की सख्त पाबंदी और हर निर्णय पर सवाल। फर्क सिर्फ़ दिखावे का है, सोच वही पुरानी है।

ऑप्टिकल माइक्रो चिप में चीन की बढ़त

सबसे एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक चिप्स तक चीन की पहुंच को सीमित करने और उन्हें बनाने के लिए ज़रूरी उपकरणों पर प्रतिबंध लगाने की अमेरिकी नीतियों के बाद चीन में ऑप्टिकल कंप्यूटिंग को अपनाने में तेज़ी आई है। ऐसी चिप क्वांटम कम्प्यूटिंग की नींव होती है। ऐसे चिप्स बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल को प्रशिक्षित करके इसकी मेधा को बढ़ाने और इसे काम पर लगाने के लिए ज़रूरी हैं। चीन शांगहाई में फु दां यूनिवर्सिटी के मटीरियल साइंटिस्ट ज़ेंग गुआंग चेंग कहते हैं कि अमेरिकन और उसके दोस्तों के प्रतिबंधों ने चीन को हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के लिए वैकल्पिक रास्ते खोजने के लिए और ज़्यादा प्रेरित किया है। वह कहते हैं कि चीन की 14वीं पंचवर्षीय योजना में फोटोनिक्स का ज़िक्र है, साथ ही क्वांटम कंप्यूटिंग प्रोजेक्ट्स का भी। चीन की सरकार ने इसके लिए लगातार बहुत ऊंचे स्तर का निवेश किया है।

> सबसे एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक चिप्स तक चीन की पहुंच सीमित करने की अमेरिकी नीतियों के बाद चीन में ऑप्टिकल कंप्यूटिंग को अपनाने में तेजी आई है। ऐसी चिप क्वांटम कम्प्यूटिंग की नींव होती है। ऐसे चिप्स बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल की मेधा बढ़ाने के लिए जरूरी हैं।

कंप्यूटिंग के क्षेत्र में फु दां यूनिवर्सिटी विश्व की टॉप दस में से एक है। एक ऑप्टिकल चिप, जिसे अक्सर फोटोनिक चिप भी कहा जाता है, एक माइक्रोचिप है, जो जानकारी भेजने और प्रोसेस करने के लिए लाइट वेव्स अर्थात प्रकाश कणों/तरंगों का इस्तेमाल करती है और यह मॉडर्न ऑप्टिकल कम्युनिकेशन सिस्टम में बहुत ज़रूरी भूमिका निभाती है। एक फोटोनिक चिप बनाने के लिए पारंपरिक फोटोलिथोग्राफी, एक्सट्रीम अल्ट्रावायलेट और रेजोनेंट फोटोनिक इंटरफेरोमेट्री की ज़रूरत होती है। इसमें अत्यंत बारीक पराबैंगनी किरण की बहुत तेज़ धार से सिलिकॉन और गैलियम नाइट्राइड के वेफर्स या चिप्पड़ों पर बनाए गए इंटिग्रेटेड सर्किट्स से करोड़ों की संख्या में ट्रांजिस्टर्स को चिपकाना संभव है, ताकि डाटा प्राप्त करने के बाद ये बहुत तेज़ी से काम करते हुए क्षणभर में निष्कर्ष निकाल सकें।

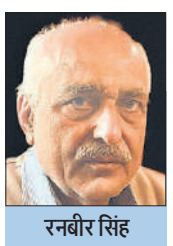

रनबीर सिंह
विज्ञान लेखक

चीन ने ऑप्टिकल चिप्स बनाने के लिए टेक्नोलॉजी डेवलप कर ली है, खासकर फोटोनिक कंप्यूटिंग के फील्ड में। शांगहाई में जिओ टोंग यूनिवर्सिटी और सिंग हुआ यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स द्वारा डेवलप की गई लाइट-जेन चिप, ऑप्टिकल एआई टेक्नोलॉजी में एक बड़ी तरक्की है, जो हाई-रिज़ॉल्यूशन इमेज बनाने और वीडियो बनाने में सक्षम है। वैसे, शोध साहित्य देखा जाए तो इस टेक्नोलॉजी के विकास के लिए बेसिक रिसर्च सन् 2019 से ही हो रही है और चीन के साइंटिस्ट्स ने इस बारे में सर्वाधिक शोधपत्रों का प्रकाशन किया। ऑप्टिकल कंप्यूटिंग में चीन की रिसर्च से दुनिया की पहली ऑल-ऑप्टिकल कंप्यूटिंग चिप बनी है, जो बड़े पैमाने पर जेनरेटिव एआई मॉडल को सपोर्ट करती है। देश ने थिन-फिल्म लिथियम नायोबेट फोटोनिक चिप्स के लिए अपनी पहली प्रोडक्शन लाइन भी शुरू की है, जिससे वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए ग्लोबल मार्केट में मुकाबला करने की स्थिति में आ गया है।

डेटा ट्रांसमिशन, मॉड्यूलेशन और डीमॉड्यूलेशन जैसे कई काम करने के लिए ऑप्टिकल चिप्स इलेक्ट्रिकल सिग्नल या इलेक्ट्रॉन्स के बजाय लाइट कणों फोटॉन का इस्तेमाल करती हैं। ये एक ही चिप पर कई ऑप्टिकल कंपोनेंट्स को इंटीग्रेट करती हैं, जिससे ऑप्टिकल सिग्नल की कुशल प्रोसेसिंग हो पाती है। यह टेक्नोलॉजी हाई-स्पीड डेटा कम्युनिकेशन के लिए बहुत ज़रूरी है, खासकर फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क में, जहां लाइट पल्स लंबी दूरी तक जानकारी ले जाती हैं।

भारत एक्टिव रूप से ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक मॉड्यूल और सब-असेंबली बनाने की जुगत में है, लेकिन पूरी तरह से इंटीग्रेटेड ऑप्टिकल चिप्स अथवा फोटोनिक इंटिग्रेटेड सर्किट्स बनाना एक मायने में एडवांस्ड लिथोग्राफी और मटेरियल एक्सपर्टाइज पर निर्भर करते हैं। भारत के अनुसंधानकर्मी इसे अभी भी स्वायत्त रहकर देश में डेवलप कर रहे हैं, परंतु समय सीमाएं और एडवांस्ड लिथोग्राफी और अत्यधिक सटीक फैब्रिकेशन के लिए चुनौतियां मौजूद हैं, जोकि फोटोनिक चिप्स और हाई-एंड ऑप्टिकल इंटिग्रेटेड सर्किट्स के लिए ज़रूरी हैं। फिलहाल एक फोटोनिक चिप के लिए एक फैब लगाना भारत की स्वदेशी क्षमताओं से पूरी तरह बाहर है।

मुख्य प्रोसेस नोड्स और ऑप्टिकल-ग्रेड सिलिकॉन-ऑन-इंसुलेटर या पीरियाडिक टेबल में ग्रुप III और V एलेमेंट्स/मटेरियल के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर या विदेशी सहयोग की ज़रूरत होती है। भारत ने 2018 व 2023 के बीच चिप डिजाइन और फैब्रिकेशन पर पब्लिश रिसर्च पेपर की संख्या में ग्लोबल लेवल पर तीसरा स्थान हासिल किया है, जैसा कि जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएस द्वारा बनाए गए इमर्जिंग टेक्नोलॉजी ऑब्जर्वेटरी ने पुष्ट किया है।

मर्यादित जीवन जीने वाला जीत लेता है हरेक का दिल

सामान्यतया सरल, शिष्ट एवं समाज के प्रति शालीनता का भाव प्रदर्शित करने को मर्यादायुक्त जीवन जीना कहते हैं। मर्यादित जीवन जीने वाला हरेक का दिल जीत लेता है। वह दूसरों को आदर देता है, तो बदले में आदर पाता भी है, जबकि अमर्यादित जीवन जीने वाले समाज में हेय दृष्टि से देखे जाते है, क्योंकि अमर्यादित जीवन वाला अपने पद एवं संपदा के बल पर अहंकारग्रस्त रहते हैं। अपने से अशक्त लोगों का माखौल उड़ाते हैं, जबकि मर्यादा का ख्याल रखने वाला कोशिश करता है कि उसके आचरण से दूसरों को कष्ट न हो।

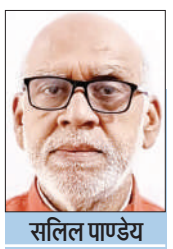

सलिल पाण्डेय
मिर्जापुर

उदाहरण के रूप में लें तो त्रेतायुग के महानायक श्रीराम मनुष्य रूप में इतना मर्यादित आचरण करते हैं कि उनके नाम के आगे मर्यादा पुरुषोत्तम पद का उपयोग किया जाता है। भगवान राम की यह मर्यादा थी कि उन्हें 14 वर्ष वनवास का आदेश कराने वाली कैकेई एवं मंथरा तक को वे अपमानित नहीं करते, जबकि अयोध्या की जनता श्रीराम के साथ थी। वे चाहते तो जनता के बल पर सिंहासन हासिल कर सकते थे, लेकिन पिता का सम्मान करते हुए प्रसन्नता के साथ वनवास चले गए।

दूसरी ओर उसी युग में रावण का पूरा जीवन अमर्यादित था। अपनी शक्ति के बल पर अनाचार एवं अमर्यादित आचरण करता था। दूसरे की पत्नी पर कुदृष्टि डालने वाला सर्वाधिक अमर्यादित होता है। उसने भगवान श्रीराम की पत्नी का अपहरण किया। जिन-जिन लोगों ने इसकी निंदा की, उसे वह अपमानित करता रहा। यहां तक की उनकी पत्नी मंदोदरी तक ने जब इस गलत काम की निंदा की तो भी उसके ऊपर असर नहीं पड़ा। यहां तक कि भाई विभीषण को लंका से निकाल दिया।

इस तरह समाज मर्यादा पुरुषोत्तम की तरह आचरण करने वाले को सम्मान की नजर से देखता है। मर्यादापूर्ण जीवन से सुख-शांति मिलती है। कहते हैं कि इज्जत देने से इज्जत मिलती है। ऐसा नहीं हो एकता कि हम दूसरों का अपमान करें और बदले में वह इज्जत दे। भले अशक्त है तो चुप रह जाएगा, कोई प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त करेगा, लेकिन मन ही मन कोसेगा जरूर। जीवन में शुभकामनाओं का एवं बद्दुआओं का असर पड़ता है। अतः कोशिश करनी चाहिए कि मर्यादापूर्ण जीवन जीते हुए लोगों की शुभकामनाएं ही मिलती रहें।

सप्त चक्र और सप्त पावन पुरियां: आनंद की ओर एक अंतर्यात्रा

जैसे पतंग को आकाश में ऊंचा उड़ाने और धरती से साधने के लिए एक पतली डोर की आवश्यकता होती है। डोर भले ही भूमि पर रहती है, किंतु उसी के सहारे पतंग अनंत गगन में विचरती है। वह डोर 'सूत्र' कहलाती है। वैसे ही जीवन को ऊर्ध्वगामी बनाने और अनंत आकाश में विस्तार देने के लिए हमें भी एक ऐसे सूत्र की आवश्यकता होती है, जो पृथ्वी और आकाश, मानव और देवत्व के बीच सेतु का कार्य करे।

सूत्र ज्ञान का सार है, यह अल्प शब्दों में गहनतम अर्थ का प्रकाश छिपाए हुए है। हम जिस सूत्र को थामते हैं, वही हमारे जीवन की दिशा और गुणवत्ता निर्धारित करता है। प्रत्येक जीवन में शुभता की कोई न कोई ज्योति अवश्य विद्यमान होती है। प्रश्न यह है कि हम उस शुभता को पकड़ते हैं या दुर्भाग्य और नकारात्मकता से चिपके रहते हैं।

हर जीवन में कुछ न कुछ मंगल घटित हुआ है, परंतु मन की प्रवृत्ति प्रायः सकारात्मक को उपेक्षित कर नकारात्मक को पकड़ लेने की होती है। इस वृत्ति को रूपांतरित करने के लिए हमें 'शिव सूत्रों' का आश्रय लेने का संकेत दिया गया है। ये सूत्र हमें सत्य, सौंदर्य और 'शिव तत्त्व', अर्थात्शुभता और निर्दोषिता के सिद्धांत की ओर अग्रसर करते हैं, इसीलिए शिव सूत्रों का अध्ययन और मनन करने की प्रेरणा सदा से दी जाती रही है।

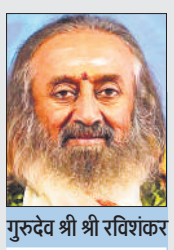

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर
आध्यात्मिक गुरु

'शिव सूत्र' सनातन होते हुए भी निर्मल वायु के ताज़ा झोंके की तरह सदा नवीन हैं। वे मन को मुक्त करते हैं और आनंद का संचार करते हैं। वे मात्र दर्शन नहीं, अपितु चेतना का विज्ञान हैं। पांच-छः वर्ष के बालक या कुछ महीनों के शिशु को देखिए, उनके प्रत्येक कोश में उत्साह का प्रवाह स्पंदित होता है। अब वयस्कों को देखिए, आयु के साथ उनका उत्साह क्षीण होता जाता है। जब उत्साह ही मंद पड़ जाए, तो क्या हम वास्तव में जीवित हैं? यह ह्रास हमारे ही निर्मित 'विश्व' के कारण होता है। उस संसार के कारण, जिसे हमने अपने मन में रचा है।

क्या इसका समाधान समाज से पलायन कर हिमालय की गुफाओं में जा बैठना है? मात्र गुफा में प्रवेश कर लेने से आनंद नहीं मिलता, क्योंकि संसार बाहर नहीं, मन में विद्यमान है। उसे आपने ही रचा है और आप ही उसका विसर्जन कर सकते हैं। समाधान आपके ही भीतर निहित है।

शिव सूत्र का एक वाक्य स्पष्ट दिशा देता है-

'शक्ति-चक्र-संधाने विश्वसंहारः।'

अर्थात् जब साधक अपने भीतर स्थित विभिन्न ऊर्जा-केंद्रों पर सजगता लाता है और उनका साक्षी बनता है, तब चिंताओं और चंचल विचारों का विश्व स्वयं विलीन हो जाता है। शांति स्वयमेव अवतरित होती है। यही बहिरंग को छोड़ अंतर्मुख होने की कला है।

विभिन्न भावनाएं शरीर के भिन्न-भिन्न केंद्रों को सक्रिय करती हैं। क्रोध उत्पन्न होता है तो भ्रूमध्य में स्पंदन अनुभव होता है। विषाद आता है तो कंठ अवरुद्ध हो उठता है। घृणा हृदय प्रदेश में हलचल करती है, जबकि ईर्ष्या उदर में मंथन उत्पन्न करती है। सद्भाव भी वहीं से अंकुरित होता है। प्रेम का अनुभव भी हृदय क्षेत्र में ही होता है।

यह सूक्ष्म जगत् विराट जगत् से जुड़ा हुआ है। शरीर में सात प्रमुख चक्रों के रूप में सात ऊर्जा केंद्र स्थित हैं, जिन्हें सहस्रों सूक्ष्म नाड़ियों का जाल जोड़ता है। आश्चर्य की बात है कि ये सात चक्र भारत के सात पवित्र नगरों से भी संबद्ध माने गए हैं, माया या हरिद्वार, कांची, अयोध्या, मथुरा, काशी, अवंती (उज्जयिनी) और द्वारका।

चक्रों को भौतिक चक्र के रूप में कल्पित न करें। ध्यान के समय केवल सजगता को उन केंद्रों तक ले जाना ही पर्याप्त है। ऐसा करते ही नकारात्मक ऊर्जा क्षीण होने लगती है और सकारात्मक गुण जागृत होते हैं। माया या हरिद्वार, मेरुदंड के आधार पर स्थित मूलाधार चक्र का प्रतीक है। जड़ता के हटते ही उत्साह जागृत होता है और यात्रा आरंभ होती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

पटाखों में विस्फोट से घर ध्वस्त, महिला की मौत

रायबरेली के साहबगंज बाजार की घटना, तीन की हालत गंभीर

संवाददाता सलोन, रायबरेली

पटाखा विस्फोट से घर की उड़ीं धज्जियां, टूटी दीवार और बिखरा मलबा। अमृत विचार

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के साहबगंज बाजार में शुक्रवार की देर रात एक लाइसेंसी पटाखा व्यापारी के घर पर अवैध पटाखा भंडारण के चलते तेज धमाका हो गया। धमाके में पटाखा व्यापारी समेत पांच लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। घर भी मलबे में तब्दील हो गया। सभी घायलों को इलाज के लिए सीएचसी सलोन ले जाया गया। इलाज के दौरान जिला अस्पताल में पटाखा व्यापारी की पत्नी की मौत हो गई। जबकि मामूली रूप से घायल व्यापारी के बेटे को इलाज के बाद घर भेज दिया गया।

पटाखों में विस्फोट से लगभग 13 घर प्रभावित हुए हैं। एसपी रवि कुमार, एएसपी संजीव सिन्हा, एसडीएम चन्द्र प्रकाश और सीओ सलोन मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर करहिया चौकी अंतर्गत साहबगंज बाजार में बीती रात लगभग दो बजे के पटाखा व्यवसायी मुहम्मद यूनुस (40) के घर पर तेज विस्फोट हुआ। धमाके की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग घरों से बाहर की ओर भागे तो एक के बाद एक कई धमाके हो गए। धमाके के बाद पटाखा व्यवसायी का घर मलबे में तब्दील हो गया। पड़ोस में रह रहे पटाखा व्यवसायी के बेटे-बहू और पौत्र पर धमाके के बाद दीवार गिर गई। लोगो ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। फायर ब्रिगेड ने घर में लगी आग पर काबू पाया। पुलिस की मदद से लोगों ने मलबे में दबे मु. यूनुस, उसकी पत्नी अख्तरुन (65), बेटा फिरोज और उसकी पत्नी रूबी और फिरोज का बेटा मु. अली (16) को निकालकर सीएचसी पहुंचाया। वहीं से सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान अख्तरुन की मौत हो गई। जबकि बेटे फिरोज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

हरदोई में दिव्यांग युवक की हत्या

संवाददाता, हरदोई/पाली

अमृत विचार। घर में घुसे हमलावरों ने मथुरा में तैनात उपायुक्त उद्योग के दिव्यांग भाई पर चाकू से हमला कर लहूलुहान कर दिया। उसे घायल देख बूढ़ी मां के शोर मचाने पर पड़ोसी पहुंचे। उसे सीएचसी से मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच कर रही है।

पाली थाने के मुड़रामऊ निवासी विजय प्रकाश (35) पैरों से दिव्यांग था। शनिवार की सुबह घर के आंगन में लहूलुहान पड़ा था। उसी बीच बूढ़ी मां गोमती वहां पहुंची तो विजय प्रकाश को ऐसी हालत में देख चिल्लाने लगी। विजय को एम्बुलेंस से पीएचसी पहुंचाया गया, जहां से मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया, वहां उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम पहुंची और वारदात से जुड़े क्लू तलाशे जाने लगे। एएसपी पश्चिमी मार्तण्ड प्रताप सिंह, एसपी/सीओ शाहाबाद आलोक राज नारायण ने इस बाबत पूछताछ करते हुए पड़ताल की। मथुरा में तैनात उपायुक्त उद्योग रामेंद्र कुमार विजय प्रकाश के भाई हैं। 8 जून 2023 में पिता रामदयाल पर जानलेवा हमला हुआ था। पुलिस ने उसी दिन रामदयाल की तहरीर पर गांव के महावीर, रघुवीर, परीक्षित उर्फ संदीप, मनोज और रजनीश के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी, लेकिन उसी दिन शाम को रामदयाल की मौत हो गई थी। पति के न रहने पर पैरों से दिव्यांग विजय प्रकाश मां के साथ रहता था और उनकी देखभाल करता था। पुलिस ने मां गोमती की तहरीर पर महावीर व समरपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
अयोध्या–अम्बेडकरनगरवृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना (स्वीकृति प्रत्याशा में)
(ई–प्रोक्यूरमेंट सूचना)

पत्रांक : 874 /3काम अयो0अम्बे0/ई–टेण्डरिंग/2026 दिनॉक : 09.02.2026

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदया की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा http://etender.up.nic.in एवं प्रहरी पोर्टल के माध्यम से मार्ग कार्य हेतु लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार से प्रतिशत दर के आधार पर दिनांक 16.02.2026 से दिनांक 02.03.2026 के दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा की प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड दिनांक 02.03.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपस्थित लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार के प्रतिनिधि के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा गठित समिति के सदस्यों द्वारा ऑनलाइन खोली जाएगी। टेक्निकल बिड में क्वालीफाईड पाए गए ठेकेदारों की फाइनेन्शियल बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जाएगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश की दशा में प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड एवं फाइनेन्शियल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जाएगी। कार्य का विवरण निम्नवत् हैः–

2.

क्रम सं.	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पात्र ठेकेदार की श्रेणी	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
वित्तीय वर्ष 2025–26 में विधानसभा–दरियाबाद में निर्माण कार्य										
1	बाराबंकी	गाजीपुर दरियाबाद मार्ग से पाण्डेयपुरवा	56.00	4.80	2714.00	6माह	A, B, C	अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड नं0–1, लो0नि0वि0, बाराबंकी	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0–अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0, अयोध्या
2	बाराबंकी	तिवारी पुरवा सम्पर्क मार्ग से सराय सैफपुर होते हुए खजुरा (बसंतपुर) सम्पर्क मार्ग	201.00	12.05	2714.00	12 माह	A,	–	–	–
3	बाराबंकी	बन्धा मार्ग से सूबेदारपुरवा होते हुए कोठरी गौरयिा तक सम्पर्क मार्ग	80.00	6.00	2714.00	6माह	A, B,	–	–	–
वित्तीय वर्ष 2025–26 में विधानसभा–रामनगर में निर्माण कार्य										
4	बाराबंकी	मरकामऊ अलीनगर मार्ग से चैहानपुर सम्पर्क मार्ग	63.50	5.18	2714.00	6माह	A,B,C	–	–	–
5	बाराबंकी	अटौटा समनापुर सिरकौली से अहिरनपुरवा धनौरा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	38.50	3.85	2714.00	6माह	A,B, C	–	–	–
वित्तीय वर्ष 2025–26 में विधानसभा–जैदपुर में निर्माण कार्य										
6	बाराबंकी	पिपरौला के किमी0 1 से चपरी सम्पर्क मार्ग	70.00	5.50	2714.00	6माह	A,B	–	–	–

3 निविदा से सम्बन्धित समस्त अभिलेख वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 16.02.2026 को दोपहर 12:00 बजे से 02.03.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक ऑनलाईन सबमिट (अपलोड) किया जा सकता है। आनलाईन प्राप्त समस्त निविदाएं दिनांक 02.03.2026 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी। ठेकेदारों से अपेक्षित है कि वे उक्त वेबसाईट को नियमित रूप से देखते रहें, ताकि किसी प्रकार के संशोधन/शुद्धि की स्थिति की जानकारी उनको समय से प्राप्त हो सके।

4 निविदादाताओं द्वारा आनलाईन निविदा की अपलोडिंग/डाउनलोडिंग तथा समस्त प्रपत्रों को शासनादेश सं0–1/2018/3070/78–2–2018–42 आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 के अनुसार जमा किया जाएगा।

5 निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न .निविदा सूचना में उपलब्ध है।

(इं0 दीपक कुमार चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0
बाराबंकी

(इं0 ओम प्रकाश वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता
अयो0/अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0
अयोध्या
For and behalf of Governor of UP

UP-246191 दिनांक 13.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,
सीतापुर।

पत्रांक 821 /352सी/ई-टेण्डर-सी0खी0/25-26 दिनांक :- 09-02-2026

शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक-668/352सी/ई-टेण्डर-सी0खी0/2025-26 दि0 02-02-2026 द्वारा आमंत्रित निविदायें जो दिनॉक 11-02-2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे से ऑन लाइन डाउनलोड/सबमिट की जानी हैं तथा दिनॉक 18-02-2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जानी हैं। अपरिहार्य कारणों वश उक्त निविदा अब दिनॉक 19.02.2026 से दिनॉक 28.02.2026 मध्यान्ह 12.00 बजे तक ऑन लाइन डाउनलोड/सबमिट की जा सकेंगी तथा दिनॉक 28.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑनलाइन खोली जायेंगी।

निविदा सूचना की अन्य शेष शर्ते पूर्ववत रहेंगी।

(बुद्धि सागर सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0,
सीतापुर।

(सतीश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0,
सीतापुर।

UP - 246149 दिनांक: 13/02/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता शोडशम मण्डल सिंचाई कार्य, प्रतापगढ।

पत्रांक–6298/शोडशम/ए–1 (सामान्य), दिनांक–11/फरवरी/2026

निविदा निरस्तीकरण

इस कार्यालय के पत्रांक–5825/शोडशम/ए–1 (सामान्य)/निविदा/2025–26, दिनांक–17.01.2026 द्वारा अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या–08/अधी0अभि0/शोडशम/2025–26, आमंत्रित की गयी थी। उक्त निविदा सूचना संख्या के लाट संख्या–01,02,03, एवं 04 पर आमंत्रित कार्य की निविदा को अपरिहार्य तकनीकी कारणों से एतद्द्वारा निरस्त की जाती है।

UP - 246165 दिनांक: 13/02/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(डी0सी0वर्मा), अधीक्षण अभियन्ता शोडशम मण्डल सिंचाई कार्य, प्रतापगढ।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, अमेठी
E-mail Id-eepdpwdcsmnagar@gmail.com

पत्रांक 544/14ए0 /2026 दिनांक 04.02.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 के ''ए'' ''बी0'', ''सी0'' एवं ''डी0'' श्रेणी में मार्ग कार्य हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	खण्ड का नाम	कार्य का नाम	लागत रू0 लाख में	धरोहर धनराशि रू0 लाख में	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रु0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		(प्रथम आमंत्रण)				
1	प्रा0ख0 अमेठी	मुसाफिरखाना पलिया चन्दापुर पिण्डारा ठाकुर मानशाहपुर गुन्नौर मठा भुसुण्डा पूरे पहलवान मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	29.50	2.95	944	02 माह
2	प्रा0ख0 अमेठी	कोछित (दण्डेश्वर धाम) मवई गाजनपुर छतारी पूरे बुद्धी मार्ग	25.00	2.50	944	02 माह
3	प्रा0ख0 अमेठी	रसूलाबाद स्कूल से रसूलाबाद गांव तक सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	26.00	2.60	944	02 माह
4	प्रा0ख0 अमेठी	जुवारी सम्पर्क मार्ग के चौनेज 0.150 से 1.00 तक एवं चौनेज 1.00 से 1.200 तक सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	10.00	1.00	856	02 माह
5	प्रा0ख0 अमेठी	अनखरा नहर ब्रिज से अनखरी सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	23.00	2.30	944	02 माह
6	प्रा0ख0 अमेठी	पूरे ताज मोहिद्दीनपुर से रसूलाबाद सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	9.00	0.90	856	02 माह
7	प्रा0ख0 अमेठी	दादरा गांव से चन्दीपुर तक सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	15.00	1.50	944	02 माह
8	प्रा0ख0 अमेठी	दीवानी एन0एच0–56 से च☐ दपुर तक सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	10.20	1.02	856	02 माह
9	प्रा0ख0 अमेठी	बाबूपुर पड़री मार्ग से अन्नीबैजल सम्पर्क मार्ग एवं बाबूपुर पड़री मार्ग से अन्नीबैजल सम्पर्क मार्ग (प्रथम भाग) के नवीनीकरण का कार्य	15.30	1.53	944	02 माह
10	प्रा0ख0 अमेठी	बेहटा से गुलाब के घर तक सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	9.20	0.92	856	02 माह
11	प्रा0ख0 अमेठी	गरथौलिया दरपीपुर जंगल टिकरी मार्ग से दायें पूरे उमराव सिंह का पुरवा सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	16.00	1.60	944	02 माह
12	प्रा0ख0 अमेठी	लुगरी मार्ग से वीरशाह होते हुये पूरे शुक्लन सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	13.00	1.30	856	02 माह
13	प्रा0ख0 अमेठी	खजुरी से शुकुलडीह सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	10.20	1.02	856	02 माह
14	प्रा0ख0 अमेठी	सैनीपुर के मजरे सैनीपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	15.00	1.50	944	02 माह
15	प्रा0ख0 अमेठी	हिम्मतगढ़ सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	11.20	1.12	856	02 माह
16	प्रा0ख0 अमेठी	लीला टिकरा के मजरे लीला टिकरा सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	10.20	1.02	856	02 माह
17	प्रा0ख0 अमेठी	बसायकपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	10.00	1.00	856	02 माह
18	प्रा0ख0 अमेठी	पूरे जयसिंह से मधुपुर तक सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	11.20	1.12	856	02 माह
19	प्रा0ख0 अमेठी	ऐंधी सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	12.00	1.20	856	02 माह
20	प्रा0ख0 अमेठी	जामों भादर मार्ग से रानी का पुरवा सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	14.10	1.41	856	02 माह
21	प्रा0ख0 अमेठी	सूखी से रानी का पुरवा सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	28.00	2.80	944	02 माह
22	प्रा0ख0 अमेठी	भीखीपुर के मजरे पूरे ओरी वैश्य सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	10.20	1.02	856	02 माह
23	प्रा0ख0 अमेठी	गौरा कल्यानपुर मार्ग से मतऊ का पुरवा होते हुये पूरे राजा सरनाम सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	10.20	1.02	856	02 माह
24	प्रा0ख0 अमेठी	गायत्रीनगर चौराहा से पूरे दीवान होते हुए जौनपुर कैनाल पटरी तक सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	16.20	1.62	944	02 माह
25	प्रा0ख0 अमेठी	हेरुआ से देवसीपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	9.20	0.92	856	02 माह
26	प्रा0ख0 अमेठी	जे0जी0ए0पी0 से पूरे लाला बस्तीदेई सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	14.20	1.42	856	02 माह
27	प्रा0ख0 अमेठी	भटगवां से पूरे हरदत्त सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	11.20	1.12	856	02 माह
28	प्रा0ख0 अमेठी	रोहसी से नरौली सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	18.70	1.87	944	02 माह
29	प्रा0ख0 अमेठी	गुवावां जयसिंहपुर सम्पतिपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	28.00	2.80	944	02 माह
30	प्रा0ख0 अमेठी	भटगवां प्राइमरी पाठशाला से बटहा गांव तक सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	23.20	2.32	944	02 माह
31	प्रा0ख0 अमेठी	इटौजा सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	9.20	0.92	856	02 माह
32	प्रा0ख0 अमेठी	मझवारा के मजरे पूरे खुशियाल सम्पर्क मार्ग एवं मझवारा के मजरे पूरे संवरिया सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	15.30	1.53	944	02 माह
33	प्रा0ख0 अमेठी	विसुनदासपुर के अन्तर्गत जेठूपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	9.20	0.92	856	02 माह
34	प्रा0ख0 अमेठी	शाहगढ़ हरदोइया मार्ग से गुलाल का पुरवा सगरा से सरैया सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	17.50	1.75	944	02 माह
35	प्रा0ख0 अमेठी	जगदीशवापुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	9.20	0.92	856	02 माह
36	प्रा0ख0 अमेठी	शाहगढ़ चिलबिली मार्ग से इबादुल्ला सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	17.80	1.78	944	02 माह
37	प्रा0ख0 अमेठी	राघीपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	9.00	0.90	856	02 माह
38	प्रा0ख0 अमेठी	जौनपुर कैनाल पटरी से केशवपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	8.60	0.86	856	02 माह
39	प्रा0ख0 अमेठी	बलभद्रपुर जनापुर मार्ग से रानीपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	8.50	0.85	856	02 माह
40	प्रा0ख0 अमेठी	जगदीशपुर गौरीगंज मार्ग से रामशाहपुर सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	8.00	0.80	856	02 माह
41	प्रा0ख0 अमेठी	मठिया का शेष भाग सम्पर्क मार्ग के नवीनीकरण का कार्य	8.00	0.80	856	02 माह

बिड डाक्यूमेंट बेवसाइट http://e-tender.up.nic.in पर दिनांक 16.02.2026 से 24.02.2026 तक उपलब्ध है, जो कि दिनांक 24.02.2026 समय दोपहर 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 24.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे के उपरान्त अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, अमेठी के कार्यालय में खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी बेवसाइट http://e-tender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP-246136 दिनांक 13.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(शैलेन्द्र कुमार) अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,अमेठी

कार्यालय , निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी(सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ।

पत्रांक–एस0पी0एम0/नीलामी/2025–26/ दिनांक– फरवरी, 2026

–: नीलामी सूचनाः–

इस कार्यालय के पत्रांक–एस0पी0एम0/नीलामी/2025–26/3536 दिनांक 16.01.2026 के द्वारा दिनांक–28.01.2026 (दिन बुधवार) प्रातः 12:00 बजे चिकित्सालय के निष्प्रयोज्य फर्नीचर एवं उपकरणों की नीलामी हेतु बैठक आयोजित की गयी। जिसमें 40 फर्मो/व्यापारीगणों ने प्रतिभाग किया परन्तु समिति द्वारा निर्धारित धनराशि पर प्रतिभागियों द्वारा बोली नही लगायी गयी। जिसके कारण नीलामी कमेटी के सदस्यों के द्वारा पुनः निविदा/नीलामी किये जाने का निर्णय लिया गया।

उपरोक्त के क्रम में पुनः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चिकित्सालय के निष्प्रयोज्य फर्नीचर एवं उपकरणों की नीलामी विवरण सूची के अनुसार दिनांक–18.02.2026 (दिन बुधवार) प्रातः 12:00 बजे कार्यालय, निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी(सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ के सभागार में नीलामी समिति के समक्ष आयोजित की जायेगी।

नीलामी में प्रतिभाग करने के नियम एवं मुख्य शर्ते–

1. निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक/अध्यक्ष नीलामी समिति को यह अधिकार होगा की वह बिना कोई कारण बताये नीलामी निरस्त कर सकता है।
2. नीलामी में भाग लेने वाली इच्छुक व्यापारीगण/व्यक्ति उक्त स्थल पर समय से प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। नीलामी में जी0एस0टी0 अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत व्यक्ति ही प्रतिभाग कर सकते है। साक्ष्य के रूप में प्रतिभाग करने वाले व्यक्ति को अपने जी0एस0टी0 पंजीयन प्रमाण की प्रति प्रस्तुत करनी होगी।
3. नीलामी प्रक्रिया में प्रतिभाग करने हेतु धरोहर राशि–75000.00 (रूपये–पचहत्तर हजार मात्र) का बैंक ड्राफ्ट(Draft) ही मान्य होगा, जो निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक, डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी(सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ के नाम से देय होगा। जिस व्यक्ति के पक्ष में नीलामी स्वीकृत की जायेगी। उसे छोड़ कर नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने वाले शेष फर्म एवं व्यक्तियों की धरोहर राशि वापस कर दी जायेगी।
4. नीलामी में भाग लेने वाले व्यापारीगण/व्यक्ति को जी0एस0टी0 पंजीयन प्रमाण पत्र की स्वः प्रमाणित छायाप्रति तथा धरोहर धनराशि–75000.00 (रूपये–पचहत्तर हजार मात्र) का बैंक ड्राफ्ट(Draft) दिनांक 17.02.2026 समय दोपहर 2:00 बजे तक कार्यालय निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक, डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी(सिविल) चिकित्सालय लखनऊ में जमा करना अनिवार्य होगा। तिथि व समय समाप्त हो जाने के उपरान्त दिनांक 18.02.2026 को समय दोपहर 12:00 बजे होने वाली नीलामी में व्यापारीगण/व्यक्ति को सम्मिलित नही किया जायेगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी।
5. फर्नीचर एवं उपकरण इत्यादि जिस दशा में है जहां है उसी प्रकार निलाम किया जायेगा। बोली कर्ता द्वारा फर्नीचर एवं उपकरण इत्यादि की गुणवत्ता फर्नीचर एवं उपकरण इत्यादि का आक्कलन स्वयं उपस्थित होकर करना होगा। निलामी के उपरान्त उक्त सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।
6. नीलामी समिति के समक्ष उच्चतम बोली कर्ता द्वारा बोली गयी धनराशि को समिति द्वारा विवेकानुसार/नियामानुसार स्वीकार/अस्वीकार किया जा सकेगा तथा स्वीकार किये जाने की स्थिति में उच्चतम बोली कर्ता को नीलामी का 25 प्रतिशत तुरन्त एवं शेष नीलामी की धनराशि निर्धारित समय एक सप्ताह के अन्दर जमा कर उपकरण/सामग्री को जिस स्थिति में है। उसी स्थिति में अपने संरक्षण में लेना होगा, अन्यथा की स्थिति में वह स्वयं जिम्मेदार होगा और उसका दावा निरस्त करते हुए धरोहर तथा 25 प्रतिशत जमा की गयी धनराशि जप्त कर ली जायेगी।
7. नीलामी में वही व्यक्ति भाग ले सकता हैं तथा नीलामी स्थल पर सामान देखने हेतु उपस्थित रह सकता है जो दिनांक 17.02.2026 को समय दोपहर 2:00 बजे तक जी0एस0टी0 पंजीयन प्रमाण पत्र की स्वः प्रमाणित छायाप्रति तथा धरोहर धनराशि का एफ0डी0आर0 कार्यालय में जमा किया हो। जो व्यक्ति धरोहर धनराशि नहीं जमा किया होगा, वह नीलामी स्थल तक नहीं जा सकता है और न ही सामान देख सकता है।
8. नीलाम फर्नीचर/उपकरणों को एक सप्ताह के अन्दर चिकित्सालय से अपने संरक्षण में लेना होगा अन्यथा की स्थिति चिकित्सालय प्रशासन की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। जिसका समस्त उत्तरदायित्व उसका स्वयं का होगा।

UP - **246156 दिनांक:** 13/02/2026 **विज्ञापन वेबसाइट** www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

निदेशक एवं प्रमुख अधीक्षक,
डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी(सिविल)
चिकित्सालय, लखनऊ।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अ0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या
निविदा आमंत्रण सूचना (एस0बी0डी0)
(ई–प्रोक्यूरमेंट सूचना)

पत्रांकः– 910/2काम–अयो0अ0वृत्त/2026 दिनांक – 10.02.2026

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदया की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in एवं प्रहरी पोर्टल के माध्यम से मार्ग कार्य में लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार से आइटम दर के आधार पर दिनांक 16.02.2026 से दिनांक 25.02.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा की प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड दिनांक 25.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपस्थित लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार के प्रतिनिधि के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा गठित समिति के सदस्यों द्वारा आनलाईन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड में क्वालीफाईड पाये गये ठेकेदारों की फाइनेन्सियल बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड एवं फाइनेन्सियल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्यो का विवरण निम्नवत है :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी0एस0टी0 सहित (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
जनपद अयोध्या						
स्वीकृति की प्रत्याशा में						
1	जाना चतुर्भुजपुर कुआंडांड मल्लेपुर मार्ग (अ0जि0मा0) के चैनेज 0.000 से 11.730 तक दो लेन में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य। किमी0 चैनेज 0.000 से 2.300	2950.00	44.25	15 माह	2714.00	शा0सं0 28/2023/1556/तेइस–7–2023–176सा/2006 दिनांक 05.12.2023 के अनसुार

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

1– बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी दरें जी0एस0टी0 को छोडते हुये लगायी गयी है।

2– निविदा आनलाईन दिनांक 16.02.2026 से दिनांक 25.02.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 25.02.2026 को 12.30 बजे खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिड कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।

3– शासनादेश संख्या 1/2018–3070/78–2–2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय मे प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा मे शासनादेश मे निहित प्राविधानो के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

4– निविदादाता संबंधित अधिक जानकारी वेब साईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है

प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगायी गयी समस्त शर्तो/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जांच कर ली गयी है, जो सही है।

(सत्य प्रकाश भारतीय)
अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
अयोध्या

(ओम प्रकाश वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0,
अयोध्या
For and behalf of Governor of UP

UP - 246183 दिनांक: 13/02/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अ0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या
निविदा आमंत्रण सूचना (एस0बी0डी0)
(ई–प्रोक्यूरमेंट सूचना)

पत्रांकः– 898/2काम–अयो0अ0वृत्त/2026 दिनांक – 10.02.2026

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in एवं प्रहरी पोर्टल के माध्यम से मार्ग कार्य में लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार से आइटम दर के आधार पर दिनांक 16.02.2026 से दिनांक 25.02.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा की प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड दिनांक 25.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में उपस्थित लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार के प्रतिनिधि के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा गठित समिति के सदस्यों द्वारा आनलाईन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड में क्वालीफाईड पाये गये ठेकेदारों की फाइनेन्सियल बिड अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड एवं फाइनेन्सियल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्यो का विवरण निम्नवत है :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी0एस0टी0 सहित (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
जनपद अयोध्या						
स्वीकृति की प्रत्याशा में						
1	जनपद अयोध्या में गोसाईगंज तारून हैदरगंज फुलौना मार्ग (अ0जि0मा0) के चैनेज 14.500 से 31.500 तक (कुल लम्बाई 17.00) पर चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य। चैनेज 0.000 से 2.300	4325.00	50.00	15 माह	2714.00	शा0सं0 28/2023/1556/तेइस–7–2023–176सा/2006 दिनांक 05.12.2023 के अनसुार

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

1– बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी दरें जी0एस0टी0 को छोडते हुये लगायी गयी है।

2– निविदा आनलाईन दिनांक 16.02.2026 से दिनांक 25.02.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 25.02.2026 को 12.30 बजे खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिड कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।

3– शासनादेश संख्या 1/2018–3070/78–2–2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय मे प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा मे शासनादेश मे निहित प्राविधानो के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

4– निविदादाता संबंधित अधिक जानकारी वेब साईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है

प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगायी गयी समस्त शर्तो/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जांच कर ली गयी है, जो सही है।

(सत्य प्रकाश भारतीय)
अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
अयोध्या

(ओम प्रकाश वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0,
अयोध्या
For and behalf of Governor of UP

UP - 246173 दिनांक: 13/02/2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

11,000 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र, तेलंगाना और गुजरात में 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। शनिवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने शुक्रवार को 3,320 .38 करोड़ रुपये की कुल पूंजी लागत पर महाराष्ट्र में एनएच-160ए के घोटी-त्र्यंबक-जवाहर-मनोर-पालघर खंड के पुनर्वास और उन्नयन को मंजूरी दे दी।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 15 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

सिग्नेचर वाणिज्यिक परियोजना में करेगी 7,500 करोड़ निवेश

नई दिल्ली। जमीन, मकान के विकास से जुड़ी प्रमुख कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड ने गुरुग्राम में बड़ी वाणिज्यिक परियोजना विकसित करने के लिए आरएमजेड ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम बनाया है। इस परियोजना में कुल मिलाकर 7,500 करोड़ का निवेश किया जाएगा। गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल और बेंगलुरु की कंपनी आरएमजेड ग्रुप ने गुरुग्राम में सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) पर 18 एकड़ में व्यावसायिक परियोजना विकसित करने के लिए संयुक्त उद्यम बनाया है। जिसमें दोनों की बराबर हिस्सेदारी है।

ट्रेनेस का अधिग्रहण करेगी इक्सिगो

नई दिल्ली। यात्रा बुकिंग पोर्टल इक्सिगो के निदेशक मंडल ने स्पेन के दूसरे सबसे बड़े ट्रेन बुकिंग मंच ''ट्रेनेस'' में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी का 1.17 करोड़ यूरो (125 करोड़ रुपये) में अधिग्रहण करने संबंधी बाध्यकारी समझौते को मंजूरी दे दी है। इक्सिगो का यह पहला बड़ा अंतर्राष्ट्रीय अधिग्रहण है। ट्रेनेस मंच का संचालन करने वाली कंपनी ऑनलाइन ट्रैवल सॉल्यूशंस में नियंत्रक हिस्सेदारी का अधिग्रहण इक्सिगो के लिए यूरोप के बाजार में रणनीतिक प्रवेश का मार्ग प्रशस्त करता है।

जीएमआर एयरपोर्ट्स का लाभ 14 % घटा

नई दिल्ली। दिल्ली और हैदराबाद जैसे प्रमुख हवाई अड्डों का संचालन करने वाली कंपनी जीएमआर एयरपोर्ट्स लिमिटेड (जीएएल) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 14 प्रतिशत घटकर 173 .96 करोड़ रुपये रहा। जीएएल ने शेयर बाजार को अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही के इस नतीजे की सूचना दी। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 202 .10 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। लाभ में आई इस गिरावट का मुख्य कारण एकमुश्त खर्च रहे, जिनमें नए श्रम कानूनों के क्रियान्वयन से जुड़े प्रभाव और तुर्की की कंपनी सेलिबी के साथ अनुबंध समाप्त होने से जुड़े खर्च शामिल हैं।

शहरी अवसंरचना के लिए एक लाख करोड़ का अर्बन चैलेंज फंड

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्रीय सहायता के साथ यूसीएफ शुरू करने को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शहरी अवसंरचना को बड़ा प्रोत्साहन देते हुए शनिवार को एक लाख करोड़ रुपये की कुल केंद्रीय सहायता के साथ अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) शुरू करने को मंजूरी दे दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि इस योजना के तहत केंद्र सरकार परियोजना लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा वहन करेगी, बशर्ते कि परियोजना के लिए कम से कम 50 प्रतिशत धन बाजार से जुटाया गया हो।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस पहल से अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में कुल चार लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। यह कदम भारत के शहरी विकास दृष्टिकोण में एक बड़े बदलाव का प्रतीक है, जिसके तहत अब अनुदान-आधारित वित्तपोषण के बजाय बाजार से जुड़े, सुधार-आधारित और परिणाम-उन्मुख बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया जाएगा। शहरी अवसंरचना के विकास पर केंद्रित यह कोष उच्च गुणवत्ता वाले शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बाजार वित्तपोषण, निजी क्षेत्र की भागीदारी और नागरिक-केंद्रित सुधारों का लाभ उठाएगा। इस कोष का लक्ष्य शहरों को भविष्य की चुनौतियों के प्रति सुदृढ़, उत्पादक, समावेशी और जलवायु-अनुकूल बनाना है, ताकि उन्हें देश की आर्थिक वृद्धि के अगले चरण के प्रमुख चालक के रूप में स्थापित किया जा सके। यह कोष वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक प्रभावी रहेगा, जिसे वित्त वर्ष 2033-34 तक बढ़ाया जा सकता है। यह योजना बजट 2025-26 के उस दृष्टिकोण को लागू करती है जिसमें शहरों को वृद्धि के केंद्र के रूप में विकसित करने और शहरों के रचनात्मक पुनर्विकास का प्रस्ताव दिया गया था।

- बाजार से जुटाए 50% धन के बाद केंद्र परियोजना लागत का 25% हिस्सा करेगी वहन

चैलेंज मोड से होगा परियोजनाओं का चयन

सरकार के अनुसार, परियोजना के वित्तपोषण का कम-से-कम 50 प्रतिशत हिस्सा म्यूनिसिपल बॉण्ड, बैंक ऋण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) जैसे बाजार स्रोतों से जुटाना अनिवार्य होगा। शेष हिस्सा राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों या शहरी स्थानीय निकायों द्वारा वहन किया जा सकता है। परियोजनाओं का चयन पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी ''चैलेंज मोड'' से किया जाएगा। यह कोष 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों, सभी राज्यों की राजधानियों और एक लाख से अधिक आबादी वाले प्रमुख औद्योगिक शहरों को कवर करेगा। साथ ही, पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के सभी शहरी स्थानीय निकायों और एक लाख से कम आबादी वाले छोटे निकायों को ऋण पुनर्भुगतान गारंटी योजना के तहत सहायता दी जाएगी।

5,000 करोड़ की ऋण पुनर्भुगतान गारंटी योजना

परियोजनाओं का मूल्यांकन उनके आर्थिक, सामाजिक और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रभाव, रोजगार सृजन, सुरक्षा और स्वच्छता जैसे मानकों पर किया जाएगा। पूर्वोत्तर, पहाड़ी राज्यों और छोटे निकायों को बाजार से कर्ज लेने में मदद करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की ऋण पुनर्भुगतान गारंटी योजना को भी मंजूरी दी गई है। इसके तहत पहले ऋण के लिए सात करोड़ रुपये या ऋण राशि का 70 प्रतिशत (जो भी कम हो) की केंद्रीय गारंटी दी जाएगी। पहले ऋण का सफलतापूर्वक पुनर्भुगतान करने पर, अगले कर्ज के लिए सात करोड़ रुपये या ऋण राशि का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, उसकी केंद्रीय गारंटी प्रदान की जाएगी।

अमेरिकी समझौते से भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धी दाम पर कच्चा तेल

मुंबई, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत एवं अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम व्यापार समझौता देश की ऊर्जा जरूरतों को भी शामिल करेगा और इससे भारत को कच्चा तेल अधिक प्रतिस्पर्धी दरों पर हासिल करने में मदद मिलेगी। गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने की दिशा में काम करने पर सहमति जताई है और सरकार इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित 500 अरब डॉलर के व्यापार में कच्चा तेल, एलएनजी और रसोई गैस जैसी भारत की ऊर्जा जरूरतें भी शामिल होंगी। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है और इसकी ऊर्जा मांग प्रतिवर्ष लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। आयात बढ़ाने और आपूर्तिकर्ताओं की संख्या अधिक होने से कच्चा तेल अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर प्राप्त किया जा सकेगा। भारत और अमेरिका ने पिछले सप्ताह एक अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा

पर सहमति की घोषणा की थी, जिसके तहत कई वस्तुओं पर आयात शुल्क में कटौती कर द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा दिया जाएगा। समझौते के तहत अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करेगा, जबकि भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला पर आयात शुल्क खत्म कर देगा या उसमें कटौती करेगा।

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत वर्तमान में करीब 14 करोड़ टन इस्पात का वार्षिक उत्पादन करता है और आने वाले वर्षों में इसे दोगुना करने की उम्मीद है। इसके लिए देश को इस्पात निर्माण में प्रयुक्त विशेष कोयला कोकिंग कोल की जरूरत होगी, जिसका आयात फिलहाल लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपये का है और इसके तीन लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भारत कोकिंग कोल के आयात के लिए दो-तीन देशों पर निर्भर है और आपूर्तिकर्ताओं की संख्या बढ़ने से प्रतिस्पर्धी मूल्य और आपूर्ति सुरक्षा सुनिश्चित होगी। गोयल ने कहा कि अमेरिका बुनियादी ढांचा, कनेक्टिविटी और वितरण से जुड़े उत्पादों में मजबूत है और भारत इन क्षेत्रों में अधिक पहुंच चाहता है ताकि डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में विस्तार किया जा सके। उन्होंने बताया कि भारत का सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) निर्यात फिलहाल करीब 200 अरब डॉलर (करीब 18 लाख करोड़ रुपये) है और उन्नत अमेरिकी उपकरणों तक पहुंच से इस क्षेत्र में और बढ़ोतरी होगी। इस तरह आईटी निर्यात लगभग 45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

- 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने पर सहमत
- केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- व्यापार में कच्चा तेल, एलएनजी और रसोई गैस जैसी ऊर्जा जरूरतें शामिल

चावल सस्ता, चीनी महंगी खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल के औसत भाव घट गए। गेहूं में टिकाव रहा जबकि चीनी की कीमत बढ़ गयी। दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 106 रुपये घटकर 3,753 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं की कीमत 2,856 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रही। आटा 23 रुपये महंगा हुआ। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। मसूर दाल औसतन 83 रुपये सस्ती हुई। चना दाल 68 रुपये और तुअर दाल 29 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी।

वहीं, उड़द दाल 20 रुपये और मूंग दाल चार रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल औसतन 186 रुपये और पाम ऑयल 173 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सोया तेल 78 रुपये और सरसों तेल 55 रुपये मजबूत हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 38 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। वनस्पति 32 रुपये सस्ता हुआ।

जियो समेत 10 देशों की 15 टेक कंपनियों ने बनाया ट्रस्टेड टेक एलायंस

म्यूनिख, एजेंसी

रिलायंस जियो समेत अफ्रीका, एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका की 15 अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने ट्रस्टेड टेक एलायंस (टीटीए) के गठन की घोषणा की है। जियो ने शनिवार को बताया कि यह गठबंधन संचार सुविधा, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, सॉफ्टवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तक फैले टेक्नोलॉजी स्टैक के लिए भरोसेमंद और सत्यापित मानक विकसित करने के लिए साथ आये हैं। एलायंस में भारत की ओर से जियो प्लेटफॉर्म्स शामिल है।

जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान इस एलायंस का एलान किया गया। गठबंधन के संस्थापक सदस्यों में अमेजन, वेब सर्विसेज, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल क्लाउड, एरिक्सन, नोकिया, एसएपी और एनटीटी जैसी कुल 15 कंपनियां शामिल हैं। भविष्य में और कंपनियों को इससे जोड़ा जायेगा तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तकनीकी संप्रभुता, प्रतिस्पर्धात्मकता और लचीले डिजिटल ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम जारी रहेगा। लॉन्च के मौके पर जियो प्लेटफॉर्म्स के सीईओ किरण थॉमस ने कहा कि विश्व स्तर पर डिजिटल विकास को गति देने के लिए भरोसेमंद, सुरक्षित और पारदर्शी प्रौद्योगिकी जरूरी है।

- जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के दौरान एलायंस का किया गया एलान

अंतरिक्ष क्षेत्र की न्यू स्पेस इंडिया व गैलेक्सआई में करार

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। अंतरिक्ष विभाग की वाणिज्यिक इकाई न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) ने बेंगलुरु स्थित निजी स्पेस-टेक स्टार्टअप गैलेक्सआई के साथ एक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत, एनएसआईएल अब गैलेक्सआई के उन्नत उपग्रह इमेजरी समाधानों की वैश्विक स्तर पर बिक्री करेगी। इसके साथ ही गैलेक्सआई 'डेटा पुनर्विक्रय साझेदारी' (डाटा रिसेल पार्टनरशिप) के तहत सरकारी निकाय के साथ जुड़ने वाली पहली निजी भारतीय उपग्रह संचालक बन गई है।

मुख्य बातें

सटीक डेटा समाधान : गैलेक्सआई के सिंकफ्यूज्ड ऑप्टो-सार डेटा उत्पादों का उपयोग कृषि, आपदा प्रबंधन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सटीक जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जाएगा।

राष्ट्रीय

राहुल गांधी अपरिपक्व, उन्हें अर्थव्यवस्था की समझ नहीं : गोयल

विपक्ष के पास सरकार की आलोचना के लिए कोई रचनात्मक एजेंडा नहीं

मुंबई,एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपरिपक्व बताते हुए कहा कि उन्हें अर्थव्यवस्था की समझ नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के पास नरेन्द्र मोदी सरकार की आलोचना के लिए कोई रचनात्मक एजेंडा नहीं है, इसलिए वह भ्रामक सूचनाएं फैला रहा है। केंद्रीय बजट पर संवाददाताओं से बातचीत में गोयल ने कहा कि राहुल गांधी सच से हजारों मील दूर हैं और उनके जैसा विश्वनीयता खो चुका नेता चाहे लाख कोशिश कर ले, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और उनकी राष्ट्र सेवा को नहीं रोक सकता।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हताश है। उसके पास झूठे और मनगढ़ंत दावे करने के अलावा अन्य कोई योजना या समाधान नहीं है। हमारी आलोचना करने का कोई ठोस आधार नहीं है। वे गलत जानकारी फैलाकर किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। मुंबई उत्तर से भाजपा के लोकसभा सांसद गोयल ने कहा कि कांग्रेस अपनी सीमाओं को समझने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अर्थव्यवस्था की कोई समझ नहीं है, वे केवल सोशल मीडिया पर झूठी और भ्रामक बातें लिखते हैं। वह सच से मीलों दूर हैं। भारत की कपास उत्पादन क्षमता और आवश्यकता दोनों बढ़ेंगी। कच्चा माल आयात कर उसे प्रसंस्कृत कर निर्यात करना वैश्विक व्यापार में पुराना तरीका है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और कपास व वस्त्र क्षेत्र को लेकर राहुल गांधी की ओर से की गई आलोचना पर पलटवार करते हुए गोयल ने कहा कि जब अपरिपक्व लोग राजनीति में आते हैं तो इस स्तर के आरोप लगाए जाते हैं।

मोदी सरकार ने नुकसान पहुंचाने वाला व्यापार समझौता किया: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली कोई सरकार अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता करती जो कपास किसानों और कपड़ा निर्यात दोनों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करता, लेकिन मोदी सरकार ने इसके बिल्कुल उलट किया। उन्होंने यह दावा भी किया कि सरकार ने व्यापार समझौते के इन पहलुओं को छिपाया भी है। राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर कहा कि 18 प्रतिशत बनाम शून्य प्रतिशत शुल्क। झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस बारे में भ्रम फैला रही है। किस तरह से वे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास उत्पादकों और वस्त्र निर्यातकों को धोखा दे रहे हैं।" उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में वस्त्र निर्यात पर शून्य प्रतिशत शुल्क का फायदा दिया जा रहा है, शर्त बस इतनी है कि वे अमेरिकी कपास आयात करें। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया कि अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी। उन्होंने सवाल किया कि आखिर ये बात देश से छुपाई क्यों गई? कांग्रेस नेता ने कहा कि ये कैसी नीति है? क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है या फिर आगे कुआं, पीछे खाई की हालत में फंसाने वाला जाल?

शबरिमला सोना चोरी मामले की जांच अंतिम चरण में

तिरुवनंतपुरम। केरल के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर चंद्रशेखर ने शनिवार को कहा कि शबरिमला के भगवान अयप्पा मंदिर में सोने की चोरी से जुड़े मामले में एसआईटी की ओर से की जा रही जांच अंतिम चरण में है और उचित तरीके से आगे बढ़ रही है। चंद्रशेखर ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि जांच उच्च न्यायालय की निगरानी में की जा रही है, जो उस पर कड़ी नजर रख रहा है।

उन्होंने कहा कि विशेष जांच दल मामले की अच्छी तरह से जांच कर रहा है। उच्च न्यायालय उचित निगरानी कर रहा है। चंद्रशेखर ने कहा कि एसआईटी की जांच अंतिम चरण में पहुंच गई है। शबरिमला मंदिर में सोने की चोरी से जुड़ा मामला द्वारपालकों (संरक्षक देवता) की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजे की चौखटों पर सोने की अतिरिक्त परत चढ़ाने के काम के दौरान हुई कथित हेराफेरी से उपजा है। उच्च न्यायालय की ओर से गठित एसआईटी द्वारपालकों की मूर्तियों और श्रीकोविल के दरवाजे की चौखटों से सोना गायब होने से जुड़े मामले की जांच कर रही है।

हादसे रोकने में मददगार बनी एआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में फैली 64 लाख किलोमीटर लंबी सड़कों पर होने वाली जानलेवा दुर्घटनाओं को कम करने में अब एआई का भी बखूबी इस्तेमाल किया जा रहा है। वर्ष 2024 में सड़क हादसों में 1,77,177 लोगों की मौत का आंकड़ा मानवीय निगरानी की सीमाओं को स्पष्ट करता है।

प्रतिदिन औसतन 485 लोगों की मौत का आंकड़ा बताता है कि भारतीय सड़कों की जटिलता, मिश्रित यातायात और अप्रत्याशित ड्राइविंग व्यवहार इसे विश्व की सबसे कठिन चुनौतियों में से एक बनाते हैं। यद्यपि, 'विजन-आधारित एआई' की नयी लहर अब इस परिदृश्य को फॉरेंसिक विश्लेषण से हटाकर वास्तविक समय में हस्तक्षेप की ओर ले जा रही है। यह प्रौद्योगिकी भारतीय सड़कों की अव्यवस्था को बाधा के स्थान पर समृद्ध प्रशिक्षण डेटा के रूप में प्रयुक्त कर रही है। नेट्राडाइन के कार्यकारी उपाध्यक्ष (इंजीनियरिंग) तेजा गुडेना बताते हैं कि एआई कैमरे कोचिंग सिस्टम' के रूप में कार्य करते हैं जो चालक के व्यवहार का वास्तविक समय में विश्लेषण करते हैं। ये प्रणालियां असुरक्षित दूरी पर वाहन चलाना, लेन का उल्लंघन और मोबाइल के उपयोग जैसे प्रतिरूपों को पहचानती हैं। जोखिम बढ़ने पर प्रणाली केबिन के भीतर तत्काल अलर्ट जारी करती है, जिसका उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि समय रहते हस्तक्षेप करना है। पारंपरिक कैमरों के विपरीत, यह प्रणाली पलकों के झपकने की आवृत्ति जैसे सूक्ष्म शारीरिक संकेतों को पहचानकर झपकी आने से पूर्व ही चालक को सचेत कर देती है।

आंकड़ों के अनुसार, इस प्रौद्योगिकी के उपयोग से 'हिताची कैश मैनेजमेंट' जैसी कंपनियों ने दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की है। साथ ही, झपकी लेते हुए गाड़ी चलाने की घटनाओं में भी 74 प्रतिशत की गिरावट आई है। वर्तमान में यह प्रौद्योगिकी 3,000 से अधिक व्यावसायिक वाहनों के बेड़े में विस्तारित हो रही है।

- झपकी लेते हुए गाड़ी चलाने की घटनाओं में भी 74 प्रतिशत की गिरावट आई

निसार उपग्रह मिट्टी की नमी का कर रहा आकलन :इसरो

चेन्नई, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को बताया कि भारत-अमेरिका का संयुक्त उपग्रह निसार (एनआईएसएआर) अब हर 12 दिन में 100 मीटर रेजोल्यूशन पर मिट्टी की नमी (सॉइल मॉइस्चर) की लगभग रियल-टाइम निगरानी कर रहा है। इसरो ने जानकारी देते हुए बताया कि नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) एस-बैंड और एल-बैंड में भारतीय भू-भाग की व्यवस्थित इमेजिंग कर रहा है, जिससे उच्च-रिजोल्यूशन वाला और जमीन पर घास का व्यापक डेटा प्राप्त हो रहा है। इस डेटा का उपयोग 100 मीटर रेजोल्यूशन पर मिट्टी की नमी के उत्पाद तैयार करने में सफलतापूर्वक किया गया है। मिट्टी की नमी, फसल स्वास्थ्य, सिंचाई की आवश्यकता और सूखे के जोखिम का प्रमुख संकेतक है, जो भारत की कृषि और जल प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एस-बैंड और एल-बैंड दोनों के आंकड़ों से तैयार उत्पाद देश के विविध कृषि-जलवायु क्षेत्रों-सिंचित मैदानों, वर्षा-आधारित खेती, अर्ध-शुष्क और उच्च वर्षा क्षेत्रों-में सुसंगत आकलन प्रदान करते हैं। इसरो ने कहा कि निसार के एल-बैंड और एस-बैंड की पूरक क्षमताएं इसे और प्रभावी बनाती हैं-एल-बैंड वनस्पति के भीतर गहराई तक प्रवेश और बेहतर संवेदनशीलता देता है, जबकि एस-बैंड सतही स्तर पर अधिक सूक्ष्म विवरण प्रदान करता है। संयुक्त दोहरी-आवृत्ति आधारित उत्पाद विविध कृषि परिदृश्यों में अधिक सुदृढ़ परिणाम देते हैं।

सोनीपत में सड़क हादसे में पांच दोस्तों की मौत

चंडीगढ़, एजेंसी: हरियाणा के सोनीपत जिले में एक एसयूवी पेड़ से टकरा गई और इस हादसे में पांच दोस्तों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सातों लोग गोहाना के भावड़ गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद शुक्रवार शाम को रोहतक लौट रहे थे और इस दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने कहा कि टक्कर में एसयूवी क्षतिग्रस्त हो गई और तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घायलों में से एक की हालत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों ने कहा कि मृतकों की पहचान सागर, दीपक, साहिल, मोहित और अंकुश के रूप में हुई है। सभी की उम्र 22 से 27 साल के बीच है।

आंध्र प्रदेश ने पेश किया 3.32 लाख करोड़ का बजट

अमरावती। आंध्र प्रदेश सरकार ने शनिवार को 2026-27 के लिए 3.32 लाख करोड़ से अधिक का बजट पेश किया जिसमें 2.56 लाख करोड़ रुपये के राजस्व व्यय और लगभग 54,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का प्रस्ताव रखा गया है। आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री पय्यावुला केशव ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि अनुमानित राजस्व घाटा 22,000 करोड़ (जीएसडीपी का 1.11 प्रतिशत) होगा।

आतिशी वीडियो विवाद में दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विधानसभा ने सिख गुरुओं के खिलाफ विपक्ष की नेता आतिशी की कथित टिप्पणी वाले वीडियो को लेकर पंजाब के जालंधर में दर्ज मामले से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग दोहराई है। विधानसभा सचिवालय ने शुक्रवार को पंजाब के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह), पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और अन्य अधिकारियों को पत्र लिखकर मामले में 20 फरवरी तक अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है।

पत्र में पंजाब के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को जालंधर में दर्ज प्राथमिकी, जिस शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया और फॉरेंसिक प्रयोगशाला, सोशल मीडिया विशेषज्ञ तथा पुलिस के तकनीकी प्रकोष्ठ की रिपोर्ट की प्रतियां पेश करने का भी निर्देश दिया गया है। यह मामला जनवरी में दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में आतिशी की ओर से कथित तौर पर की गई एक टिप्पणी से उपजा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने आरोप लगाया था कि आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता की टिप्पणी सिख गुरुओं के प्रति अपमानजनक थी। उन्होंने विधानसभा की कार्यवाही से जुड़ी एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर साझा की थी।

इसी बीच, पंजाब पुलिस ने संबंधित वीडियो क्लिप को साझा किए जाने के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। बाद में इस मामले को दिल्ली विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के पास भेजा गया। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के निर्देश पर वीडियो क्लिप की फिर से फॉरेंसिक जांच कराई गई, जिसमें दावा किया गया कि वीडियो के साथ कोई "छेड़छाड़" नहीं की गई है। आतिशी ने विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश दलीलों में अपने ऊपर लगे आरोपों का खंडन किया है और विधानसभा की कार्यवाही की रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराने की मांग की है। विधानसभा सचिवालय ने पंजाब के अधिकारियों को लिखे पत्र में कहा कि प्रक्रिया नियमों के अनुसार, विशेषाधिकार समिति के विचार के लिए उनके जवाब और दस्तावेज निर्धारित समय के भीतर उपलब्ध कराए जाने आवश्यक हैं, ऐसा न करने पर विशेषाधिकार का उल्लंघन और अवमानना मानी जा सकती है।

मुंबई में निर्माणाधीन मेट्रो लाइन का स्लैब गिरने से एक व्यक्ति की मौत

● मुलुंड इलाके में शनिवार दोपहर को हुई घटना में तीन लोग घायल

मुंबई, एजेंसी

मुंबई के मुलुंड इलाके में शनिवार दोपहर निर्माणाधीन मेट्रो रेल लाइन-चार के पुल का स्लैब कुछ वाहनों पर गिर गया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि दोपहर बाद एलबीएस रोड पर जॉनसन एंड जॉनसन फैक्टरी के पास गर्डर पुल की पैरापेट दीवार का एक स्लैब एक ऑटो रिक्शा और स्कोडा कार पर गिर गया, जिससे दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

दमकल विभाग के अधिकारी ने मृतक की पहचान रामधन यादव

और घायलों की पहचान राजकुमार इंद्रजीत यादव, महेंद्र प्रताप यादव और दीपा रुहिया के रूप में की। राजकुमार की हालत गंभीर है और उसे पास के अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जबकि महेंद्र व दीपा की स्थिति स्थिर बताई गई है। मुंबई महानगर क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण ने बताया कि दोपहर 12: 15 बजे पियर-196 के पास, मुलुंड दमकल केंद्र के नजदीक दीवार का एक हिस्सा वहां से गुजर रहे ऑटो रिक्शा पर गिर गया। मेट्रो परियोजना की टीम बीएमसी अधिकारियों के साथ राहत कार्यों में जुटी है। हादसे के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है। दक्षिण-मध्य मुंबई के वडाला से पड़ोसी जिले ठाणे तक लाइन-चार का निर्माण किया जा रहा है और इसका बड़ा हिस्सा घाटकोपर, विक्रोली, भांडुप और मुलुंड जैसे क्षेत्रों को जोड़ने वाले एलबीएस रोड के ऊपर से गुजरता है।

इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी

चीन सीमा के करीब देश की सामरिक शक्ति में शनिवार 14 फरवरी 2026 को एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वायुसेना के विशेष विमान से असम के डिब्रूगढ़ जिले में मोरान बाईपास पर बनी आपात लैंडिंग सुविधा पर उतरे। प्रधानमंत्री मोदी की लैंडिंग के साथ ही हाइवे पर स्थित यह पट्टी वायुसेना के रणनीतिक नेटवर्क का हिस्सा बन गई। पीएम मोदी भारतीय वायुसेना के सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान से हाइवे पर बने इस 4.2 किलोमीटर लंबी एयरस्ट्रिप (इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी) पर उतरे। यह सुविधा न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्यों में भी गेम-चेंजर साबित होगी। आइए जानते हैं देश में यह सुविधा और कहां है और इसके क्या लाभ हैं।

युद्ध व शांति का सारथी

विशेषताएं एवं क्षमता

● विमानों की क्षमता : असम की इस 4.2 किमी लंबी एयरस्ट्रिप पर 40 टन तक के लड़ाकू विमान (जैसे राफेल, सुखोई-30 एमकेआई) और 74 टन तक के भारी मालवाहक विमान (जैसे सी-130जे) आसानी से उतर और उड़ान भर सकते हैं।

● रणनीतिक स्थान : यह चीन सीमा (एलएसी) से लगभग 300 किमी और म्यांमार सीमा से 200 किमी की दूरी पर स्थित है, जो युद्ध की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए महत्वपूर्ण है।

● लागत : मोरान ईएलएफ को लगभग 100 करोड़ की लागत से विकसित किया गया है।

देश में इन पांच जगहों पर सुविधा

● राजस्थान के बाड़मेर (एनएच-925ए) ● यूपी के आगरा-लखनऊ और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे ● ओडिशा के बालासोर (एनएच-16) ● आंध्र प्रदेश के नेल्लोर (एनएच-16)

क्या है इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी

● ईएलएफ यानी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी युद्ध और आपात स्थिति में वैकल्पिक रनवे की सुविधा है। जहां हाईवे पर पट्टी बनाई जाती है। जो कि युद्ध या आपातकाल में लड़ाकू विमानों, ट्रांसपोर्ट विमान और हेलीकॉप्टरों के लिए वैकल्पिक लैंडिंग की जगह देती है। ईएलएफ 40 टन तक के फाइटर विमान और 74 टन तक के अधिकतम भार वाला परिवहन विमान को संभालने में सक्षम है।

● सरकार की देशभर में 28 ईएलएफ बनाने की योजना है। फिलहाल असम को छोड़कर देश में पांच जगह इमरजेंसी लैंडिंग की सुविधा है। असम में यह सुविधा का शुरू होना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चीन सीमा के काफी पास है, जो कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी हाईवे रनवे पर उतरने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। उद्घाटन के दौरान राफेल और सुखोई विमानों ने शानदार हवाई प्रदर्शन किया।

ईएलएफ के मुख्य फायदे

● रणनीतिक बढ़त : यदि युद्ध के समय दुश्मन मुख्य वायु सेना ठिकानों (एयर बेस) को निशाना बनाता है, तो ये राजमार्ग वैकल्पिक रनवे के रूप में काम आएंगे।

● आपदा राहत : भूकंप या बाढ़ जैसी आपदाओं में, जब पारंपरिक हवाई अड्डे बाधित हों, तब इन स्ट्रिप्स के जरिए राहत सामग्री और रेस्क्यू टीमों को सीधे प्रभावित इलाकों तक पहुंचाया जा सकता है।

● लागत प्रभावी : अलग से बड़े रनवे और बुनियादी ढांचे के बजाय मौजूदा राजमार्गों का उपयोग करना किफायती और व्यावहारिक है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नौका पर अमेरिकी हमले में तीन की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कैरेबियाई सागर में फिर एक नौका पर हमला किया है। अमेरिका के दक्षिणी कमान ने सोशल मीडिया पर बताया कि यह नौका कैरेबियाई सागर में मादक पदार्थ तस्करी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मार्गों से गुजर रही थी और इसके जरिए तस्करी की जा रही थी। उसने हमले में तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। पोस्ट के साथ साझा किए गए एक वीडियो में एक नौका पानी में जाती दिखाई दे रही है और अचानक आग लगने के बाद विस्फोट हो जाता है।

नोबेले विजेता नरगिस की तबीयत बिगड़ी

पेरिस। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की सेहत लगातार खराब हो रही है। यह जानकारी उनके पति ताघी रहमानी ने दी। रहमानी ने पेरिस में अपने घर पर कहा कि 12 दिसंबर को ईरान के पूर्वी शहर मशहद की यात्रा के दौरान उनकी पत्नी को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद से वह उनसे बात नहीं कर पाए हैं। रहमानी ने कहा कि नरगिस की खराब सेहत की जानकारी रिहा किए गए बंदियों से मिली है, जिन्हें उनकी पत्नी के साथ रखा गया था।

रूसी नेता नवलनी को दिया गया था जहर

लंदन। पांच यूरोपीय देशों ने दावा किया कि रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी को प्राण घातक जहर दिया गया था और इसके लिए रूस की सरकार जिम्मेदार है। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड के विदेश मंत्रालयों ने शनिवार को कहा कि दो साल पहले दिवंगत हुए नवलनी के नमूनों के विश्लेषण से एपाइबेटिडाइन की पुष्टि हुई है। यह दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले जहरीले डार्ट मेंढकों में पाया जाने वाला एक विष है।

तीन कोबरा कमांडो के साथ चार की मौत

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े एक ट्रक को कार ने टक्कर मार दी, जिसकी वजह से कार में सवार सीआरपीएफ के तीन जवानों और एक चालक की मौत हो गई जबकि एक अन्य जवान घायल हो गया। एसपी सूरज सिंह परिहार ने बताया कि दुर्घटना जगदलपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर धमतरी बाईपास के पास खपरी गांव में सुबह करीब आठ बजे हुई। कार में सीआरपीएफ की विशिष्ट इकाई कोबरा के कमांडो शामिल थे। मृतक कोबरा की 20वीं बटालियन के जवान थे।

ट्रंप बोले-ईरान में सत्ता का परिवर्तन सबसे अच्छी बात होगी, जो संभव है

अमेरिकी राष्ट्रपति ने फोर्ट ब्रैग में सैनिकों से मुलाकात के दौरान की टिप्पणी

● ईरान को लेकर ट्रंप का अब तक का सबसे स्पष्ट बयान

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान में सत्ता परिवर्तन सबसे अच्छी बात होगी जो हो सकती है। जो देश के धार्मिक नेतृत्व को हटाने के समर्थन में उनके अब तक के सबसे स्पष्ट बयानों में से एक को दर्शाता है। ट्रंप ने ये टिप्पणियां उत्तरी कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग में सैनिकों से मुलाकात के तुरंत बाद कीं और इससे पहले दिन में उन्होंने पुष्टि की थी कि वह मध्य पूर्व में दूसरा विमानवाहक पोत समूह तैनात कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान के साथ परमाणु समझौता न होने पर बेहद भयावह परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने अतीत के सैन्य हमलों और संभावित परिणामों का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा, ईरान के साथ हमें समझौता करना ही होगा, अन्यथा यह बेहद-बेहद भयावह होगा। उन्हें पहली बार में ही समझौता कर लेना चाहिए था लेकिन उन्हें इसके बजाय मिडनाइट हैमर मिला। उन्होंने दशकों की कूटनीति की आलोचना करते हुए कहा, पिछले 47 वर्षों से वे सिर्फ बातें करते रहे हैं। इस बीच हमने बहुत सी जानें गंवाई हैं... पैर, हाथ, चेहरे सब उड़ गए। यह संघर्ष बहुत लंबा चल रहा है। उन्होंने पुष्टि की कि वे पश्चिम एशिया में दूसरा विमानवाहक पोत भेज रहे हैं और कहा, अगर इस्लामिक गणराज्य के साथ हमारा कोई समझौता नहीं होता तो हमले की राह खुली है।

जब उनसे पूछा गया कि ईरान का नेतृत्व कौन संभालेगा, तो उन्होंने कहा, कुछ लोग हैं लेकिन कोई विशिष्ट जानकारी नहीं दी।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अभी तक राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

मादुरो पर कार्रवाई ने दिखाई अमेरिकी ताकत

फोर्ट ब्रैग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले अमेरिकी विशेष बलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिछले महीने की गई इस कार्रवाई से पूरी दुनिया ने अमेरिका की पूर्ण सैन्य शक्ति को देखा और इससे यह सुनिश्चित हुआ कि दुनियाभर के संभावित शत्रु हमसे डरें। ट्रंप ने फोर्ट ब्रैग के सैनिकों और उनके परिवारों को संबोधित करते हुए कहा, आपके कमांडर-इन-चीफ पूरी तरह आपका समर्थन करते हैं। जब जरूरत होगी, आप लड़ेंगे आप जीतेंगे। राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने सैन्य परिवारों से निजी तौर पर भी मुलाकात कीं। राष्ट्रपति ने कहा, उस रात पूरी दुनिया ने देखा कि अमेरिकी सेना क्या कर सकती है। यह अभियान इतना सटीक और अविश्वसनीय था। ट्रंप ने कहा, जब तक मैं राष्ट्रपति हूं, हम दुनिया की सबसे बेहतरीन सेना होंगे।

तेहरान पर दबाव बढ़ाएं वैश्विक नेता

म्यूनिख। ईरान के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे देश के निर्वासित शहजादे रजा पहलवी ने कहा है कि यदि लोकतांत्रिक देश चुपचाप देखते रहे तो ईरान में और अधिक मौतें होने की संभावना है। पहलवी के समर्थक शनिवार को जर्मनी के म्यूनिख में एकत्रित विश्व नेताओं से उम्मीद कर रहे थे कि वे ईरानी सरकार पर बदलाव के लिए दबाव बढ़ाएंगे। ईरान के अपदस्थ शाह के पुत्र पहलवी ने शनिवार को म्यूनिख में चेतावनी दी कि यदि लोकतांत्रिक देश चुपचाप देखते रहे तो ईरान में और अधिक मौतें होने की संभावना है। वर्ष 1979 में देश छोड़ चुके पहलवी ने कहा, हम इस संकट की घड़ी में यह पूछने के लिए एकत्रित हुए हैं कि क्या दुनिया ईरान के लोगों के साथ खड़ी होगी?

राहुल गांधी की झूठ बोलकर गुमराह करने की नीति जान चुकी है जनता

● पुडुचेरी में भाजपा की रैली में बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

कराईकल (पुडुचेरी), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि हाल में किए गए मुक्त व्यापार समझौतों एवं भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में देश के किसानों और मछुआरों के हितों की पूरी तरह से रक्षा की गई है। उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी पर झूठ बोलकर किसानों एवं मछुआरों को गुमराह करने और भ्रम पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता पर तीखा हमला बोलते हुए शाह ने आरोप लगाया कि गांधी ने रोजाना झूठ बोलने की एक नई परंपरा शुरू कर दी है। पुडुचेरी के कराईकल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक बड़ी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि झूठ बोलना, जोर-जोर से झूठ बोलना और उसे दोहराना राहुल गांधी की नीति है। लेकिन लोग आपकी झूठ गढ़ने वाली फैक्टरी को पहचान चुके हैं।

शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश के मछुआरों और किसानों को गुमराह करना चाहते हैं। उनका इरादा झूठ बोलकर भ्रम फैलाना है। शाह ने कहा कि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों के अलावा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों, मछुआरों और पशुपालकों की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित की है। राहुल गांधी से एफटीए और व्यापार समझौते के प्रावधानों को ध्यानपूर्वक पढ़ने का आग्रह करते हुए शाह ने दोहराया कि भारतीय हितधारकों के हितों को 100 प्रतिशत सुनिश्चित किया गया है। मछुआरों को एफटीए से लाभ होगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान किसानों के हितों को बेच दिया गया था।

पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी के दीवार लेखन अभियान के तहत एक दीवार पर पार्टी के चुनाव प्रतीक कमल बनाते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।

कांग्रेस नेतृत्व की सरकार पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों, पशुपालन से जुड़े भाइयों और बहनों एवं मछुआरों को 100 प्रतिशत सुरक्षा प्रदान करने के लिए काम किया है। भाजपा के शीर्ष नेता ने भ्रष्टाचार को लेकर वी. नारायणसामी के नेतृत्व वाली पुडुचेरी की कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार (2016 से 2021) को निशाना बनाया और कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में 15,000 करोड़ रुपये का पूरा विकास कोष हड़प लिया गया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच शुरू हो चुकी है।

एक ही दिन में दो विमानों को मिली बम की धमकी

कोलकाता। कोलकाता से शिलांग जाने वाले विमान में बम होने की खबर के कुछ घंटों के बाद शनिवार शाम को डिब्रूगढ़-कोलकाता उड़ान के शौचालय में एक संदिग्ध संदेश मिला। शिलांग जाने वाले इंडिगो की उड़ान में बम की धमकी जांच के बाद अफवाह निकली। डिब्रूगढ़ से इंडिगो की उड़ान 6ई 6894 शाम 7:37 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरी, सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से उतार लिया गया। लिपस्टिक से लिखा गया यह संदेश विमान के शौचालय के अंदर मिला था। इससे पहले दिन में शिलांग जाने वाले इंडिगो के विमान 6ई 7304 में एक हस्तलिखित नोट मिला था, जिसमें दावा किया गया था कि विमान में बम रखा गया है।

पश्चिमी देशों की सोच गलत, नहीं टूटेंगे रिश्ते

● रुबियो ने ट्रांस-अटलांटिक संबंध मजबूत रखने की इच्छा जताई

म्यूनिख, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका और यूरोप के संबंधों का मैत्रीपूर्ण और आश्वस्त करने वाला आकलन प्रस्तुत करते हुए शनिवार को कहा कि पिछली आलोचनाओं का कठोर लहजे का उद्देश्य ट्रांस-अटलांटिक संबंधों में नई शुरुआत को प्रोत्साहित करना था। रुबियो म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

शुक्रवार को जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने इस वर्ष के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए अमेरिका और यूरोप से ट्रांस-अटलांटिक विश्वास को एक साथ पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित करने का आह्वान किया। मर्ज ने कहा कि एक ऐसी दुनिया में जहां पुरानी व्यवस्था कमजोर पड़ चुकी है, वहां अमेरिका भी अकेले आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली नहीं है।

रुबियो ने तर्क दिया कि शीत युद्ध में पश्चिम की विजय के उत्साह ने एक खतरनाक भ्रम को जन्म दिया कि हम संघर्षपूर्ण इतिहास को पीछे छोड़ चुके हैं और अब हर राष्ट्र एक उदार लोकतंत्र होगा। वेंस के रुख की तुलना में कम टकराव वाला दृष्टिकोण अपनाते हुए, उन्होंने स्वीकार किया कि ट्रंप प्रशासन ने अपने रुख को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह उनसे पीछे नहीं हटेगा।

अमेरिका में भारत का छात्र लापता तेज की गई तलाश

बेंगलुरु। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कर्नाटक निवासी 22 वर्षीय विद्यार्थी साकेत श्रीनिवासैया के लापता होने पर गहरी चिंता जताई है। दूतावास ने कहा है कि वह स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने वाले भारतीय विद्यार्थी के परिवार के साथ संपर्क में है और उसे ढूंढने में अमेरिका के अधिकारियों की मदद कर रहा है। श्रीनिवासैया आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र है और अमेरिका बर्कले में रासायनिक एवं जैवआणविक इंजीनियरिंग से स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। वह मंगलवार से लापता हैं। आखिरी बार उन्हें बर्कले में ड्वाइट वे के 1700 ब्लॉक के पास देखा गया था। बर्कले पुलिस ने उसके गुमशुदगी का मामला दर्ज किया है।

बांग्लादेश में नई कैबिनेट कल करेगी शपथ ग्रहण

● प्रधानमंत्री मोदी और शहबाज शरीफ को मिल सकता है न्योता

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश में नवनिर्वाचित सांसद और नई कैबिनेट सोमवार (16 फरवरी) को शपथ लेगी। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार की सुबह मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन नवनिर्वाचित सांसदों को पद की शपथ दिलाएंगे। इसी दिन दोपहर को ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन बंगभवन में नए कैबिनेट मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। सूत्रों के अनुसार अंतरिम सरकार की ओर से एक विशेष मुख्य समारोह 17 फरवरी को आयोजित किया जा सकता है।

निर्वाचन आयोग के सचिव अख्तर अहमद ने शनिवार को बताया कि गत 12 फरवरी को संपन्न हुए चुनावों के बाद सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। गौरतलब है कि देश की कुल 299 सीटों पर हुए मतदान में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 209 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है। इस बीच पार्टी के संयुक्त महासचिव हुमायूं कबीर ने संकेत दिया कि सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों, जिनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शामिल हैं, के साथ मध्य पूर्व के देशों के नेताओं को भी समारोह में आमंत्रित करने की तैयारी चल रही है।

अमेरिका में विमान हादसे में चार लोगों की चली गई जान

वांशिंगटन। अमेरिका में कोलोराडो के एमराल्ड पहाड़ी के एक दूर-दराज के इलाके के पास एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसके कारण चार लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट में राउट काउंटी शेरिफ डग शेरार के हवाले से कहा गया कि यह हादसा गुरुवार रात को हुआ। मरने वालों के शव उसी रात बरामद कर लिए गए और अब उनकी पहचान की जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त विमान एपिक विमान ई1000 था और यह हादसा आधी रात के करीब हुआ। इसके उड़ान सारणी का पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दुर्घटनाग्रस्त विमान स्टीमबोट स्प्रिंग्स शहर में बॉब एडम्स हवाई अड्डा के पास उड़ रहा था और एमराल्ड पहाड़ी की चोटी के दक्षिण की ओर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

आज का भविष्यफल -पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 15 फरवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 17.04 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

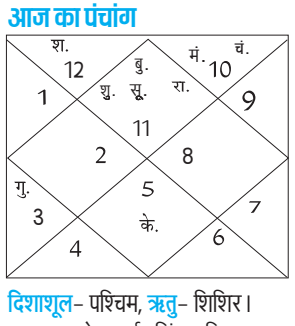

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराषाढ़ा 19.48 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष - आज वरिष्ठ सदस्यों की सलाह पर अमल अवश्य करें। संतजनों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आप अपने व्यवहार में काफी बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं। आपके मन में नए व्यवसाय को लेकर उत्साह रहेगा।

वृष - आज मेहनत के बल पर काम में सफलता मिलेगी। बच्चों की सफलता से गर्व की अनुभूति होगी। आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। आपके सिद्धांतों की प्रशंसा होगी। विवादित मुद्दों को हल करने के लिए उत्तम समय है।

मिथुन - आज ऐसे लोगों से सावधान रहें, जो आपको गलत सलाह देते हैं। राजनीतिक मुद्दों पर बहसबाजी से दूरी बनाकर रखें। आपको अनुमान से अधिक काम करना पड़ सकता है। संतुलित आहार रखने से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क - आज शुभ कार्यों में आपको धन खर्च करना चाहिए। समाज में आपकी प्रसिद्धि बढ़ेगी। उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। नई तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। पैतृक व्यवसाय में विस्तार करने के योग बन रहे हैं।

सिंह - आज जीवनसाथी और परिजनों की सलाह आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाली है। देवस्थल की यात्रा हो सकती है। गृहस्थ जीवन का भरपूर आनंद लेंगे। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र अध्ययन में अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

कन्या - आज यात्राओं का भरपूर आनंद लेंगे। दोस्तों के साथ प्रसन्नता के पलों का आनंद उठाएंगे। विरोधियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा। धार्मिक क्रियाकलापों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है।

तुला - आज आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लेकर काम करना उचित होगा। महिलाओं को गृहकार्यों में कुछ परेशानी महसूस होगी। पुरानी बातों के कारण तनाव उत्पन्न हो सकता है।

वृश्चिक - आज सरकारी कर्मचारियों के लिए दिन अत्यंत अनुकूल है। व्यवसाय में अपने कौशल का परिचय देंगे। संतान के व्यवहार से आनंदित रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी पदोन्नति का विचार बना सकते हैं। घर में सुख और शांति का वातावरण रहेगा।

धनु - आज भूमि-संपत्ति को लेकर कोई निर्णय न लें। मित्रों और रिश्तेदारों के साथ संबंध मधुर रखें। अपने व्यवहार को निखारने का प्रयास करें। आप कुछ विशेष कार्यों को पूरा करने के प्रयास में लगे रहेंगे। मौसम में बदलाव के कारण एलर्जी हो सकती है।

मकर - आज अनुभवी व्यक्तियों की सलाह का लाभ उठाएंगे। पति-पत्नी के आपसी संबंध मधुर होंगे। विदेश जाने की योजना बना सकते हैं। पारिवारिक रिश्ते और मजबूत होंगे। छात्रों को मेहनत का बेहतरीन परिणाम मिलेगा।

कुंभ - आज तनावपूर्ण स्थिति से अपने आपको दूर रखें। अत्यधिक कार्यभार के कारण थोड़ी परेशानी होगी। छात्रों को पढ़ाई में अवरोध का सामना करना पड़ेगा। गृह उद्योगों में कार्यरत लोगों की आय बढ़ सकती है। आयात-निर्यात के व्यवसाय में उत्तम लाभ मिलेंगे।

मीन - आज बड़े भाइयों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे। आपके भीतर आत्मविश्वास और ऊर्जा का संचार होगा। प्रेम संबंधों का आनंद उठाएंगे। नई परियोजनाओं में आप धन का निवेश कर सकते हैं। परिवार में आपके विचारों के अनुसार वातावरण रहेगा।

सुडोकू-62

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9			4					5
			9		3		1	
	8					6		9
		6			7			1
		3				7		
5			1				6	
6		1			8		3	
	2		3		9			6
4					5			7

सुडोकू - 61 का हल

1	2	8	9	5	4	3	6	7
6	5	3	2	1	7	9	8	4
4	7	9	3	6	8	2	5	1
9	4	2	5	7	3	8	1	6
8	6	5	1	4	2	7	9	3
3	1	7	8	9	6	5	4	2
2	9	1	6	3	5	4	7	8
5	3	4	7	8	1	6	2	9
7	8	6	4	2	9	1	3	5

पाकिस्तान के उस्मान तारिक एक साधारण ऑफ-स्पिनर ही हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि भारतीय बल्लेबाज टी20 विश्व कप मैच में उन्हें अच्छी तरह से खेल लेंगे।
-सौरव गांगूली

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 15 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
वेस्टइंडीज-नेपाल	पूर्वाह्न 11 बजे
अमेरिका-नामीबिया	दोपहर 3 बजे
भारत-पाकिस्तान	शाम 7 बजे

हाईलाइट

जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें दिग्गजों को हराने पर

कोलकाता। पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें रविवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में अपनी लय कायम रखते हुए बंगाल और कर्नाटक जैसे दिग्गजों को हराने पर लगी होंगी। जम्मू कश्मीर ने इंदौर में मध्यप्रदेश को 56 रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। रणजी ट्रॉफी में 1959.60 में पदार्पण करने के बाद से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दूसरा सेमीफाइनल लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर खेला जायेगा जिसमें उत्तराखंड का सामना आठ बार की चैम्पियन कर्नाटक से होगा। उत्तराखंड ने जमशेदपुर में झारखंड को एक पारी और छह रन से हराया जबकि कर्नाटक ने रिकॉर्ड 42 बार की विजेता मुंबई को मात दी।

ग्रुप में शीर्ष पर बने रहने के इरादे से उतरेगा वेस्टइंडीज

मुंबई, एजेंसी : आत्मविश्वास से लबरेज वेस्टइंडीज टी20 विश्व कप ग्रुप सी के मुकाबले में रविवार को वानखेड़े स्टेडियम पर नेपाल से भिड़ेगी तो उसका लक्ष्य जीत की लय बरकरार रखकर शीर्ष पर अपना स्थान पुख्ता रखने का होगा। वेस्टइंडीज टीम ने अभी तक दोनों मैच जीते हैं और नेट रनरेट (1.625) के आधार पर ग्रुप में शीर्ष पर है। एक और जीत से शीर्ष पर उसका स्थान और पक्का हो जायेगा। इसके बाद वेस्टइंडीज को कोलकाता में इटली से खेलना है और इन दोनों मैचों में जीत से ग्रुप में शीर्ष पर उसका रहना तय हो जायेगा लेकिन उसे आत्ममुग्धता से बचना होगा।

टी-20 विश्व कप : सियासी रुकावट के बाद आज टकराएंगी दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी टीमें, उस्मान तारिक के बालिंग एक्शन पर रहेंगी नजरें

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला कौशल का नहीं, दबाव झेलने का

कोलंबो, एजेंसी

क्रिकेट में सियासत के घालमेल के कारण पैदा हुआ गतिरोध 'अस्थायी' तौर पर दूर होने के बाद टी20 विश्व कप के सबसे चर्चित मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी आमने सामने होंगे तो भारत के मध्यक्रम के सामने पाकिस्तान के स्पिनरों की चुनौती होगी और मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए अब दोनों टीमें किसी तरह की कोताही बरतना नहीं चाहेगी। पाकिस्तान ने मैच के बहिष्कार के अपने फैसले पर यू टर्न लेकर प्रेमदासा स्टेडियम पर यह मैच खेलने का फैसला लिया।

इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, बांग्लादेश और श्रीलंका क्रिकेट के बीच हफ्तों तक लंबी बातचीत हुई। व्यवहारिक तौर पर पूरा दक्षिण एशिया इस मैच को कराने के प्रयासों में जुटा हुआ था चूंकि प्रसारकों, प्रायोजकों से लेकर दर्शकों तक के लिये यह मैच सबसे अहम रहता है। विवाद की शुरुआत बीसीसीआई के निर्देश पर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान का कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल करार रद्द करने से हुई। बांग्लादेश के प्रति एकजुटता दिखाते हुए पाकिस्तान ने मैच के बहिष्कार का फैसला ले लिया था। वहीं दोनों टीमों के क्रिकेटरों ने इसे आम मैच बताकर हाइप कम करने की पूरी कोशिश की। लेकिन दोनों टीमों की क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता और खासकर इस मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए यह तो तय है कि अब कोई इसे हारना नहीं चाहेगा। हारने पर अपने प्रशंसकों का कोपभाजन बनना दोनों में से किसी टीम को मंजूर नहीं होगा और वह भी तब जबकि विश्व कप के अहम मुकाबले अभी आने बाकी हैं। भारत के सामने समस्या अभिषेक शर्मा को लेकर है जो पेट के संक्रमण के कारण दो दिन अस्पताल में रहे और नामीबिया के खिलाफ नहीं खेल सके थे। उनके नहीं खेलने पर या तो संजू सैमसन को ही उतारा जाये या ईशान किशन के साथ पारी की शुरूआत के लिये वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया जाये जो फिट हो गए हैं। सुंदर प्रेमदासा स्टेडियम की धीमी पिच पर अच्छी आफ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। पिच को देखते हुए बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को भी उतारा जा सकता है। ऐसे में रिंकू सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है। बाबर आजम के खिलाफ कुलदीप के शानदार रिकॉर्ड और एशिया कप फाइनल में उनके चार विकेट को देखते हुए उन्हें इस मैच में मौका देना अच्छा विकल्प होगा। विश्व कप से पहले भारत की बल्लेबाजी काफी मजबूत लग रही थी लेकिन टूर्नामेंट के दो मैचों में बल्लेबाजों का प्रदर्शन चिंता का सबब है। अमेरिका के खिलाफ भारत के छह विकेट 77 रन पर गिर गए थे जबकि नामीबिया के खिलाफ डैथ ओवरों में मेजबान टीम ने चार रन के भीतर पांच विकेट गंवा दिये थे लेकिन 200 रन से अधिक का स्कोर और 93 रन से जीत के कारण यह कमजोरियां दब गई। दोनों मैचों में सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पंड्या ने संकटमोचक की भूमिका निभाई। लेकिन बड़े टूर्नामेंट में एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन जरूरी है। पिछले साल हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बनने के बाद पाकिस्तान टीम के मैच कोलंबो में हो रहे हैं जिससे उसे हालात और पिच की बेहतर जानकारी है।

अभ्यास सत्र के दौरान पाकिस्तानी क्रिकेटर।

मैच देखने पहुंचेंगे नकवी

कराची। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी रविवार को कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का मैच देखेंगे और आईसीसी अधिकारियों से बात भी कर सकते हैं। एक सूत्र ने बताया कि नकवी के साथ पाकिस्तान सुपर लीग के सीईओ सलमान नसीर और मुख्य परिचालन अधिकारी सुमैर अहमद समेत पीसीबी के सीनियर अधिकारी भी श्रीलंका जाएंगे। सूत्र ने कहा श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने दूसरे बोर्ड के अधिकारियों को न्योता दिया है।

मैच में बारिश की संभावना

कोलंबो। भारत-पाकिस्तान के मैच में एकबार फिर खलल पड़ा सकता है। नॉर्थ-ईस्ट-मॉनसून के देर से आने के कारण कोलंबो में बारिश होने का अनुमान है। इससे क्रिकेट प्रेमियों की निराशा बढ़ेगी। इस बड़े मैच के लिए 16,000 भारतीय फैंस के आने की उम्मीद है, साथ ही 28,000 क्षमता वाले आर. प्रेमदासा स्टेडियम में आने वाले पाकिस्तानी और लोकल फैंस के लिए भी उम्मीद है - क्रिकेट की दुनिया भर से लाखों लोग इसे देख रहे हैं।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा,वरुण चक्रवर्ती।

पाकिस्तान : सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, ख्वाजा नफे, मो नवाज, मो सलमान मिर्जा, नसीम शाह, फरहान, सईम अयूब, शाहीन अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

भारतीय कप्तान सूर्य कुमार यादव

मारक्रम की आतिशी बल्लेबाजी, दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराया

दक्षिण अफ्रीका ने सुपर आठ में अपनी जगह की पक्की

अहमदाबाद, एजेंसी।

मार्को यानसन (40 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान एडेन मारक्रम की आक्रामक बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के अहम मुकाबले में न्यूजीलैंड को 17 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर सुपर आठ में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। न्यूजीलैंड को सात विकेट पर 175 रन पर रोकने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने महज 17.1 ओवर में तीन विकेट गवांकर लक्ष्य हासिल कर लगातार तीसरी जीत दर्ज की।

मारक्रम ने 44 गेंद की पारी में छह चौके और चार छक्कों की मदद से नाबाद 86 रन बनाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने क्विंटन डिकॉक (नौ) के साथ 28 गेंद में 62 और रेयान रिकल्टन के साथ 18 गेंद में 40 रन की साझेदारी कर शुरुआती आठ ओवर के अंदर टीम के रनों का शतक पूरा कर मैच पर पूरी तरह से दबदबा कायम कर दिया था। मार्क चैपमैन (48) और डेरिल मिचेल (32) के बीच पांचवें विकेट के लिए 44 गेंद में 74 रन की साझेदारी के दम पर न्यूजीलैंड ने खराब शुरुआत से उबरते हुए चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका के लिए यानसन के अलावा लुंगी एनगिडी, केशव महाराजइऔर कोर्बिन बोश भी विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल रहे। इन तीनों को एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए मारक्रम ने शुरुआती ओवर में ही मैट हेनरी के खिलाफ हैट्रिक चौका लगाकर आक्रामक तेवर दिखाये।

फर्ग्यूसन ने अपने दूसरे ओवर में क्विंटन डिकॉक की नौ रन की पारी पर विराम लगाई लेकिन रेयान रिकल्टन ने क्रीज पर आते ही लगातार गेंदों पर डफी के खिलाफ दो चौके और 103 मीटर लंबा छक्का लगाया। बाद में मारक्रम और क्रीज पर आये अनुभवी डेविड मिलर (नाबाद 24) ने इसके बाद ज्यादा जोखिम लिए बिना टीम को आसान जीत दिला दी। भारत से इतर मुकाबला होने के बावजूद करीब 30,000 दर्शकों की मौजूदगी में मैच ने उम्मीदों के अनुरूप रोमांच पैदा किया। दोनों टीमें इस मुकाबले से पहले अजेय थीं।

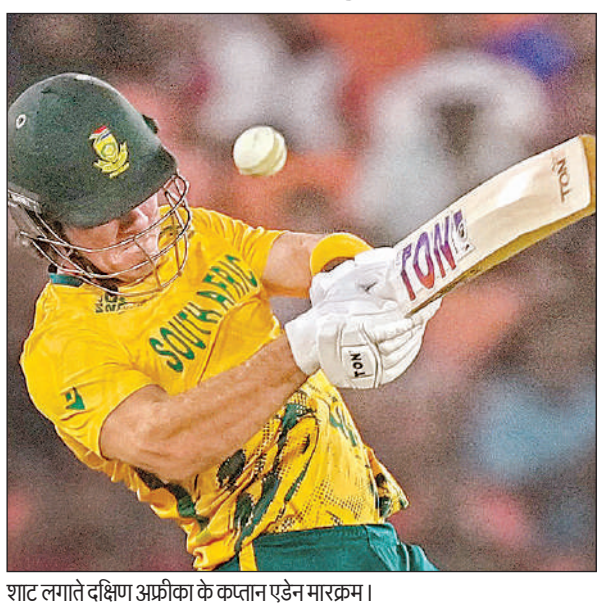

शाट लगाते दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम।

आयरलैंड ने ओमान को 96 रन से हराया

- कप्तान लोरकान टकर के 51 गेंद में 94 रन की मदद से आयरलैंड ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के एकतरफा मैच में शनिवार को ओमान को 96 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर आयरलैंड ने पांच विकेट पर 235 रन बनाए। टकर ने अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाए। आयरलैंड ने इस टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर आउट हो गई। आमिर कलीम ने 50 और हमाद मिर्जा ने 46 रन बनाए। आयरलैंड के लिए जोश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रेस और बैरी मैकार्थी को दो दो विकेट मिले। इस जीत के बावजूद आयरलैंड चौथे स्थान पर है जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और आस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर हैं। इससे पहले आयरलैंड के कप्तान टकर के 51 गेंद में 94 रन की अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाये।

तारिक है हमारा ट्रंपकार्ड : सलमान

कोलंबो, एजेंसी

- आईसीसी पहले ही उसके एक्शन को ठहरा चुका है दो बार सही

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने असामान्य एक्शन वाले स्पिनर उस्मान तारिक का बचाव करते हुए भारत के खिलाफ रविवार को यहां आर प्रेमदासा स्टेडियम पर खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के मैच के लिए उन्हें अपनी टीम का 'तुरुप का पत्ता' करार दिया। तारिक ने हाल ही में अमेरिका के खिलाफ पास के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर तीन विकेट झटककर अपनी क्षमता दिखाई थी। उनकी गेंदबाजी यहां स्पिनरों की मददगार आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पर और घातक साबित हो सकती है।

आगा ने मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में शनिवार को यहां कहा उस्मान हमारे 15 खिलाड़ियों में से एक हैं, हम उन्हें उसी नजर से देखते हैं। आप (मीडिया) ने उन्हें बड़ा बना दिया। वह बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। आगा हालांकि तारिक से जुड़े सवालों को टालने की कोशिश कर रहे थे लेकिन उन से जुड़े सवाल लगातार उठते रहे।

स्पिनर उस्मान तारिक।

आगा ने स्वीकार किया कि 27 साल का यह ऑफ स्पिनर बड़े शॉट खेलने वाले भारतीय बल्लेबाजों के सामने उनकी टीम का मुख्य हथियार है। आगा ने कहावह पिछले कुछ महीनों से बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्होंने लीग क्रिकेट (पाकिस्तान सुपर लीग) में भी शानदार प्रदर्शन किया था। और हां, आप कह सकते हैं कि वह हमारे लिए 'ट्रंप कार्ड' हैं। तारिक की असामान्य 'पॉज एंड स्लिंग' एक्शन पर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन आगा ने इसे ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा, उसे इन बातों की कोई परवाह नहीं है। जब से उसने क्रिकेट खेलना शुरू किया है, लोग उसके बारे में बातें करते रहे हैं। वह समझदार और परिपक्व है, इसलिए इन चीजों से प्रभावित नहीं होता। उसे आईसीसी द्वारा दो बार मंजूरी भी मिल चुकी है और उसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी के लिए जो भी आवश्यक था किया है। आगा ने यह भी कहा कि पाकिस्तान का गेंदबाजी आक्रमण केवल तारिक तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा यह संभव है कि स्पिनर यहां दबदबा बनाए, लेकिन तेज गेंदबाजों की भी भूमिका होगी। तेज गेंदबाजी ऐसी कला है जिसे किसी भी जगह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कप्तान का मानना है कि शाहीन शाह अफरीदी अपनी विविधताओं के कारण बड़ी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा उनकी भूमिका हमेशा अहम रहेगी। हमारे पास कई स्पिनर हैं, लेकिन तेज गेंदबाज भी हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को 10 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हराया

इंग्लैंड के टॉम बैंटन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार

कोलकाता, एजेंसी

आदिल राशिद (तीन विकेट), जोफ्रा आर्चर और लियम डॉसन (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद टॉम बैंटन (नाबाद 63) और जेकब बेथेल (32) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने शनिवार टी-20 विश्वकप के 23वें मुकाबले में स्कॉटलैंड को 10 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से शिकस्त दी। टॉम बैंटन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

153 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड ने पहले दो ओवरों में 13 रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिये। फिल सॉल्ट (दो) और जॉस बटलर तीन रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद जेकब बेथेल और टॉम बैंटन की जोड़ी ने पारी को संभाल और तीसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े। 10वें ओवर में ऑलिवर डेविडसन ने जेकब बेथेल को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। जेकब बेथेल ने 28 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 32 रन बनाये। कप्तान हैरी ब्रूक चार रन बनाकर आउट हुये।

सैम करन ने एक चौका और दो छक्के लगाते हुए 28 रन बनाये। इंग्लैंड ने 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से अपने नाम किया। टॉम बैंटन ने 41 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 63 रनों की मैच विजयी पारी खेली। विल जैक्स 10 गेंदों में 16 रन बनाकर नाबाद रहे। स्कॉटलैंड के लिए चार गेंदबाजों ने एक-एक विकेट लिया।

शाट लगाते इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन।

टी20 विश्व कप | **पहली गेंद से ही बड़े शॉट मारने की क्षमता की तारीफ की**

अभिषेक शर्मा की काबिलियत के कायल हुए कपिल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व महान क्रिकेटर कपिल देव ने टी-20 सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की पहली गेंद से ही बड़े शॉट मारने की काबिलियत की तारीफ की है।

कपिल ने शुक्रवार शाम को कुतुब गोल्फ कोर्स में डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैंपियनशिप 2026 में पत्रकारों से बातचीत में कहा अगर आप पहली गेंद पर छक्का मार सकते हैं, तो क्यों नहीं इसके लिए आपको बहुत काबिलियत चाहिए। अगर वह दो साल, तीन साल तक ऐसा कर सकता है, तो हम कहेंगे कि वह कितना बढ़िया खिलाड़ी है। हालांकि उन्होंने अभिषेक को सावधान किया कि उसे लगातार बेहतर होते रहना होगा ताकि वह गेंदबाजों से एक कदम आगे रहे।

उन्होंने कहा पहले साल वह प्रतिभा के साथ सामने आ सकता है।

शायद दो साल। लेकिन गेंदबाज भी हर समय बल्लेबाजों के लिए योजना बनाते रहते हैं। तीसरा साल सबसे जरूरी होगा कि वह स्वयं को कैसे व्यवस्थित करता है।" अभिषेक शर्मा ने 2024 में भारत के लिए पर्दापण किया था। भारत के लिए 39 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 36 की औसत से 1,297 रन बनाए हैं, और उनका स्ट्राइक रेट 136 का है। इन 39 मैचों में उन्होंने 123 चौके और 88 छक्के लगाए हैं। शौकीन गोल्फर और प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के अध्यक्ष कपिल देव ने कहा कि वह देश में क्रिकेट के विकास से बहुत खुश हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि दूसरे खेलों को भी पूरा सहयोग मिलना चाहिए। उन्होंने कहा क्रिकेट अच्छा कर रहा है- यह अच्छी बात है। बुरी बात यह है कि क्रिकेट अकेला स्पोर्ट नहीं है। हमें सभी खेलों का ध्यान रखना चाहिए। क्रिकेट ने मुझे सब कुछ दिया है। फिर भी, मैं चाहता हूं कि हमें दूसरे खेलों को भी प्रमोट करना चाहिए। हमें हर चीज के लिए सरकार पर निर्भर नहीं रहना चाहिए और इस बात की जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि हम क्या योगदान कर सकते हैं।

भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने पर फैसला कल : सलमान अली आगा

कोलंबो। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप मैच के टॉस या मुकाबले से बाद भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के सवाल पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया लेकिन कहा कि खेल उसी भावना से खेला जाना चाहिए, जिसके लिए वह जाना जाता है। भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने पिछले साल दुबई में आयोजित एशिया कप के समय से एक-दूसरे से हाथ मिलाना बंद कर दिया है। यह टूर्नामेंट पहलगाम हमले और उसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में खेला गया था। हाथ मिलाने की परंपरा को लेकर पूछे गए सवाल पर आगा ने शनिवार को यहां कहा इस बारे में हम कल देखेंगे। आगा ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में 'खेल भावना' को बनाए रखा जाना चाहिए। क्रिकेट (सही) भावना के साथ खेला जाना चाहिए। मेरी व्यक्तिगत राय शायद मायने नहीं रखती। लेकिन क्रिकेट उसी तरीके से खेला जाना चाहिए, जिस तरह से इसे हमेशा खेला जाना चाहिए था। क्या करना है, यह तय करना उन पर निर्भर है। इस बीच यह भी पता चला है कि प्रेमदासा स्टेडियम में होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय खेमे का माहौल भी आक्रामक के बजाय अधिक संयमित है। टीम ने इस मामले में अंतिम निर्णय उच्च अधिकारियों पर छोड़ दिया है। भारतीय टीम के अंदर हालांकि सोशल मीडिया पर सार्वजनिक भावनाओं को लेकर सतर्कता भी है, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद भावनाएं अब भी काफी संवेदनशील बनी हुई है और प्रतिक्रियाएं तीखी हो सकती हैं।